छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

RNI Reg.No. - CHHHIN / 2009/36148
डाक पंजीयन क्र. - 49 / रायगढ़ / C.G./2021-2023

वर्ष - 14 ■ अंक - 99 ■ अम्बिकापुर, मंगलवार 11 अप्रैल 2023 पृष्ठ -8 ■ मूल्य - 1 रूपये

www.cgfrontline.com

खाद्य मंत्री ने कहा-छत्तीसगढ़ बंद बेवजह लोगों को परेशान करने वाला

बेमेतरा हिंसा को लेकर दिए गए बयान को लेकर हो रही तीखी प्रतिक्रिया

■ बयान के बीच यह भी कहा-कहां की घटना है, हमको जानकारी नही

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। बेमेतरा जिले में दो समुदायों के बीच खूनी संघर्ष व एक युवक की हत्या से फैली सनसनी को लेकर सोमवार को पूरे प्रदेश में विश्व हिंदू परिषद व अन्य संगठनों के द्वारा किए गए बंद के आह्वान का जहां एक ओर व्यापक असर देखने को मिला, वहीं प्रदेश के खाद्य मंत्री इस घटनाक्रम से बेखबर रहे। उन्होंने हिंदू संगठनों के द्वारा प्रदेश सहित जिले में कराए गए बंद को बेवजह परेशान होने वाला करार दे दिया। वे उक्त घटनाक्रम को सामान्य तरीके से लेते हुए कह डाले कि कोई बड़ी घटना तो हुई नहीं है। इंटरनेट मीडिया में मंत्री अमरजीत भगत के बोल वायरल होने के बाद कई तरह की प्रतिक्रियाएं सामने आने लगी। मंत्रीजी सवाल पर बोले-कहां की घटना है, हमको इसकी जानकारी ही नहीं है।

बता दें कि बेमेतरा जिले के साजा ब्लॉक अंतर्गत ग्राम बिरनपुर में दो समुदायों के बीच झड़प के बीच एक युवक की चाकू मारकर हत्या कर दी गई है। इसे लेकर विश्व हिंदू परिषद सहित अन्य संगठनों ने सोमवार को छत्तीसगढ़ बंद का आह्वान किया था। रविवार की शाम इसे लेकर लाउड सिस्टम से एलाउंस भी किया गया था। इसी क्रम में अंबिकापुर सहित पूरे संभाग में बंद का असर देखने को मिला, कई दुकानें स्वस्फूर्त बंद रहीं। इधर बेमेतरा की घटना से अनजान प्रदेश के खाद्य मंत्री का कहना है कि छत्तीसगढ़ बंद बेवजह लोगों को परेशान करने वाला है। जहां का घटना है, वहां बंद करिए...प्रदर्शन करिए। पूरे प्रदेश के नागरिकों, व्यापारियों को बंद करके अव्यवस्था फैलाने की कोशिश करते हैं, ये ठीक नहीं है। आगे वे कहते हैं कहां का घटना है, हमको जानकारी नहीं है। कुछ ऐसा बड़ा घटना होता, कार्रवाई नहीं होती, तो प्रतिकार करते, लेकिन कुछ भी हुआ तो रोज बंद...बाजार बंद...उचित नहीं है। ऐसा नहीं करना चाहिए। बेमेतरा कांड को लेकर मंत्री अमरजीत भगत का यह बयान सामने के बाद लोग इसे आपत्तिजनक बता रहे हैं।

मुश्किलों के दौर से गुजर रहे लोग

खाद्य मंत्री अमरजीत भगत ने कहा-लोग मुश्किलों के दौर से गुजर रहे हैं। आज एक तो महंगाई की मार है, जीएसटी की मार है। पूरा उद्योग धंधा बंद है। ऐसे में संघर्ष करने वालों का दुकान, बाजार बंद करा देंगे, तो उनका कामधाम सब बंद हो जाता है। मंत्री श्री भगत की सोच व्यवसाय प्रभावित होने को लेकर सही है, लेकिन जिस घटना को लेकर प्रदेशभर में उबाल मचा है, प्रदेश में ही घर भस्मीभूत कर दिए गए, उसे लेकर की गई टिप्पणी को लोग आपत्तिजनक मानकर चल रहे हैं।

हिंसा व हत्या की घटना को लेकर बंद रहा सरगुजा संभाग

बेमेतरा जिले में हुई हिंसा व हत्या के बाद प्रदेश भर में आए उबाल को देखते हुए पुलिस प्रशासन की टीम अलर्ट रही। शहर के हर चौक-चौराहे में इनकी तैनाती देखने को मिली। विहिप व अन्य हिंदू संगठनों के द्वारा शहर भ्रमण कर व्यवसायियों से दुकानें बंद रखने का आग्रह किया गया। इस दौरान पुलिस पार्टी इनके आगे पीछे चल रही थी, ताकि किसी प्रकार के घटना की पुनरावृत्ति न होने पाए। अंबिकापुर शहर सहित पूरे संभाग में बंद का असर देखा गया, कई दुकानें स्वस्फूर्त बंद रहीं। दवा दुकान व होटल खुले रहे। कहीं किसी प्रकार की अप्रिय स्थिति बनी हो, ऐसा सामने नहीं आया है।

प्रशासन अलर्ट मोड पर: मॉक ड्रिल कर कोरोना की तैयारियों को परखा गया

कोरोना के मरीज को एंबुलेंस से उतारने से लेकर बेड शिफ्टिंग तक का प्रदर्शन

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। केंद्र एवं राज्य शासन के निर्देश पर सोमवार को कोरोना से निपटने की गई तैयारियों को लेकर राजमाता श्रीमती देवेंद्र कुमारी सिंहदेव शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय में मॉक ड्रिल किया गया। मॉक ड्रिल में कोरोना पेशेंट को एंबुलेंस से उतारने से लेकर बेड में शिफ्टिंग तक की प्रक्रिया को चरणबद्ध तरीके से प्रदर्शित किया गया। शासन के निर्देशानुसार सभी आवश्यक तैयारी कर ली गई है तथा है। बताया गया कि जिला अस्पताल में सामान्य वार्ड में ऑक्सीजन सिलेंडर युक्त 40 बेड हैं तथा 14 बेड का आईसीयू है। जिले के शासकीय अस्पतालों में 123 आइसोलेशन बेड, ऑक्सीजन बेड 114 तथा आईसीयू बेड 26 हैं। वर्तमान में प्रतिदिन 100 टेस्ट कराने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इस दौरान सीएमएचओ डॉ.पीएस सिसोदिया, डीन डॉ.आर मूर्ति, अस्पताल अधीक्षक, डीपीएम डॉ.पुष्पेंद्र राम सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

कोविड संक्रमण के रोकथाम हेतु निर्देश जारी

कोविड-19 के संक्रमण दर में वृद्धि को देखते हुए लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग द्वारा बचाव एवं रोकथाम हेतु दिशा-निर्देश जारी कर दिया गया है। जारी निर्देशानुसार जिले अंतर्गत सर्दी, खांसी, जुकाम के लक्षण के प्रकरणों की सतत निगरानी करते हुए ऐसे प्रत्येक प्रकरण की कोविड-19 जांच की जाएगी। जिले में कम से कम प्रतिदिन 100 कोविड-19 जांच अवश्य करने कहा गया है। कोविड-19 जांच यथासंभव आरटीपीसीआर विधि से करने कहा गया है, जिससे प्रत्येक धनात्मक प्रकरण की डब्ल्यूजीएस जांच की जा सके। कोविड-19 जांच में धनात्मक आने वाले प्रत्येक प्रकरण की व्होल जीनोम सिक्वेंसिंग जांच हेतु सैंपल अनिवार्य रूप से भेजना है। ऐसे प्रकरणों के संपर्क में आने वाले व्यक्तियों की पहचान कर लक्षण वाले व्यक्तियों की कोविड-19 जांच करने कहा गया है। कोविड-19 प्रकरणों के उपचार हेतु अस्पतालों में बिस्तरों, ऑक्सीजन बिस्तर, आईसीयू बिस्तर, वेंटिलेटर, मेडिकल ऑक्सीजन, दवाइयां इत्यादि की उपलब्धता सुनिश्चित की जानी है।

वृद्ध व ऐसे पीड़ित भीड़-भाड़ से बचें

आमजनों से अपील की गई है कि वृद्धजन एवं अन्य बीमारियों (जैसे डायबिटीज, उच्च रक्तचाप, कैंसर, किडनी की बीमारियों इत्यादि) से ग्रसित एवं कम रोग प्रतिरोधक क्षमता वाले व्यक्ति भीड़-भाड़ वाले स्थानों में जाने से बचें। किसी भी व्यक्ति को भीड़-भाड़ वाले एवं कम हवादार वाले स्थानों में जाने की आवश्यकता हो, तो मास्क अवश्य लगाएं। खांसते व छींकते समय रुमाल या टिश्यू पेपर से मुंह एवं नाक को ढक लें। सर्दी जुकाम वाले व्यक्तियों के संपर्क में आने से बचें। व्यक्तिगत स्वच्छता का ध्यान रखें एवं समय-समय पर हाथ धोते रहें।

नाबालिगों के साथ मारपीट के मामले में तीन गिरफ्तार

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। नाबालिग बालकों के साथ मारपीट के मामले में गांधीनगर थाना की पुलिस ने एक विधि से संघर्षरत बालक सहित तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है। आरोपितों से घटना में प्रयुक्त लोहे का रॉड, बेसबॉल स्टिक, मोबाइल, बुलेट मोटरसाइकिल बरामद किया गया है।

घटना दिनांक नौ अप्रैल को मुकेश यादव, लल्ला यादव एवं अन्य आरोपी नाबालिग बालकों को जबरन गाड़ी मे बैठाकर अन्यत्र ले गए और सभी आरोपितों ने गाली-गलौज करते हुए मारपीट की घटना को अंजाम दिया था। रिपोर्ट पर पुलिस आरोपितों के विरूद्ध धारा 341, 365, 307, 323, 294, 506, 120(बी) का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में ली थी। पुलिस टीम दबिश देकर घटना में शामिल अंबिकापुर के लल्ला यादव, मुकेश यादव एवं एक विधि से संघर्षरत बालक को विधिवत गिरफ्तार कर पुलिस ने न्यायिक अभिरक्षा में भेजा है। विधि से संघर्षरत बालक को बाल संप्रेक्षण गृह भेजा गया। आरोपितों की गिरफ्तारी में उप निरीक्षक विजय दुबे, सउनि अनिल सिंह, भूपेश सिंह, विनय सिंह, विवेक पांडेय, प्रधान आरक्षक भोजराज पासवान, आरक्षक विकास सिंह, संजीव चौबे, सत्येंद्र दुबे, राहुल सिंह, बृजेश राय, अमृत सिंह, अरविंद उपाध्याय, प्रविन्द्र सिंह, अजय तिवारी, सैनिक अनिल साहू शामिल रहे।

हिंदू समाज के साथ कब तक खेला जाएगा खूनी खेल

■ बिरनपुर गांव में हुई हिंसा का विरोध, विहिप के आह्वान पर बंद रहे व्यवसायिक प्रतिष्ठान

छ.ग.फ्रंटलाइन रामानुजगंज। साजा विधानसभा क्षेत्र के बिरनपुर गांव में शनिवार को हिंसा में हुई एक युवक की मौत एवं थाना प्रभारी सहित अन्य लोगों के घायल होने के विरोध में विश्व हिंदू परिषद एवं अन्य हिंदू संगठनों के द्वारा किए गए बंद के आह्वान का व्यापक असर नगर में देखने को मिला। सभी व्यापारिक प्रतिष्ठान स्वस्फूर्त बंद रहे। बंद को भाजपा के द्वारा भी समर्थन किया गया। बंद के मद्देनजर नगर के चौक-चौराहों में पुलिस सक्रिय देखी गई।

विश्व हिंदू परिषद के नगर अध्यक्ष आशीष सिंह ने कहा कि बीरमपुर गांव की घटना दुर्भाग्यजनक है। घटना की हम कठोर शब्दों में निंदा करते हैं। लव जिहाद, लैंड जेहाद को लेकर विशेष समुदाय के द्वारा पूरे छत्तीसगढ़ में नेटवर्किंग का काउंटर चलाया जा रहा है, जिसका परिणाम यह घटना है। पहले कवर्धा अब बेमेतरा साजा विधानसभा में, हिंदू समाज के साथ कब तक ये खूनी खेल खेलते रहेंगे। श्री सिंह ने कहा कि इस प्रकार की घटनाओं का हम इसी प्रकार पुरजोर विरोध करते रहेंगे यदि सरकार सख्ती से कार्रवाई नहीं करती है तो आगे भी आंदोलन जारी रहेगा। धर्म प्रकाश केसरी एवं आकाश तिवारी ने कहा कि जिस प्रकार से लगातार हिंदू समाज के लोगों के साथ इस प्रकार की घटनाएं हो रही हैं यह हम सब के लिए चिंता का विषय है। ऐसी घटनाओं पर सख्ती से रोक लगनी चाहिए एवं कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने कहा छत्तीसगढ़ में रोहिंग्या व बांग्लादेशी घुसपैठियों को बसाकर छत्तीसगढ़ को लव जिहाद का गढ़ बनाने का प्रयास चल रहा है। भाजपा मंडल अध्यक्ष शर्मिला गुप्ता ने कहा कि जिस प्रकार से लगातार हिंदू समाज के लोगों के साथ इस प्रकार की घटनाएं हो रही हैं, यह हम सब के लिए चिंता का विषय है। इस प्रकार की घटनाओं पर सरकार को सख्ती से कार्रवाई करने की जरूरत है। बंद को सफल बनाने में भाजपा मंडल अध्यक्ष शर्मिला गुप्ता, शैलेश गुप्ता, जनपद पंचायत उपाध्यक्ष बीडी लाल गुप्ता, अजय यादव, सिद्धांत यादव, अमन गुप्ता, ओम गुप्ता, विकास गुप्ता, आशीष चौबे, दयाल विश्वास, बिट्टू गुप्ता, राकेश कश्यप, अजय गुप्ता, अमित सिंह, मनोज प्रजापति सहित विभिन्न हिंदू संगठनों के लोग उपस्थित रहे।

अस्पताल के बाहर से चोरी हुई मोटरसाइकिल के साथ आरोपी गिरफ्तार

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। पुलिस ने दुपहिया वाहन चोरी के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। शिवकुमार निवासी सरगवां ने मणिपुर थाना में जिला अस्पताल के बाहर से मोटरसाइकिल चोरी होने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। वह ईलाज कराने अस्पताल गया था। वापस आने पर मोटरसाइकिल नहीं मिली, जिस पर पुलिस ने धारा 379, 34 का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया था। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने राकेश सिंह उर्फ मोनू निवासी अंबिकापुर को मोटरसाइकिल के साथ पकड़ा और पूछताछ की तो उसने चोरी किए गए वाहन को घर में छुपाकर रखना बताया। आरोपी की निशानदेही पर पुलिस ने हीरो स्प्लेंडर एनएक्सजी बरामद किया है। मामले में एक आरोपी घटना दिनांक से फरार है। कार्रवाई में थाना प्रभारी मणिपुर उप निरीक्षक प्रमोद कुमार पांडेय के साथ सहायक उप निरीक्षक विवेक पांडेय, प्र.आर. सतीश कुमार सिंह, पिताम्बर सिंह, आरक्षक अतुल शर्मा, सुरेश गुप्ता, सत्येन्द्र दुबे, संजीव चौबे शामिल रहे।

मकान के सामने से चोरी गई स्कूटी के साथ आरोपी गिरफ्तार

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। गांधीनगर थाना पुलिस ने चोरी की स्कूटी के साथ आरोपी को गिरफ्तार किया है। प्रार्थिया दुर्गावती यादव निवासीन पटपरिया ने थाना गांधीनगर में किराए के रूम के बाहर खड़ी स्कूटी चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर संदेही अजय चेरवा निवासी गांधीनगर को घेराबंदी कर पकड़ा और उसके निशानदेही पर स्कूटी बरामद किया। कार्रवाई में उप निरीक्षक विजय दुबे, सउनि विनय सिंह आरक्षक उमाशंकर साहू, अनिल सिंह, अमृत सिंह, अरविंद उपाध्याय शामिल रहे।

स्कूल की लाइब्रेरी में संदर्भ पुस्तकों की उपलब्धता सुनिश्चित करें

कलेक्टर के निर्देश पर निजी स्कूल के संचालकों को डीईओ ने जारी किया आदेश

■ कहा-पालकों को संदर्भ पुस्तक लेने की बाध्यता नहीं

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। नए शिक्षा सत्र की शुरूआत के साथ ही निजी स्कूलों की मनमानी शुरू हो जाती है। अभिभावकों पर फीस के साथ ही बच्चों की किताबों को लेकर अत्यधिक भार डाल दिया जाता है। आरटीई के तहत बच्चों को प्रवेश दिलाए अभिभावक भी महंगी किताबों को खरीदने बाध्य होते हैं। हर वर्ष यह परिपाटी चली आ रही है। इस संबंध में तमाम शिकायती स्वर अभिभावक संघ की ओर से बीते वर्ष भी उठाए गए थे। इस बार भी हालात ऐसे ही बनने हैं। कोरोना की दस्तक के साथ केंद्र सरकार की ओर से जारी किए जा रहे गाइडलाइन इसका संकेत दे रहे हैं। इधर निजी स्कूलों और स्कूलों के द्वारा चिन्हांकित की गई किताब की दुकानों में अभिभावकों की भीड़ अभी से लगने लगी है। किताब दुकानों में विभिन्न निजी स्कूलों के कॉपी और किताब का बंडल बंध चुका है। छोटे बच्चों की किताबों का भाव आसमान छू रहा है। इधर जिला प्रशासन के निर्देश पर जिला शिक्षा विभाग ने स्पष्ट किया है कि पालकों को संदर्भ पुस्तक लेने की बाध्यता नहीं है।

कलेक्टर के निर्देश पर जिला शिक्षा अधिकारी सरगुजा द्वारा जिले के सभी निजी स्कूल संचालक, प्राचार्य व स्कूल प्रबंधन को पत्र जारी कर कहा गया है कि एनसीईआरटी व एससीईआरटी के अलावा अन्य पुस्तकें पालक अपने बच्चों के लिए स्वेच्छा से खरीद सकते हैं, इसके लिए निजी स्कूल प्रबंधन की बाध्यता नहीं होगी। इसका अनुपालन सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए गए हैं। इस संबंध में जारी किए गए पत्र में कहा गया है कि निजी विद्यालय एनसीईआरटी व एससीईआरटी के अलावा अन्य पुस्तक को संदर्भ पुस्तक के रूप में उपयोग करना चाहते हैं, तो उक्त पुस्तक की उपलब्धता स्कूल की लाइब्रेरी में सुनिश्चित की जाए। पालक स्वेच्छा से पुस्तक ले सकते हैं, इसके लिए विद्यालय प्रबंधन के द्वारा बाध्य न किया जाए। अब देखना यह है प्रशासन व शिक्षा विभाग के आदेश को लेकर स्कूल प्रबंधन कितना गंभीर होता है।

बिना फीस अदायगी के अंकसूची तक दिखाने में करते हैं आनाकानी

पूर्ववर्ती दो वर्षों में कोरोनाकाल के बीच भले ही बच्चे घर से ऑनलाइन कक्षा में उपस्थिति दर्ज कराते परीक्षा दिए, लेकिन कोरोना के सामान्य होने के बाद कमजोर हुए मध्यम, सामान्य परिवार के हालातों की परवाह न करते हुए कई निजी स्कूलों के प्रबंधन ने उनकी कमर तोड़ने का काम किया। फीस की अदायगी जैसे-तैसे बच्चों के अभिभावकों ने अंकसूची प्राप्त करने के लिए की, इसके बाद स्थानांतरण प्रमाणपत्र देने के नाम पर मनमाना रकम वसूला गया। इन हालातों से जूझ रहे कई अभिभावक, सरगुजा कलेक्टर तक पहुंचे और बच्चों की टीसी दिलवाने व फीस माफ की गुहार लगाए। कई बच्चों के अभिभावक मन मसोस कर निजी स्कूलों के संचालकों की तिजोरी भरते रहे।

स्वामी आत्मानंद विद्यालय सोहगा में प्रवेश के लिए पहले दिन 68 लोगों ने लिया फार्म

पांच मई आवेदन की अंतिम तिथि

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। स्वामी आत्मानंद शासकीय अंग्रेजी माध्यम विद्यालय सोहगा में सत्र 2023-24 हेतु प्रवेश सोमवार प्रारंभ हो गई है। प्रवेश हेतु 5 मई तक आवेदन कर सकते हैं। प्रवेश प्रक्रिया के प्रथम दिन 10 अप्रैल को 68 लोगों ने फार्म प्राप्त किया।

ज्ञातव्य है कि स्वामी आत्मानंद शासकीय अंग्रेजी माध्यम विद्यालय का संचालन सत्र 2022-23 से किया जा रहा है। कक्षा पहली से 12वीं तक प्रवेश हेतु ऑनलाइन तथा ऑफलाइन दोनों ही माध्यम से आवेदन किया जा सकता है। ऑफलाइन फार्म प्राप्त करने तथा जमा करने का समय प्रात: 7:30 से 11:30 तक निर्धारित है। ऑनलाइन फार्म जमा करने की स्थिति में हार्ड कॉपी विद्यालय में जमा करना अनिवार्य होगा। कक्षा 11वीं में प्रवेश हेतु केवल बायोलॉजी तथा गणित संकाय के विद्यार्थी ही आवेदन कर सकते हैं। स्वामी आत्मानंद शासकीय अंग्रेजी माध्यम विद्यालय सोहगा में प्रवेश हेतु (प्रवेश कार्यालय) शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय करजी में आवेदन जमा किया जाएगा।

ईलाज के नाम पर बहन-जीजा ने बिकवा दी जमीन, जीवन-मौत से जूझ रहे भाई को लावारिस छोड़ा

■ एक वर्ष पूर्व आग से झुलसा युवक तीन माह से मेडिकल कॉलेज अस्पताल में जीवन-मौत से कर रहा संघर्ष

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। एक वर्ष पूर्व वह आग से झुलसा युवक जीवन और मौत से मेडिकल कॉलेज अस्पताल में संघर्ष कर रहा है। काफी दिनों तक उसका इलाज सूरजपुर में चला। पिछले तीन माह से वह मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर में भर्ती है, इसे देखने वाला कोई नहीं है। दु:ख की बात यह है कि उसकी बहन इलाज कराने के नाम पर जमीन तक बेचवा दी, इसके बाद वह भी अस्पताल में जीवन-मौत से संघर्ष कर रहे भाई की सुध लेने नहीं आ रही है। साथ में किसी स्वजन के नहीं होने के कारण युवक का पूरी तरह से इलाज भी नहीं हो पा रहा है।

जानकारी के अनुसार सुब्रत दास 24 वर्ष शहर से लगे ग्राम अजिरमा का रहने वाला है। वह एक वर्ष पूर्व सूरजपुर जिले में बारात गया था, वहीं वह आग की चपेट में आ जाने से गंभीर रूप से झुलस गया। उसे इलाज के लिए प्रेमनगर अस्पताल में भर्ती कराया गया। यहां कई महीनों तक इलाज चला। इसके बाद उसे सूरजपुर जिला अस्पताल में रेफर कर दिया गया था। इसके बाद तबीयत में कुछ सुधार होने पर उसे छुट्टी दे दी गई थी। पुन: तबीयत खराब होने पर उसे अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल में तीन महीने पूर्व भर्ती कराया गया था। अच्छा इलाज कराने के नाम पर सुब्रत की बहन व जीजा ने जमीन बेचने को कहा। इनके झांसे में आकर सुब्रत ने जमीन को बेच दिया, इसके बाद सारा पैसा बहन रख ली। रुपये लेने के बाद बहन व जीजा अब उसे देखने तक नहीं आ रहे हैं। तीन माह से वह जीवन-मौत से संघर्ष कर रहा है।

रेफर किया है चिकित्सकों ने

सुब्रत का जख्म काफी सड़-गल गया है, उसे प्लास्टिक सर्जरी की आवश्यकता है। स्थानीय स्तर पर उसका इलाज संभव नहीं है। चिकित्सकों ने उसे रायपुर के लिए रेफर किया है। साथ में किसी स्वजन के नहीं होने के कारण उसे रायपुर नहीं भेजा जा रहा है। बहन काजल व जीजा दीपक साहू बेहतर ईलाज करवाने के नाम पर साढ़े चार लाख में जमीन बेचवा दिए पर इलाज कराने में दिलचस्पी नहीं दिखाई।

युवक ने अज्ञात कारणों से किया सल्फास सेवन, गंभीर

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। नगर पंचायत क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 6 माईनस कालोनी निवासी एक युवक ने आज अज्ञात कारणों से सल्फास का सेवन कर लिया है। चिकित्सकों द्वारा स्थिति गंभीर बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार नगर पंचायत क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 6 माईनस कालोनी निवासी विनोद वर्मा का पुत्र राहुल कुमार वर्मा सोमवार की दोपहर घर से भोजन कर निकला था। सूरजपुर के रिंग रोड में स्थित गढ़ कलेवा के समीप युवक ने अज्ञात कारणों से सल्फास का सेवन कर लिया। युवक को गंभीर हालत में जिला अस्पताल सूरजपुर ले जाया गया, जहां स्थिति चिंताजनक होने पर चिकित्सकों ने युवक को अंबिकापुर रेफर कर दिया था। बताया जा रहा है कि युवक के स्वास्थ्य में कोई सुधार न होने पर चिकित्सकों द्वारा उसे घर ले जाने की सलाह दी गई है।

ज्ञात हो कि युवक राहुल कुमार वर्मा आइटीआई माइनिंग से किया था, जिसे ट्रेनिंग के लिए कुछ दिनों में ही जाना पड़ सकता था। फिलहल युवक ऑनलाइन मार्केटिंग में सेल्समैन के पद पर कार्य करता था।

वाड्रफनगर के समस्त ग्राम पंचायतों में रोजगार दिवस का हुआ आयोजन

आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत वृक्षमाला नदी तट वृक्षारोपण अभियान के तहत जन जागरूकता रैली, दीवार लेखन एवं परिचर्चा भी आयोजित की गई

बलरामपुर। छ.ग. फ्रंटलाइन। विगत 07 अप्रैल को जनपद पंचायत वाड्रफनगर के तत्वाधान में विकासखण्ड वाड्रफनगर के समस्त ग्राम पंचायतों में महात्मा गांधी रोजगार गारंटी योजना अंतर्गत रोजगार दिवस मनाया गया। इस दौरान मनरेगा श्रमिकों को मजदूरी दर में वृद्धि, नेशनल मोबाइल मॉनिटरिंग के माध्यम से श्रमिकों के ऑनलाइन हाजरी तथा आधार कार्ड से मजदूरी भुगतान की विस्तृत जानकारी दी गई।

आजादी के अमृत महोत्सव के तहत् ग्रामीणों में वृक्षारोपण के प्रति जागरूकता लाने के उद्देश्य से जागरूकता रैली, दीवार लेखन एवं परिचर्चा का भी आयोजन किया गया। इसका मुख्य उद्देश्य वृक्षमाला नदी तट संरक्षण महाभियान के तहत आगामी जुलाई एवं अगस्त माह में सभी नदियों के किनारे अधिक से अधिक वृक्षारोपण कराना है। ताकि नदी की धारा का प्रवाह बारहो माह बनाए जा सके एवं धारा के प्रवाह से मृदा जल तालिका को पुनर्जीवित किया जा सके, जिससे क्षेत्र में हरियाली के आवरण में वृद्धि हो सके। इस संबंध में जनपद पंचायत वाड्रफनगर के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री कुमार प्रमोद सिंह ने बताया कि प्रति माह के 07 तारीख को मनरेगा रोजगार दिवस का आयोजन कर मनरेगा के अद्यतन प्रावधानों के बारे में श्रमिकों एवं जनप्रतिनिधियों को जानकारी प्रदान की जाती है एवं फील्ड स्तर पर आ रही समस्याओं का समाधान किया जाता है।

उन्होंने कहा कि रोजगार दिवस में लोगों को नवीन मजदूरी दर प्रति दिवस 221.00 रूपये के बारे में जानकारी दी गई एवं जल संरक्षण हेतु निर्माणाधीन अमृत सरोवर तालाब, डबरी को बारिश से पूर्व पूर्ण करने पर परिचर्चा की गई। मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सिंह ने सभी श्रमिकों से अपील की कि सभी ग्राम पंचायतों में मनरेगा के श्रम मूलक पर्याप्त कार्य स्वीकृत हैं, इससे अधिक से अधिक श्रमिक स्थानीय स्तर पर रोजगार प्राप्त कर सकते हैं। साथ ही उन्होंने आगामी बारिश में अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने हेतु अभी से तैयारी प्रारंभ करने की अपील की।

कालीघाट में सड़क किनारे पलटी कार, बाल-बाल बचे चिकित्सक

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। संभाग मुख्यालय से लगे कालीघाट के समीप आज कार सवार चिकित्सक अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गए। कार मुख्य मार्ग से नीचे खेत में पलट गई थी।

गौरतलब है कि एनएच 43 पर ग्राम पंचायत महावीरपुर में स्थित कालीघाट मन्दिर के समीप सोमवार की सुबह सूरजपुर से अंबिकापुर जा रहे कार के चालक सूरजपुर जिला अस्पताल में पदस्थ डॉ.अनीस कुमार राम नींद की झपकी आने से अचानक अनियंत्रित हो गए, जिससे कार सड़क किनारे खेत में पलट गई। दुर्घटना में चिकित्सक बाल-बाल बच गए, जिन्हें मामूली चोट आई है।

आत्मानन्द अंग्रेजी माध्यम स्कूल में भर्ती प्रक्रिया शुरू

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। शासन के निर्देशानुसार स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी तथा हिन्दी माध्यम उत्कृष्ट विद्यालयों में सत्र 2023-24 में विद्यार्थियों के प्रवेश की प्रक्रिया कर दी गई है। आज पहले दिन जयनगर स्कूल हेतु 10 आवेदन कक्षा 1 ली हेतु जमा हुए हैं। स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय जयनगर में एडमिशन हेतु शासन के निर्देशों का पालन करना होगा। विद्यालय में प्रवेश हेतु आवेदन ऑनलाईन तथा ऑफलाइन दोनों माध्यमों से किया जा सकेगा। एक विद्यार्थी एक विद्यालय हेतु ही आवेदन कर सकेगा।स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के घोषणा अनुसार महतारी दुलार योजना अंतर्गत कोरोना महामारी के कारण अनाथ हुए बच्चों को विशेष प्राथमिकता से प्रवेश दिया जाएगा। यहां पर आज पहले दिन 10 बच्चों के कक्षा 1 ली में एडमिशन लेने हेतु आवेदन पत्र लिया गया है। बताया जा है कि यहां पर कक्षा 1 ली के अलावे दूसरे कक्षाओं में एडमिशन नहीं हो सकेगी। कक्षा 10 वीं के रिजल्ट घोषित होने के बाद कक्षा 11 वीं में बच्चों के एडमिशन लेने की बात स्कूल प्रबंधन द्वारा कही जा रही है।

सड़क निर्माण हेतु भाजपा ने लटोरी में दिया धरना

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। क्षेत्र के ग्राम पंचायत लटोरी व कल्याणपुर के मध्य भंडारपारा में सड़क की बदहाली को लेकर आज भाजपा पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ लटोरी मंडल के अरुण ठाकुर के नेतृत्व में धरना प्रदर्शन किया गया। घण्टों चले धरना प्रदर्शन के बाद अधिकारियों के लिखित आश्वासन उपरांत आंदोलन स्थगित किया गया। धरना प्रदर्शन लटोरी-कल्याणपुर मार्ग पर भंडारपारा में बृजनगर चौक के पास किया गया। करीब 3 घण्टे तक चले धरना प्रदर्शन में मुख्य रूप से पूर्व गृहमंत्री रामसेवक पैकरा, भाजपा जिलाध्यक्ष बाबूलाल गोयल, पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष अजय गोयल, किरण केराम उपस्थित थे। अतिथियों द्वारा यहां पर कांग्रेस की भुपेश सरकार पर जमकर हमला करते हुए अपनी भड़ास निकाले गए।

धरना प्रदर्शन की सूचना पर छग ग्रामीण सड़क विभाग के पहुंचे सहायक अभियंता सानुज कुमार धृतलहरे व उप अभियंता मनीष कुमार कश्यप ने लिखित आश्वासन दिया कि 10 दिनों के भीतर बृजनगर से पाठकपुर के स्वीकृत सड़क निर्माण कार्य को शुरू करा दिया जाएगा। साथ ही बृजनगर से पाठकपुर में डीपीआर द्वारा कराए जाने वाले कार्य का प्रस्ताव भी उच्च कार्यालय प्रेषित कर दिया गया, जिसकी स्वीकृति मिलते ही कार्य शुरू करा दिया जाएगा। जिस पर आंदोलन को स्थगित कर दिया गया।

स्वामी आत्मानंद शासकीय उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम उ.मा. विद्यालय बलरामपुर में विद्यार्थियों का प्रवेश प्रारंभ

10 अप्रैल से 05 मई तक विद्यार्थी कर सकेगें ऑनलाईन आवेदन

बलरामपुर। छ.ग. फ्रंटलाइन। स्वामी आत्मानंद शासकीय उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम उ. मा. विद्यालय बलरामपुर में शिक्षा सत्र 2023-24 के लिए विद्यार्थियों की ऑनलाईन प्रवेश की प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। कक्षा 1 से 12 वीं तक के विद्यार्थी इस लिंक http://cgschool.in/seams/studentadmission/studentadmission.asp& के माध्यम से 10 अप्रैल से 05 मई तक ऑनलाईन आवेदन कर सकेगें।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री के घोषणा के अनुसार "महतारी दुलार योजना" अंतर्गत कोरोना महामारी के कारण अनाथ हुए बच्चों को विशेष प्राथमिकता से प्रवेश दिया जायेगा। इसके लिए प्रवेश के दौरान आवेदन फॉर्म के साथ पालक का मृत्यु प्रमाण पत्र संलग्न किया जाना अनिवार्य होगा। इसके अलावा इस संस्था में 10 वीं में अध्ययनरत विद्यार्थियों को कक्षा 11 वीं में प्रवेश के लिए पहले प्राथमिता दी जायेगी। चयनित विद्यार्थियों की सूची जारी होने के पश्चात् विद्यार्थियों द्वारा स्थानांतरण प्रमाण पत्र की मूल कॉपी के साथ अन्य दस्तावेज जमा किये जायेगें। इस संस्था में कक्षा 1 से 12 वीं तक प्रत्येक कक्षा में 50-50 सीटें तय की गई है, जिसकी संख्या विद्यालय समिति द्वारा आवश्यकतानुसार घटाई-बढ़ाई जा सकती है। वर्तमान में कक्षा 01 के 50 सीट, कक्षा 04 के 05 सीट, कक्षा 05 के 01 सीट, कक्षा 06 वीं के 05 सीट, कक्षा 07 के 02 सीट, कक्षा 8 वीं के 06 सीट, कक्षा 10 वीं के 01 सीट, कक्षा 11 वीं के जीव विज्ञान संकाय के 50 सीट, गणित संकाय के 50 सीट, वाणिज्य संकाय के 50 सीट तथा कक्षा 12 वीं जीव विज्ञान संकाय के 21 सीट, गणित संकाय के 31 सीट एवं वाणिज्य संकाय के 39 सीटों के लिए आवेदन मंगाए गये हैं। बाकी सभी कक्षाओं की सीटें रिक्त नहीं हैं।

कोयलांचलनगरी में दिखा छग बंद का मिलाजुला असर

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। बेमेतरा जिले के एक गांव में हुई दो समुदायों के बीच झड़प में एक युवक की जान चली गई थी। इस हत्या के विरोध में विश्व हिन्दू परिषद व बजरंग दल ने आज छत्तीसगढ़ बंद का आह्वान किया था।

बंद का कोयलांचल नगरी व आसपास के क्षेत्र में मिलाजुला असर देखने को मिला। सोमवार को विहिप व बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने जमकर नारेबाजी करते हुए दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

ज्ञात हो कि बेमेतरा जिले के बीरनपुर में गतदिनों 8 अप्रैल को एक बच्चे से मारपीट की घटना सामने आई थी। इसके बाद दो पक्षों में झड़प हो गई थी। झड़प में 22 वर्षीय भुनेश्वर साहू की मौत हो गई थी। भुनेश्वर साहू की हत्या के बाद परिजन आरोपियों को फांसी देने की मांग कर रहे हैं। दुकानों को छोड़कर अधिकांश व्यवसायिक प्रतिष्ठान बंद रहे जबकि जयनगर में बंद कराए

बंद के दौरान किसी तरह की हिंसा और अप्रिय घटना घटित न हो, इसके लिए सभी चौक चौराहों पर पुलिस बल बड़ी संख्या में तैनात किया गया था। बंद के दौरान नगर के छिटपुट जाने के दौरान आंदोलनकारियों को स्थानीय लोगों के आपत्ति का सामना करना पड़ गया था। सिलफिली में बंद को अच्छा समर्थन मिलने की बात कही जा रही है।

ग्राम कापसी में अवैध मुरम खनन जोरो पर, पुलिस व माइनिग विभाग की मिली भगत

पाटन। छ.ग. फ्रंटलाइन। उत्तर पाटन के विभिन्न ग्रामो में अवैध मुरम का कार्य तेजी से हो रहा है। रात होते ही अवैध मुरम खनन करने हेतु दर्जन भर से अधिक जे सी बी व हाइवा उत्तर पाटन के विभिन्न गांव में लग जाते है। रात भर अवैध मुरम का उत्खनन करके सुबह बिना किसी डर भय के घर जाते है। जिसको लेकर ग्रामीणो ने रोष जाहिर किया है। साथ ही ग्राम महुदा के शनि मंदिर के पास नहर किनारे ग्राम कापसी मे तो बिना किसी के डर भय के मुरम खनन का कार्य हो रहा है। मानो जिला प्रशासन की ओर से खनन की वेधअनुमति मिली हुई हो?

4 सूत्रीय मांगों को लेकर बिहान योजना की महिलाएं हड़ताल पर

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। बिहान योजना की महिलाएं करीब 20 दिन से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर हैं। गौरतलब है कि राष्ट्रीय आजीविका मिशन बिहान योजना अंतर्गत काम करने वाली महिलाओं ने वेतन बढ़ाने व नियमितीकरण की मांग को लेकर 22 मार्च से जिला मुख्यालय सूरजपुर में काम बंद कर अनिश्चितकालीन हड़ताल पर बैठी हुई हैं और सरकार से चार सूत्रीय मांग को पूरा करने की मांग कर रही हैं।

बता दें कि राष्ट्रीय आजीविका मिशन बिहान योजना अंतर्गत कई महिलाएं सीआरपी, आरबीके, एफएलसीआरपी, एनआरएलएम, बैंक मित्र, पशु सखी, कृषि सखी के रूप में ग्रामीण अंचल में काम कर रही हैं। वर्तमान में ग्रामीण क्षेत्र के ज्यादातर काम को इन्ही महिलाओं द्वारा किया जाता है, लेकिन इस काम के एवज में कम राशि मिल रही है। राशि कम मिलने के कारण आर्थिक सक्रिय महिला का वेतन 1500 से 5 हजार रुपए, कृषि व पशु सखी का वेतन 1500 से 5 हजार रुपए प्रतिमाह किया भुगतान किए जाने की मांग की गई है। महिलाओं का कहना है कि मांग पूरी नहीं होने तक वे काम पर नहीं लौटेंगी।हड़ताल

नुकसान हो रहा है। महिलाओं ने वेतन के संबंध में मांग किया है कि एफएलसीआरपी का वेतन 5 से 10 हजार रुपए, आरबीके का वेतन 2200 से 8 हजार रुपए, बैंक मित्र का वेतन 2500 से 8 हजार रुपए, जाए। आंदोलनरत महिलाओं ने बताया कि समय पर राशि का भुगतान उन्हें नहीं किया जा रहा है।

इस कारण महिलाओं ने योजना अंतर्गत सभी कैडर्स को हर माह की 5 तारीख को राशि का में महिलाएं अपने छोटे-छोटे बच्चों को लेकर शामिल हो रही हैं। जिससे भीषण गर्मी में बच्चों की हालत खराब हो रही है। बावजूद इसके महिलाओं की मांग पर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

सत्ताधारियों को गांधी ग्राम बनाकर गांधी धर्म को आत्मसात करना चाहिए

दुर्ग। छ.ग. फ्रंटलाइन। वर्तमान समय देश दुनिया में सत्ताधारियों की दुर्लक्षता, अकर्मण्यता, राजनीतिक लोभ-लालच के चलते आर्थिक असमानता के कारण गरीबी अमीरी की खाई बढ़ती जा रही है। यही लोग पर्यावरण में भी असमानता बढ़ाया है ऐसे में महात्मा गांधी जी के विचार कार्य व दर्शन की प्रासंगिकता की महती आवश्यकता हो गयी है। कुछ धर्मांध लोगों द्वारा सत्ता के लालसा के कारण धार्मिक उन्माद फैलाकर हिंसा व अशांति का माहौल बनाकर देश के विकास में रोडा बन रहे हैं। इसलिए आज के समय में हिंदु मुस्लिम सिख ईसाई बौद्ध जैसे विविध धर्मो से ज्यादा जरूरी महात्मा गांधी धर्म को मानने की हो गयी। सरकार व जनप्रतिनिधियों से महत्वपूर्ण कार्य ग्रामीण व आम नागरिक हैं सभी ने मिलकर गांधीग्राम बनाकर गांधी धर्म को मजबूत कर व बच्चों को गांधी समझाकर देश दुनिया का चहुंमुखी विकास किया जाने का आग्रह किया गया।उपरोक्त विचार महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय विचार मंच के अंतरराष्ट्रीय संयोजक एवं संस्थापक विश्व शांतिदूत प्रकाश आर अर्जुनवार ने व्यक्त किया है।अर्जुनवार सर्किट हाऊस दुर्ग में महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय विचार मंच की छत्तीसगढ़ राज्य इकाई पदाधिकारियों के सम्मेलन में बोल रहे थे।सभा के मंच में महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय विचार मंच के राष्ट्रीय संयोजक श्री गिरधर मढ़रिया, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय विचार मंच अंतरराष्ट्रीय सह-संयोजक श्री नरेन्द्र राठौर, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय विचार मंच छत्तीसगढ़ राज्य इकाई संयोजक मनोज ठाकरे, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय विचार मंच छत्तीसगढ़ राज्य इकाई अध्यक्ष दिनेश पटेल, पुर्व पार्षद राजेन्द रजक एवं एल्डरमैन अनूप डे की विशेष रूप से उपस्थिति थे।विश्व शांतिदूत अर्जुनवार नजदीक से समझ आते महात्मा गांधी को समझाते हुए उपस्थितों से छत्तीसगढ़ राज्य को गांधी शांति राज्य बनाने का आव्हान किया।सभा को गिरधर मढ़रिया, नरेन्द्र राठौर, राजेन्द्र रजक, ब्रम्हदेव पटेल, सेवाराम तेजस्वी, डॉ कुबेरसिंह गुरुपंच, संतोष साहू तथा विनीता वैष्णवी ने भी गांधीमय विचार व्यक्त किए।सम्मेलन में राजेन्द्र रजक, संतोष साहू बालोद को छत्तीसगढ़ राज्य सहसंयोजक तथा श्रीमती कमल मैडम को दुर्ग जिला महिला प्रकोष्ठ संयोजक पद की नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया।सम्मेलन में श्रीमती विनीता मैडम, श्रीमती कल्याणी कंवर,कुलदीप कौर, डॉ कुबेर सिंह गुरुपंच, आनंद मारकंडे, सेवक रामनेले, गणेश वर्मा, राजकुमार देशमुख, श्रीमती जामुन साहू, राजेश साहू, राधेश्याम वर्मा, केशवराम, दुष्यंत कुमार, विनेश गजेंद्र, गोविंद वर्मा, गलव साहु, सेवाराम, तेजस्वी, परसराम साहू, आनंद मार्कण्डेय, बबलू साहू, रजनी पटेल, हेमंत दुबे, प्रभा यादव, वेंटेश, रुक्मणि गुप्ता, कविता बोस, माधुरी सराठे,बबलू साहू योगेश बिष्ट, हेमंत सिल्हारे इत्यादि प्रमुख रूप से उपस्थित थे।संचालन महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय विचार मंच छत्तीसगढ़ राज्य इकाई अध्यक्ष दिनेश पटेल ने किया तथा आभार प्रकट महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय विचार मंच छत्तीसगढ़ राज्य इकाई संयोजक मनोज ठाकरे ने किया।

भूपेश सरकार के चार लबारी, नरवा गरवा घुरवा बारी : विकास मरकाम

नगरी। छ.ग. फ्रंटलाइन। भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष विकास मरकाम ने भूपेश बघेल सरकार के फ्लैगशिप योजना को बुरी तरह फ्लॉप बताया है। उन्होंने कहा सिहावा विधानसभा समेत पूरे प्रदेश भर में यह योजना बुरी तरह भ्रष्टाचार का शिकार हो गई है। इसके अलावा इस फ्लैगशिप योजना के लिए निर्धारित बजट में भी लगातार कटौती की गई है। चुनावी साल में भी इसके लिए कुछ खास बजट निर्धारित न कर सरकार ने स्वयं इस योजना को विफल मान लिया है। सिहावा विधानसभा में इस फ्लैगशिप योजना का और भी बुरा हाल है।

विकास मरकाम ने भूपेश सरकार से पूछा कि आज एक भी गाय गौठान में है क्या? प्रदेश की एक भी नया नहर या नरवा बनाया गया है क्या? कितने किसानों के घुरूवा में बायोखाद बन रहा है? और कितने ग्रामीणों को सरकार ने बाड़ी दिया है?

विकास मरकाम ने कहा भूपेश सरकार की विदाई तय है और यह योजना भूपेश काल के सबसे बड़े झूठ के रूप जाना जाएगा। ग्रामीण अर्थव्यवस्था और सतत विकास का दावा करके साढ़े 4 साल पूर्व भूपेश सरकार ने नरवा, गरवा, घुरवा, बारी छत्तीसगढ़ के चार चिन्हारी के नारे से फ्लैगशिप योजना प्रारंभ की गई थी। साढ़े 4 साल में इस योजना के नाम पर जो भ्रष्टाचार हुआ जो लूट मचा उसे देखकर लोग कह रहे है नरवा, गरवा, घुरवा, बारी, भ्रष्टाचार के चार चिन्हारी। विकास मरकाम ने कहा प्रदेश और सिहावा क्षेत्र में गौठनों का बुरा हाल किसी से छुपा नहीं है। कई गांव में आज तक गौठान बना ही नहीं है। गरवा योजना गोवंश की देखरेख और पालन-पोषण के लिए बना था लेकिन शहर से लेकर गांव-गांव तक गोवंश खुलेआम सड़क पर घूम रहे हैं। फसलों को चरकर बर्बाद कर रहे हैं। वही घुरवा और बारी किसानों पर ही भारी पड़ रही है। गोबर खाद के नाम पर जो बायोखाद बनाया जा रहा है उसकी क्वालिटी भी बेहद ही खराब है और उसे किसानों को ही जबरदस्ती बांटा जा रहा है। कई किसान गोबर खाद में कंकड़ मिट्टी होने का भी आरोप लगा चुके हैं। विकास मरकाम ने कहा सरकार ने इन योजनाओं के आड़ में भूपेश बघेल ने केवल चेहरा चमकाने की कोशिश की वह भी विफल रहा। प्रदेश की जनता अक्रोशित है और कांग्रेस सरकार उखाड़ फेंकने के चुनाव का इंतजार कर रही है।

मुख्यमंत्री हाट बाजार क्लीनिक योजना से जिले के दूरस्थ क्षेत्रों तक पहुंच रहीं स्वास्थ्य सुविधाएं

4,48,326 लोगों का किया गया स्वास्थ्य परीक्षण, परीक्षण के उपरांत दी जा रही है निःशुल्क दवाईयॉ

छ.ग.फ्रंटलाइन

जशपुरनगर। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा दूरस्थ एवं ग्रामीण जनों की स्वास्थ्य को दृष्टिगत रखते हुए मुख्यमंत्री हाटबाजार क्लीनिक योजना का प्रारंभ किया गया है। जिसके माध्यम से दूरस्थ अंचल के क्षेत्रों के लोगों को बिना किसी परेशानी के स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराया जा सके। जशपुर जिले में भी हाट बाजार क्लीनिक योजना का बेहतर क्रियान्वयन किया जा रहा है। जिससे यहां के निवासियों को अस्पताल के साथ ही विभिन्न हाट बाजारों में ही बेहतर स्वास्थ्य उपचार मिल रही है। योजना के तहत स्वास्थ्य विभाग द्वारा हाट बाजारों में मेडिकल टीम के माध्यम से शिविर लगाकर बाजारों में ही लोगों के स्वास्थ्य परीक्षण कर लाभान्वित किया जाता है। परीक्षण के उपरांत उन्हें तत्काल निःशुल्क दवाई एवं परामर्श प्रदान की जाती है। जिससे लोगों को उनके घर के नजदीक ही आसानी से स्वास्थ्य ईलाज का लाभ मिल रहा है। बाजार में लोग सामानों की खरीदारी के साथ स्वास्थ्य संबंधी सलाह के साथ ही चिकित्सकों से गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य उपचार का लाभ ले रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि हाट-बाजार क्लीनिक योजना से न सिर्फ स्वास्थ्य परीक्षण की सुविधा मिली है बल्कि उनके समय के साथ पैसों की भी बचत हो रही है। हाट-बाजार में खून जांच, बीपी-शुगर जांच, मलेरिया, टाइफाइड सहित अन्य बीमारियों का भी जांच की जा रही है। जिले में मुख्यमंत्री हाट बाजार क्लीनिक योजना के तहत अब तक कुल 112 हाट बाजारों में मोबाइल मेडिकल यूनिट द्वारा कुल 5975 शिविर लगाकर 4,48,326 ग्रामीणों का स्वास्थ्य जांच किया गया है। साथ ही 3,93,394 लोगों को निशुल्क दवाइयों का वितरण भी किया गया है।

यादव समाज के अष्टप्रहरी कीर्तन और जिला स्तरीय महासम्मेलन मे शामिल हुए संसदीय सचिव

■ जशपुर जिले में दिखा छत्तीसगढ़ बंद का व्यापक असर, दुकानों में लटका रहा ताला, व्यवसायिक गतिविधियां रही बंद

छ.ग.फ्रंटलाइन

जशपुरनगर। बेमेतरा में हुई हिंसा के बाद विहिप ने छत्तीसगढ़ बंद करने का आह्वान किया था, जिसका असर जशपुर जिले में भी व्यापक रूप से देखने को मिला है। जिला मुख्यालय जशपुर सहित अंचल के प्रमुख स्थानों कुनकुरी, दुलदुला, तपकरा, कांसाबेल, पत्थलगांव, बगीचा, नारायणपुर सहित ग्रामीण अंचलों में भी व्यापारियों ने अपने प्रतिष्ठान बंद रखकर बंद का समर्थन किया है। अधिकांश दुकानों में ताला लटका नजर आया। इस घटना के बाद सभी विश्व हिन्दू परिषद के कार्यकताओं में काफी आक्रोश है। जिसका बीजेपी के कार्यकर्ताओ ने भी समर्थन किया है। जानकारी के अनुसार, विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ता बंद करवाने के लिए निकले, जिनके साथ भाजपा नेता भी शामिल रहे। आम नागरिको की सुविधा एवं सहायता हेतु नगर में बड़ी संख्या में पुलिस बल भी तैनात हैं। विश्व हिन्दू परिषद ने छत्तीसगढ़ में बेमेतरा जिले के साजा थाना क्षेत्र के बीरनपुर गांव में बीते दिनों एक विशेष वर्ग की ओर से की गई हत्या को लेकर मोर्चा खोल दिया है। विश्व हिंदू परिषद ने आज 10 अप्रैल को छत्तीसगढ़ बंद का आह्वान किया है। सभी व्यापारियों से दुकानें बंद कराई जा रही है। बाजार बंद रखने के लिए व्यावसायियों से अनुरोध किया गया था। कुनकुरी में दुकान, बाजार सब पूरी तरह से बंद है। लोगों ने स्वयं बंद का समर्थन किया है। इस बंद के आव्हान को लेकर पुलिस एवं स्थानीय प्रशासन द्वारा थाने में शांति समिति की बैठक भी ली गई थी जिसमें व्यापारियों द्वारा भी बंद को अपना समर्थन दिये जाने की जानकारी दी गई थी। सभी व्यापारी अपने प्रतिष्ठान बंद रखने हेतु सहमति प्रदान किये थे।

यादव समाज के अष्टप्रहरी कीर्तन व जिला स्तरीय महासम्मेलन मे शामिल हुए संसदीय सचिव

■ संसदीय सचिव यू.डी. मिंज ने खारीरीझरिया में झरिया यादव समाज के सामाजिक भवन का किया लोकार्पण

छ.ग.फ्रंटलाइन

जशपुरनगर। संसदीय सचिव यू. डी. मिंज ने कुनकुरी विकासखंड के अंतर्गत ग्राम खारीझरिया में झरिया यादव समाज के अष्टप्रहरी कीर्तन और जिला स्तरीय महासम्मेलन में शामिल हुए. इस अवसर पर विधायक यू डी मिंज ने मुख्यमंत्री घोषणा मद अंतर्गत पिछड़ा वर्ग समुदाय हेतु सामाजिक भवन का लोकार्पण भी किया। झरिया यादव समाज के पदाधिकारी समेत समाज के सभी वर्गों ने उनका आत्मिक स्वागत एवं अभिवादन जयकारे लगा कर किया। झरिया यादव समाज के भवन लोकार्पण पर पँहुचें संसदीय सचिव एवं क्षेत्र के ऊर्जावान विधायक यू डी मिंज ने कहा समाज का विकास सामाजिक ढांचे एवं समाज द्वारा बनाये मजबूत ताने बाने याने सामाजिक जुड़ाव से होता है आपके समाज की मजबूती देख मैं गदगद हूँ उम्मीद करता हूँ यूं ही आपके काम आता रहूंगा मुझे बुलाते रहिएगा तथा समस्याओं से अवगत कराते रहिएगा मैं तन मन धन से समस्याओं के समाधान के लिए संकल्पित हूँ. मेरे विधानसभा में निवासरत सभी समुदायों के लिए हर सहयोग के लिए मैं तैयार हूं। इस अवसर पर श्रीमती ममता जनपद सदस्य, जनपद पंचायत कुनकुरी, सुश्री सरिता एक्का सरपंच खारिझरिया, सुदबल राम यादव, जिला संरक्षक, झरिया यादव समाज एवं पूर्व न.पं. अध्यक्ष, शंकर राम यादव जिलाध्यक्ष, झरिया यादव समाज,श्रीमती लक्ष्मी यादव, जिलाध्यक्ष, महिला समिति, मदन मोहन यादव जिला महामंत्री, महादेव राम यादव जिला कोषाध्यक्ष झरिया यादव समाज, सुरेन्द यादव, झरिया यादव समाज, नन्दकुमार यादव पूर्व शाखा अध्यक्ष कुनकुरी, सुन्दर राम यादव शाखा अध्यक्ष कुनकुरी, कुशध्वज यादव, कुंजारा शिवकुमार यादव, शाखा, कुनकुरी, परवेज आलम बबलु उपसरपंच खारीझरिया की उपस्थिति रही।

शहर के जोगपाल पब्लिक स्कूल परिसर में रविवार को एनुअल फंक्शन का आयोजन उत्साह और उमंग के साथ किया गया

छ.ग.फ्रंटलाइन

पत्थलगांव। शहर के जोगपाल पब्लिक स्कूल में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी परिसर में रविवार को एनुअल फंक्शन का आयोजन उत्साह और उमंग के साथ किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती वंदना के साथ की गई। इस मौके पर स्कूल के बच्चों द्वारा आकर्षक वेशभूषा में राज्यगीत, कर्मा, सुवा, पंथी, आर्मी ड्रेस कोड पर डांस, गुजराती गरबा, पंजाबी भांगड़ा, कव्वाली, एजुकेशन, डॉक्टरों की थीम्स पर डांस, सोशल मीडिया के दुष्प्रभाव, जल का महत्व समझाने नन्हे बच्चों का डांस, एवं अनेकों फिल्मी गानों व विभिन्न भाषाओं के गीतों पर रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। जहां अभिभावकों और मौजूद लोगों के चेहरे पर काफी उत्साह देखने को मिला।कार्यक्रम में छग राज्यमंत्री दर्जा प्राप्त एवं टैक्स्ट बुक कार्पोरेशन के चेयरमैन शैलेश नितिन त्रिवेदी, रिटायर्ड आईएएस ऑफिसर धनंजय देवांगन, रिटायर्ड आईएफएस श्याम सुंदर बजाज, निर्माण क्षेत्र से आनंद शर्मा, सीनियर ऑफिसर जशदीश चंद्र साहू रेलवे डिपार्टमेंट, इंजीनियरिंग के क्षेत्र से अजय पाणी, बैंकिंग क्षेत्र से रंजीत एस ठाकुर, भारतीय रेल सेवा से जगदीश मुकुल,निजी उद्योग के क्षेत्र से डीके प्रकाश, डीएस नेगी, एडमिनिस्ट्रेटर मनजोत सिंह भाटिया, प्रिंसिपल जोगिंदर मेहर अतिथि के रूप में मंचासीन रहे। जिसके बाद राष्ट्रगान प्रस्तुत किया गया। एवं छात्र छात्राओं ने साल श्रीफल भेंट कर अतिथियों का आत्मीय सम्मान किया। वहीं इस एनुअल फंक्शन को भव्य रूप प्रदान करने स्कूल के छात्र छात्राएं कई सप्ताह पूर्व से ही सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति के लिए अभ्यास कर रहे थे।जहां स्कूल के बच्चों ने बारी बारी से इस वर्ष के वार्षिक उत्सव में अपने कार्यक्रमों को पेश किया।इस मौके पर स्कूल के डायरेक्टर शरणजीत सिंह भाटिया ने अभिभावकों को कहा कि स्कूल की टीम लगातार बेहतरीन प्रदर्शन कर विद्यार्थियों के भविष्य को उज्जवल बनाने की दिशा में प्रयासरत है। अभिभावकों को संस्थान में कभी भी निराशा की झलक देखने को नहीं मिलेगी।उन्होंने स्कूल के बच्चों को लगातार कठिन मेहनत कर शानदार परिणाम लाने हेतु प्रेरित किया।उन्होंने बताया कि विद्यार्थियों में देशभक्ति की भावना जागृत करने के लिए हफ्ते में एक दिन उसी कलर का ड्रेस लागू किया गया है। जिससे की आपस में बच्चों के मन में देशप्रेम की भावना जगे।आज के डिजिटल युग में टेक्नोलोजी के माध्यम से विद्या अध्ययन करने की अपार संभावनाएं है।जिसका उपयोग भी स्कूल द्वारा भरपूर किया जा रहा है। वहीं छत्तीसगढ़ कैबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त एवं टैक्स्ट बुक कार्पोरेशन के चेयरमैन शैलेश नितिन त्रिवेदी ने अपने उद्बोधन में कहा कि विद्यार्थी जीवन में विद्या को कभी भी ना भूलें।ज्ञान ही एक ऐसी पूंजी है जिसकी सहायता से जीवन में उच्च शिखर तक पहुंचा जा सकता है। उन्होंने कहा जोगपाल स्कूल द्वारा बच्चों को विद्या अध्ययन के साथ ही राष्ट्र भक्ति के लिए प्रेरित किया जाना प्रशंसनीय है। विद्यार्थियों से उन्होंने कहा कामयाबी ठोकरों से ही प्राप्त होती है आपका लक्ष्य तभी पूर्ण हो सकेगा जब मन लगाकर पढ़ाई करने को पहली प्राथमिकता देंगे।विद्यार्थी जीवन में शिक्षा के महत्व को ध्यान में रखते हुए अपने उद्देश्य से कदापि विचलित ना हों। डॉक्टर, इंजीनियर, वकील, नर्स अन्य पदों पर होना अधिक महत्व नही उन पदों को कैसे प्राप्त किया गया इस बात का अधिक महत्व है।जीवन में कठिन मेहनत ही आपके लक्ष्य और मंजिल के करीब ले जाने में मददगार साबित होती है और शिक्षा ही सफलता की कुंजी है।उन्होंने मौजूद विद्यार्थियों को पढ़ाई की ओर अधिक से अधिक ध्यान देने हेतु प्रेरित किया। इस अवसर पर भारी संख्या में अभिभावकगण, दर्शकगण, एवं पत्रकार सांस्कृतिक कार्यक्रमो का लुफ्त उठाने मौजूद रहे। इस दौरान राज्य और जिला लेवल की प्रतिस्पर्धाओं में हिस्सा लेने वाले विद्यार्थी एवं स्टूडेंट ऑफ द ईयर के तौर पर vst(आन्या अग्रवाल), wnd(आस्था गुप्ता), मोस्ट आज्ञाकारी छात्र (कृतिका जगत), बेस्ट कलाकृति में (ईशा पटेल), बेस्ट एथलीट (उमेश यादव), मोस्ट डिसिप्लिन छात्र (रश्मि रानी), (पूर्वी अग्रवाल) स्टेट लेवल बैडमिंटन प्लेयर अंडर14, क्रिकेट से अंडर14 स्टेट लेवल प्लेयर (वैभव पटेल) समेत स्कूल के नर्सरी से लेकर vwth तक के अन्य छात्रङ्क्षछात्राओं को पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

पहाड़ी कोरवा परिवार का आत्महत्या प्रकरण : सोशल मीडिया पर चल रही विभिन्न भ्रामक खबरों के बीच प्रशासन ने दिया स्पष्टीकरण

छ.ग.फ्रंटलाइन

जशपुरनगर। जिले के अंतर्गत बगीचा ब्लॉक के ग्राम सामरबार में पहाड़ी कोरवा परिवार के आत्महत्या प्रकरण को लेकर सोशल मीडिया सहित अन्य प्लेटफार्म पर चल रही भ्रामक खबरों को लेकर जशपुर जिला प्रशासन का पक्ष भी सामने आया है, जिसमें उसकी हत्या के तार उसके पिता की पूर्व में हुई हत्या से और आरोपियों से जोड़ने के विषय में कुछ तथ्य रखे गए हैं। प्रशासन द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक बगीचा ब्लॉक अंतर्गत सामरबार निवासी मृतक राजू राम के पिता की हत्या 22 फरवरी 2010 को 18.00 बजे हुई थी। हत्या उपरांत पुलिस प्रशासन ने पूरी तत्परता से सभी बिंदुओं पर जांच की थी और सबूतों के आधार पर दो पहाड़ी कोरवा बिफना और कोंदा को गिरफ्तार कर पूछताछ शुरू किया था। जिसके बाद दोनों आरोपियों ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया था। परिणाम स्वरूप पुलिस ने आरोपियों को न्यायालय में पेश किया, जहां न्यायालय ने आरोपियों को हत्या के आरोप में सजा सुनाई और जेल दाखिल किया। वर्तमान में दोनों आरोपी जेल से सजा काट कर रिहा हो गए है और दोनों आरोपी पिता-पुत्र हैं। दी जा रही जानकारी के अनुसार कोरवा राजू राम के परिवार के आत्महत्या प्रकरण में सभी बिंदुओं पर पुलिस प्रशासन पूरी मुस्तैदी से जांच कर रहा है। घटना से जुड़े सभी तथ्यों पर गहराई से पूछताछ एवं जांच की जा रही है, लेकिन आत्महत्या के सही कारण अभी तक स्पष्ट नहीं हो पाए हैं। भाजपा के प्रादेशिक जांच दल ने भी भूख और गरीबी को बताया था सामूहिक आत्महत्या का कारण इसी प्रकार भाजपा के प्रादेशिक जांच दल ने भी पहाड़ी कोरवा परिवार द्वारा की गई सामूहिक आत्महत्या को भूख और गरीबी के कारण होना बताया गया था। जांच दल के अनुसार कोरवा परिवार का पूरा निवास ग्राम बुनियादी सुविधाओं से वंचित था तथा ग्रामीणों को शिक्षा, राशन एवं आवागमन की समस्याओं से भी जूझना पड़ रहा था, परिवार के राशन आबंटन से भी वंचित रहने का आरोप लगाया गया था। पूर्व मंत्री गणेश राम भगत ने भी प्रकरण की जांच को लेकर खड़े किए सवाल ज्ञातव्य है कि गत दिनों पूर्व मंत्री गणेश राम भगत ने राजू राम की आत्महत्या को हत्या का रूप देने संबंधित विवादित बयान दिया था,जिसमें उन्होंने घटना में आत्महत्या के बजाय हत्या होने की आशंका व्यक्त की थी और इसके संदर्भ में राजू राम के पिता की हत्या की बात का उल्लेख करते हुए आशंका व्यक्त की थी कि उसी तर्ज पर ही राजू राम के परिवार की हत्या की गई होगी। इस पूरे प्रकरण में पुलिस पर भी जांच सही से नहीं करने का गंभीर आरोप भगत ने लगाते हुए कहा था कि बिना जांच के प्रशासन आत्महत्या करार देते हुवे मामले को दबाने का प्रयास कर रहा है।

13 अप्रैल को 129 पदों हेतु किया जा रहा प्लेसमेंट कैम्प का आयोजन

छ.ग.फ्रंटलाइन

जशपुरनगर। जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र जशपुर के द्वारा 13 अप्रैल 2023 को पदो हेतु प्लेसमेंट कैम्प का आयोजन किया जा रहा है। जिला रोजगार अधिकारी ने बताया कि प्लेसमेंट कैम्प हेतु वृन्दावन पब्लिक स्कूल, लुडेग, कोतबा, बागबहार, पण्डरीपानी जिला जशपुर में, एसीबीआई लाईफ शाखा पत्थलगांव जशपुर और छत्तीसगढ़ का पहरेदार अम्बिकापुर तीन क्षेत्रों में कुल 129 रिक्त पदो हेतु प्लेसमेंट कैम्प का आयोजन किया गया है। जिसमें प्रचार्य के 04 पद, हिन्दी शिक्षक प्राथमिक मिडिल के 08 पद, अंग्रेजी शिक्षक प्राथमिक मिडिल के 08 पद, गणित शिक्षक प्राथमिक मिडिल के 06 पद, विज्ञान शिक्षक के प्राथमिक मिडिल 06 पद, संगीत शिक्षक के 02 पद, लेखापाल के 04 पद, ड्राईवर के 04 पद, प्री प्रायमरी महिला वर्ग के 15 पद हेतु शैक्षणिक योग्यता एम.ए, बीए, बी.एस.सी, बी कॉम, डीएड, बीएड, सभी सब्जेक्ट विषय के अनुसार लैंग्वेज में शैक्षणिक योग्यता मान्य होगा जिसमें सबका चयन वृंदावन पब्लिक स्कूल, लुडेग, कोतबा, बागबहार, के अन्तर्गत कुल 57 पदों में अभ्यर्थियों का चयन होगा। इसी प्रकार अन्य पदों के लिए लाईफ मित्र के 42 पद, एसओ/डीएम के 02 पद, एसएएम/एएम के 02 पद, टीएम के 01 पद, सेल्स सर्पोट के 01 पद हेतु शैक्षणिक योग्यता 10वी से 12वी के साथ कोई भी सब्जेक्ट में डीग्री व कम्प्युटर का समान्य ज्ञान के साथ एसबीआई लाईफ शाखा पत्थलगांव जशपुर के लिए चयन किया जाएगा। और व्यूरो प्रमुख के 01 पद, रिपोर्टर के 21 पद, कम्प्यूटर आपरेटर के 01 पद, कार्यालय सहायक के 01 पद हेतु हाई स्कूल, हायर सेकेण्डरी, स्नातक, आठवी पास निम्न पदों के अनुसार सभी योग्यताए छत्तीसगढ़ का पहरेदार अम्बिकापुर हेतु आवेदको का चयन किया जाएगा जिसमें पुरुष व महिला वर्ग के दोनों पक्ष ही आवेदन कर सकेगे जिसमें योग्यता अनुसार चयन प्रक्रिया में प्राथमिकता दी जाएगी। इच्छुक आवेदक जो भी इस पदों में प्रशिक्षण चाहते है वह दिनांक 13 अप्रैल 2023 को सुबह 11 बजे आवेदक समस्त मूल प्रमाण पत्र एवं 5 पासपोर्ट साईज फोटो, आधार कार्ड के साथ जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र जशपुर में उपस्थित होकर प्लेसमेंट कैम्प में भाग ले सकते हैं।

छत्तीसगढ़ सामाजिक आर्थिक सर्वेक्षण कार्य में लापरवाही 3 जनपद सीईओ और 1 विकासखंड शिक्षा अधिकारी को नोटिस जारी

छ.ग.फ्रंटलाइन, जशपुरनगर। कलेक्टर डॉ. रवि मित्तल के निर्देश में जिला पंचायत सीईओ जीतेन्द्र यादव ने तुलसीदास मरकाम, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत पत्थलगांव, जशपुर जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी लोकहित भगत बगीचा जनपद पंचायत के मुख्यकार्यपालन अधिकारी विनोद सिंह, विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी बगीचा अजय कुमार सिन्हा को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। नोटिस में कहा गया है। कि उपरोक्त विषयांतर्गत लेख है कि माननीय मुख्यमंत्रीजी छत्तीसगढ़ के घोषणा अनुसार दिनांक 1 अप्रैल 2023 से छत्तीसगढ़ सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षण 2023 किया जा रहा है, जिसमें छत्तीसगढ़ शासन पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, मंत्रालय, महानदी भवन, नवा रायपुर, अटल नगर के निर्देशानुसार दिनांक 20.03.2023 के द्वारा छत्तीसगढ़ सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षण 2023 हेतु मार्गदर्शिका एवं निर्देश जारी किया गया है। जिसके परिपालन में आपके जनपद पंचायत क्षेत्रांतर्गत 01 अप्रैल 2023 से सर्वेक्षण का कार्य प्रारंभ किया गया है, विकासखंड शिक्षा अधिकारी अजय कुमार सिन्हा ने ग्राम पंचायत मैनी जनपद पंचायत बगीचा में सर्वेक्षण हेतु प्रगणक दल का गठन किया गया है। किन्तु आपके द्वारा प्रगणक दल का सही चयन नही करने से ग्राम पंचायत मैनी का कार्य प्रभावित हो रहा है। तथा शासन के मंशा अनुसार प्रगति नही हो पा रही है। जनपद पंचायत जशपुर के मुख्य कार्यपालन अधिकारी लोकहित भगत को कारण बताओं नोटिस जारी करके जवाब तलब किया गया है। नोटिस में कहा गया है कि 10 दिवस होने के उपरान्त भी आपके जनपद पंचायत क्षेत्र का प्रगति लक्ष्य के विरुद्ध 19.56 पुरा हुआ। जबकि सर्वेक्षण का कार्य को 30 अप्रैल 2023 तक पूर्ण करना है। पत्थलगांव जनपद पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी तुलसीदास मरकाम को नोटिस जारी करके 10 दिवस व्यतीत होने के उपरान्त भी आपके जनपद पंचायत क्षेत्र का प्रगति लक्ष्य के विरूद्ध 23.66 प्रतिशत पूरा हुआ है। जनपद पंचायत बगीचा के मुख्य कार्यपालन अधिकारी विनोद सिंह को कारण बताओं नोटिस जारी करते हुए कहा गया है कि 10 दिवस व्यतीत होने के उपरान्त आपके जनपद पंचायत क्षेत्र का प्रगति लक्ष्य के विरूद्ध 23.50 प्रतिशत पूरा हुआ है। आपके प्रगति से अनुमान लगाया जा रहा है, कि आपके द्वारा सर्वेक्षण का कार्य में रुचि नही लिया जा रहा है।

न्यायालय तहसीलदार सूरजपुर, जिला सूरजपुर (छ0ग0)
रा.प्र.क्र.
202302260600027 / अ–27 / 2022–23
ईश्तहार
गोविन्द राम वगैरह प्रति देव सिंह वगैरह
आम जनता ग्राम गोपालपुर तहसील सूरजपुर जिला सूरजपुर छ0ग0 को सूचित किया जाता है। कि आवेदकगण श्री गोविन्द राम आ0 रति राम वगैरह जाति गोड़, निवासी ग्राम गोपालपुर तहसीलन सूरजपुर जिला सूरजपुर छ0ग0 द्वारा अपने स्वामित्व एवं अधिपत्य कि भूमि ग्राम गोपालपुर तहसील सूरजपुर स्थित भूमि खाता क्रमांक 323 कुल खसरा नंबर 11 योग रकबा 2.236 हे0 भूमि का खातेदारों के मध्य 1/4 भग में खाता बटवारा कराने हेतु ऑनलाईन में दर्ज कराने से मामला विवादित होने से निराकरण हेतु इस न्यायालय में प्राप्त हुआ है। जो इस न्यायालय में विचाराधीन है। उक्त संबंध में जिस किसी को कोई आपत्ति हो तो वह अपना आपत्ति दावा दिनांक 17.04.2023 को स्वयं अथवा अपने अभिभावक के माध्यम से उपस्थित होकर अपना दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात् प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। आज दिनांक 03.04.2023 को न्यायालयी पदमुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।
तहसीलदार,
सूरजपुर

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर, जिला–सरगुजा (छ0ग0)
रा.प्र.क्र.–
202304021200006 / अ–6 / 2022–23
ईश्तहार
एतद् द्वारा सर्व–साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक प्रमोद कुमार त्रिपाठी आ0 स्व0 राजेश्वरी त्रिपाठी, निवासी– ब्रम्हरोड तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा, छ0ग0 के द्वारा अपने अधिवक्ता के माध्यम से मोहल्ला– ब्रम्ह रोड, नगर अम्बिकापुर शीट नम्बर –09 स्थित नजूल भू–खण्ड क्रमांक 3252/1, 3253, 3257, 3258 रकबा क्रमशः 0.13 1/4, 0.21, 0.04, 0.09 एकड़ भूमि के सहखातेदार कमला त्रिपाठी पत्नी स्व राजेश्वरी त्रिपाठी की दिनांक 19.12.2022 को मृत्यु हो जाने के कारण खाते से मृतक का नाम विलोपित कराने हेतु संहिता की धारा 109, 110, के तहत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। आवेदन पत्र के साथ मेन्टनेन्स खसरा, मृत्यु प्रमाण पत्र की छायाप्रति पेश की गई है। उक्त भू–खण्ड के सम्बन्ध में यदि जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा/ आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 08.05.2023 तक इस न्यायाल में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात् प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। आज दिनांक 10.04.2023 को न्यायालयी पदमुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।
नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय तहसीलदार सूरजपुर, जिला सूरजपुर (छ0ग0)
रा.प्र.क्र. / ब–121 / 2022–23
ईश्तहार
आवेदक/आवेदिका (देवीपुर) श्यामापाल रजक आ0 राम प्रसाद जाति धोबी, निवासी देवीपुर ग्राम देव.पुर प0ह0नं0 13 तहसील सूरजपुर जिला सूरजपुर छ0ग0 ने अपने बाबा आनन्द आ0 नुकुम मृत्यु दिनांक 15.10.2002 का मृत्यु प्रमाण पत्र बनाने हेतू आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। जिस पर कार्यवाही प्रारंभ कर दी गई है। इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो दिनांक 13.04.2023 को समय 11.00 बजे इस न्यायालय में अपना स्वयं अथवा अपने अभिभावक के माध्यम से उपस्थित होकर अपना दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात् प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। आज दिनांक 29.03.2023 को न्यायालयी पदमुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।
तहसीलदार,
सूरजपुर

न्यायालय तहसीलदार सूरजपुर, जिला सूरजपुर (छ0ग0)
रा.प्र.क्र. / ब–121 / 2022–23
ईश्तहार
आवेदक/आवेदिका रामअधार आ0 देवनारायण जाति नाई, निवासी पसला ग्राम पसला प0ह0नं0 .... तहसील सूरजपुर जिला सूरजपुर छ0ग0 ने अपने माता विफईया मृत्यु दिनांक 25.10.2009 का मृत्यु प्रमाण पत्र बनाने हेतू आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। जिस पर कार्यवाही प्रारंभ कर दी गई है। इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो दिनांक 21.04.2023 शुक्रवार को समय 11.00 बजे इस न्यायालय में अपना स्वयं अथवा अपने अभिभावक के माध्यम से उपस्थित होकर अपना दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात् प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। आज दिनांक 06.04.2023 को न्यायालयी पदमुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।
तहसीलदार,
सूरजपुर

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अम्बिकापुर, जिला सरगुजा, (छ0ग0)
रा.प्र.क्र. / अ–2 / 2022–23
ईश्तहार
एतद् द्वारा सर्व–साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक वैभव कुमार राय, अभय कुमार राय आ0 कमलेश जाति भूमिहार, निवासी ग्राम/नगर गोधनपुर अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ.ग.) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं अधिपत्य की भूमि स्थित– ग्राम सरगंवा, तहसील अम्बिकापुर खसरा नंबर 837/5 रकबा 0.29 हे. भूमि को कृषि भिन्न, आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए बी–1, खसरा, पंचायत प्रस्ताव, रजिस्ट्री की प्रति आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो न्यायालय में विचाराधीन है। अतएव उक्त सम्बन्ध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो निर्धारित सुनवाई तिथि 26.04.2023 को मेरे न्यायाल में अथवा अधिक्षक भू–अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात् प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। आज दिनांक 10.04.2023 को न्यायालयी पदमुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।
अनुविभागीय अधिकारी (रा)
अम्बिकापुर

एनसीईआरटी की 10वीं, 11वीं व 12वीं कक्षा के पाठ्यक्रमों के चैप्टरों में बोझ हल्का करने के मकसद से एक साल पहले ही किए गए बदलावों पर अभी हंगामा राजनीति से अधिक कुछ नहीं है। पाठ्यक्रमों में बदलाव पहली बार नहीं हुए हैं, सरकारें समय- समय पर करती रही हैं। कांग्रेस की सरकारों के समय तो सयास संघ व भाजपा की छवि खराब करने के लिए स्कूली पाठ्यक्रमों में डिस्टॉर्टेड व भ्रामक चैप्टर पाठ्यक्रमों में जोड़े गए, शिक्षा में जिसकी आवश्यकता नहीं थी। वर्तमान में शिक्षा के भारतीयकरण के साथ-साथ उससे भ्रामक तथ्यों को हटाना भी जरूरी है। नई शिक्षा नीति के अनुरूप पाठ्यक्रमों में बदलाव आवश्यक है। सिलेबस पर सियासत के पीछे के मकसद का आकलन करता आजकल का यह अंक...

सिलेबस पर सियासत क्यों

विश्लेषण

प्रमोद जोशी
वरिष्ठ पत्रकार

> **भारत में इतिहास राजनीति का विषय है। राजनीति इस समय सेक्युलरिज़्म और सांस्कृतिक पुनरुत्थान की बहस से गुजर रही है, इसलिए छोटे बदलाव को भी सियासी निगाहों से देखा जाता है। शिक्षा को संकीर्ण नजरिए से देखना नहीं चाहिए। पाठ्यक्रम में हुए बदलावों की घोषणा पिछले साल अप्रैल के महीने में ही हो गई थी। देखना यह भी होगा कि गांधी की हत्या व संघ, गुजरात दंगे आदि बातें किताबों में कब जोड़ी गईं, किस मंशा से जोड़ी गईं, उस समय किसकी सरकार थी? उस पार्टी की मंशा क्या थी? मुग़लकाल को**
>
> **एनसीईआरटी की इतिहास-पुस्तकों से हटाया नहीं गया है।**

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के पाठ्यक्रम और पुस्तकों में हुए बदलाव अचानक फिर से चर्चा के विषय बने हैं। हालांकि इन बदलावों की घोषणा और सूचना पिछले साल अप्रैल के महीने में ही हो गई थी, पर चूंकि नया पाठ्यक्रम इस वर्ष लागू किया जा रहा है, शायद इसलिए यह चर्चा फिर से हो रही है। हालांकि पाठ्यक्रम का संयोजन कक्षा 6 से 12 तक के अलग-अलग विषयों का हुआ है, पर सबसे ज्यादा चर्चा इतिहास के पाठ्यक्रम को लेकर है। भारत में इतिहास राजनीति का विषय है। भारतीय राजनीति इस समय सेक्युलरिज़्म और सांस्कृतिक पुनरुत्थान की बहस से गुजर रही है, इसलिए छोटे से छोटे बदलाव को भी संदेह की निगाहों से देखा जाता है। शिक्षा को संकीर्ण नजरिए से देखना नहीं चाहिए, पर इतिहास, साहित्य, राजनीति-शास्त्र और संस्कृति ऐसे विषय हैं, जिन्हें लेकर वस्तुनिष्ठता आसान भी नहीं है। यह काम विशेषज्ञों की मदद से ही होगा, पर हम यह भी जानते हैं कि हमारे देश में विशेषज्ञ भी वस्तुनिष्ठ कम, वैचारिक प्रतिबद्ध ज्यादा हैं। इस विषय पर काफी बहस पिछले साल ही हो गई है, पर दो-एक बातें हाल की हैं। खासतौर से महात्मा गांधी की हत्या को लेकर पाठ्यपुस्तक से हटाई गई कुछ पंक्तियों का मसला सामने आया है, जिनका नोटिफिकेशन पिछले साल नहीं हुआ। एनसीईआरटी ने माना कि उसकी अनदेखी हुई है।

बदलाव सकारात्मक

2017 में जब इन किताबों का पुनरीक्षण किया गया, तब उसके पीछे ज्यादा बड़ी जरूरत उन्हें अपडेट करने की थी। उसके दस साल पहले किताबों में बदलाव हुआ था। बहुत सी किताबें उसके भी दस-पंद्रह साल पहले से हूबहू उसी रूप में छपती आ रही थीं, जैसी कि मूल रूप में लिखी गईं। सामाजिक विज्ञान की एक पुस्तक में, जिसकी प्रस्तावना पर नवंबर 2007 की तारीख पड़ी थी, देश में आवास, विद्युत आपूर्ति और पाइप से पानी की सप्लाई के आँकड़े 1994 के थे। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार उस साल 182 पाठ्य पुस्तकों में 1,334 बदलाव किए गए। औसतन हरेक किताब में सात बदलाव। इनमें जीएसटी टैक्स या ऐसी ही बातें शामिल की गईं। पिछले साल बदलाव के पीछे केवल अपडेट करने की इच्छा नहीं थी, बल्कि कहा गया था कि कोविड-19 के दौरान महसूस किया गया कि बच्चों पर पढ़ाई का बोझ बहुत ज्यादा है। उसे कम करना चाहिए। इस लिहाज से इसबार अपडेट के साथ-साथ पुस्तकों का आकार भी छोटा किया गया है।

बोझ कम करना लक्ष्य

पिछले साल एनसीईआरटी ने पाठ्य पुस्तकों में पाठ्य सामग्री का पुनर्संयोजन करने की घोषणा करते हुए कहा था कि कोविड-19 महामारी को देखते हुए विद्यार्थियों के ऊपर से पाठ्य सामग्री का बोझ कमकरना जरूरी समझा गया। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 में भी विद्यार्थियों के लिए पाठ्य-सामग्री का बोझ कम करने और रचनात्मक नज़रिए से अनुभव करते हुए सीखने के अवसर प्रदान करनेपर ज़ोर दिया गया है। इस पृष्ठभूमि में एनसीईआरटी ने सभी कक्षाओं की पुस्तकों का

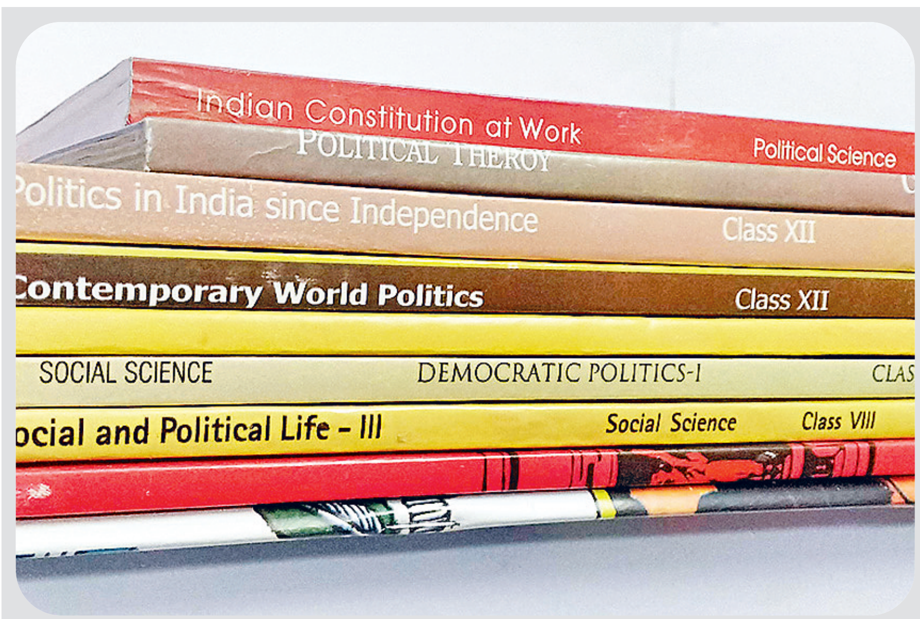

पुनर्संयोजन किया है। इसमें ध्यान रखा गया है कि एक ही कक्षा में अलग-अलग विषयों में या उससे आगे या पीछे की कक्षाओं में पाठ्य सामग्री की दोहराव नहीं हो। बाकी बातें कठिनाई और शिक्षकों की आसानी से भी जुड़ी हैं। विद्यार्थी बाहरी हस्तक्षेप के बगैर स्वयं पढ़ सकें। इन सबके अलावा सामग्री अप्रासंगिक नहीं हो। इन पंक्तियों के लेखक ने जब इन बदलावों को देखने का प्रयास किया, तब एक बात स्पष्ट हुई कि जिन प्रश्नों से मीडिया जूझ रहा है, वे महत्वपूर्ण भले ही हैं, पर समुद्र में बूँद जैसे हैं। उन्हें लेकर छिड़ी बहस इन विषयों के पीछे छिपी राजनीति को उछालने भर के लिए हैं।

राजनीतिक नज़रिया

किताबों के शैक्षिक-प्रश्नों पर चर्चा उतनी नहीं है, जितनी राजनीतिक-नज़रिए को लेकर है। कांग्रेस, बीजेपी, साम्यवादी, समाजवादी, द्रविड़ और आंबेडकरवादी पार्टियों की अपनी-अपनी मान्यताएं हैं। सवाल है कि बच्चों को वस्तुनिष्ठ शिक्षा प्रदान करना क्या संभव नहीं है? ज्यादातर टकराव इतिहास, समाज-विज्ञान और साहित्य की शिक्षा में देखने को मिलेंगे। गणित, विज्ञान, भूगोल, कला और संगीत वगैरह में इस बात की संभावनाएं काफी कम हैं, जबकि सबसे ज्यादा बदलाव गणित और विज्ञान की पुस्तकों में ही करने की जरूरत होगी, क्योंकि उन्हें समय के साथ चलना होता है। भारतीय जनता पार्टी का दृष्टिकोण रहा है कि पाठ्य-सामग्री में भारत की मौलिकता भी झलकनी चाहिए। इससे असहमति नहीं होनी चाहिए, पर ज्यादा बड़े सवाल सांप्रदायिक सद्भाव से जुड़े हैं। जिन बातों के राजनीतिक निहितार्थ है अब उन पर ध्यान दें। मसलन सामाजिक विज्ञान की पुस्तक से 2002 के गुजरात दंगों के संदर्भ या भारतीय राजनीति के एक खंड में अटल बिहारी वाजपेयी की 'राजधर्म' टिप्पणी का हटना और 'हिंदू चरमपंथियों की गांधी के प्रति नफरत',महात्मा गांधी की हत्या के बाद आरएसएस पर लगे प्रतिबंध वगैरह। ये तथ्य राजनीतिक नज़रिए को बताते हैं। देखना यह भी होगा कि ये बातें इन किताबों में कब जोड़ी गईं, किस मंशा से जोड़ी गईं, उस समय किसकी सरकार थी वगैरह। इन्हें जोड़े बगैर काम चलता था या नहीं? यदि हां, तो क्यों जोड़ी गई?

मुग़लकाल पाठ्यक्रम से हटा ही नहीं

इस पूरी प्रक्रिया को शैक्षिक-गतिविधि के रूप में देखने की जरूरत है। ऐसा होता, तो गणित, विज्ञान और भूगोल जैसे विषयों के बदलाव पर भी बात होती। सारी बहस का इतिहास पर आकर गिरना बताता है कि हम अतीत की कटुताओं को वस्तुनिष्ठ तरीके से देखना नहीं चाहते। फेसबुक पर एक प्रगतिशील लेखक ने अपनी बात की शुरुआत इस वाक्य से की है, 'मुग़लकाल को एनसीईआरटी की इतिहास-पुस्तकों से बाहर कर दिया गया है।' पूरे पाठ्यक्रम पर नज़र डालें, तो यह बात अर्धसत्य है। बेशक 12वें दर्जे की किताब में मुग़लकाल से जुड़ा एक पाठ हटा दिया गया है, पर ऐसा नहीं कि मुग़लकाल को एनसीईआरटी की किताबों से हटा दिया गया है या भारतीय इतिहास से मुग़लों का नाम हटा दिया गया है। 12वें दर्जे की पुस्तक 'भारतीय इतिहास के कुछ विषय' के तीन भाग हैं। इन तीनों किताबों में हड़प्पा-सभ्यता से लेकर भारतीय संविधान के बनने तक का विवरण है। कक्षा 12 की पुस्तक 'भारतीय इतिहास के कुछ विषय भाग-2' के विषय-9 को हटाया गया है, जिसका नाम है 'शासक और इतिवृत्तःमुगल दरबार (लगभग सोलहवीं और सत्रहवीं शताब्दियाँ)।' कक्षा 12 में इतिहास की तीन पुस्तकें हैं, जिनमें भारतीय इतिहास से जुड़े कुछ विषयों की जानकारी दी गई है। जिस पाठ को हटाया गया है, उससे ठीक पहले वाला भी मुग़लकाल पर ही है।

इतिहास की किताबें

इसी तरह 11वें दर्जे की पुस्तकों में विश्व इतिहास के कुछ विषयों की जानकारी दी गई है। छात्रों को केवल भारत के इतिहास की ही नहीं विश्व इतिहास की जानकारी क्रमबद्ध तरीके से दी गई है। उच्चतर कक्षाओं में वे इतिहास का और विस्तृत अध्ययन कर सकते हैं। यों भी इतिहास केवल स्कूली पाठ्य पुस्तकों तक सीमित नहीं होता। एनसीईआरटी की पाठ्य पुस्तकों में कक्षा 6 से 8 तक बच्चों को भारतीय इतिहास के प्रारंभिक काल से लेकर आधुनिक युग तक की जानकारी दी जाती है। हर वर्ष एक विशेष ऐतिहासिक काल के बारे में जानकारी दी जाती है। कक्षा 9 और 10 की किताबों में परीक्षण का दायरा बदलता है। प्राथमिक कक्षाओं के विपरीत यहाँ एक छोटा सा काल चुनकर 'भारत और समकालीन विश्व' का अध्ययन किया जाता है।

वृहत्तर इतिहास

भारतीय इतिहास वृहत्तर विश्व-इतिहास का भी हिस्सा है। शायद इसीलिए कक्षा 11 में विश्व इतिहास के कुछ विषयों को शामिल किया गया है। इस दौरान पृथ्वी पर इनसानों के जीवन की शुरुआत से आज तक के लंबे अंतराल के बीच अपनी कालानुक्रमिक दृष्टि को विस्तार दिया गया। एक नज़र कक्षा 11 की पुस्तक 'विश्व इतिहास के कुछ विषय' पर डालें। इसमें कुल 11 विषय थे, जिनमें से चार को हटा दिया गया है। जो विषय हटे हैं वे इस प्रकार हैंः 1.समय की शुरुआत, 2.इस्लाम का उदय और विस्तार, 3.संस्कृतियों में टकराव और 4.औद्योगिक क्रांति। आप चाहें, तो इन सभी को महत्वपूर्ण मानें या चाहें तो नहीं मानें। पर किताबों को छोटा करने के बाद अब इन किताबों को नए सिरे से लिखने की जरूरत पैदा हो गई है, ताकि जो हटा है उसके कारण किसी प्रकार का शून्य पैदा नहीं हो। इसी तरह साहित्य, सामाजिक विज्ञान वगैरह के जो पाठ हटाए गए हैं और जो बचे हैं, उन पर फिर से दृष्टि डाली जाए। हम केवल इस बात पर जोर क्यों दे रहे हैं कि निराला, फिराक गोरखपुरी, ब्रजमोहन व्यास, विष्णु खरे या रामविलास शर्मा की फलाँ-फलाँ रचना क्यों हटा दी? आप यह भी देखें कि बाकी क्या बचा है। संस्कृत की किताबों के भी अध्याय कटे हैं।

राष्ट्रीय पाठ्यक्रम

अब कुछ बुनियादी बातों पर विचार करें। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का उद्देश्य भारत में स्कूली शिक्षा और उच्च शिक्षा सहित पूरी शिक्षा-प्रणाली को बदलना है। स्कूली शिक्षा के संदर्भ में, राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 में 10+2 प्रणाली को बदलकर 5+3+3+4 करने की सिफारिश की गई है। पाठ्यक्रम में संस्कृति की अच्छी नींव, निष्पक्षता और समावेशन, बहुभाषावाद, अनुभवात्मक शिक्षा, विषय वस्तु के बोझ को कम करने, कला और खेल के एकीकरण आदि पर ध्यान केंद्रित किया गया है। पिछले हफ्ते एनईपी-2020 में आगे कार्य करते हुए, चार राष्ट्रीय पाठ्यक्रमों (एनसीएफ) की रूपरेखाओं का प्रारूप पेश किया गया है। अर्थात स्कूली शिक्षा, बचपन की देखभाल और शिक्षा, अध्यापक की शिक्षा और प्रौढ़ शिक्षा के लिए की पहल की गई है। डॉ के कस्तूरीरंगन की अध्यक्षता में शिक्षा मंत्रालय ने एनसीएफ को शुरू करने और मार्गदर्शन करने के लिए राष्ट्रीय संचालन समिति का गठन किया। यह विचार करने का समय है। ऐसा नहीं होना चाहिए कि नीति बन जाने के बाद हम माथापच्ची करें। हंगामा केवल सियासत के लिए हो रहा है।

इतिहास को वस्तुनिष्ठ नजरिये से देखें

दो टूक

प्रणय कुमार
वरिष्ठ राजनीतिक विश्लेषक

किसी भी उदार, जीवंत एवं गतिशील समाज में वांछित एवं युगीन परिवर्तन की प्रक्रिया सतत चलती रहती है। शिक्षा परिवर्तन की सहज संवाहिका होती है। शिक्षा के माध्यम से ही कोई भी राष्ट्र या समाज अपने आदर्शों-आकांक्षाओं, स्वप्नों-संकल्पों को मूर्त एवं साकार करता है। राष्ट्रीय हितों एवं युगीन सरोकारों की पूर्त्ति का सबसे समर्थ व सक्षम माध्यम ही शिक्षा है, परंतु दुर्भाग्य से कई दशकों तक देश की सत्ता-व्यवस्था को नियंत्रित करने वाली शक्तियों ने शिक्षा को वांछित परिवर्तन का वाहक बनाने के बजाय दल एवं विचारधारा-विशेष के प्रचार-प्रसार का उपकरण बनाकर रख दिया। शैक्षिक संस्थाओं एवं विश्वविद्यालयों के शीर्ष पदों पर निष्पक्ष, योग्य एवं अनुभवी विद्वानों-विशेषज्ञों के स्थान पर दल एवं विचारधारा-विशेष के प्रति झुकाव एवं प्रतिबद्धता रखने वालों को अधिकाधिक वरीयता दी गई, परिणामतः संपूर्ण शिक्षा, कला एवं साहित्य-जगत ही वैचारिक ख़ेमेबाजी एवं पृष्ठ-पोषित पूर्वाग्रहों का अड्डा बनता चला गया। इतिहास, सामाजिक विज्ञान एवं साहित्य की पाठ्य-पुस्तकों एवं पाठ्यक्रमों में चुन-चुनकर ऐसी विषय-सामग्री संकलित की गईं, जो हीनता की ग्रंथियाँ अधिक विकसित करती हैं तथा स्वत्व और स्वाभिमान की भावना कम। इतिहास-लेखन एवं सामग्रियों के संकलन में पारंपरिक स्रोतों, प्राचीन शास्त्रों - वेदों-पुराणों-महाकाव्यों, उत्खनन से प्राप्त साक्ष्यों-सामग्रियों तथा तमाम तथ्यों की घनघोर उपेक्षा की गई। लोक साहित्य एवं लोक स्मृतियों को ताक पर रख दिया गया। आक्रांताओं या उनके आश्रय में रहे व्यक्तियों-यात्रियों द्वारा लिखे गए विवरणों को ही इतिहास का सबसे प्रामाणिक स्रोत या आधार मानकर मनमानी व्याख्याएँ की गईं, मनचाही स्थापनाएँ दी गईं। तर्कशुद्ध-तटस्थ चिंतन एवं वस्तुपरक विवेचन के स्थान पर पूर्व धारणाओं व मनगढ़ंत मान्यताओं को इतिहास की सच्ची घटनाओं की तरह प्रस्तुत एवं महिमामंडित किया गया और उलटा चोर कोतवाल को डांटे की तर्ज पर तथाकथित वाम बुद्धिजीवियों द्वारा परिवर्तन की हर पहल व प्रयास पर ही नहीं, बल्कि पदचाप पर भी हंगामा व शोर बरपाया जाता रहा। ताजा हल्ला-हंगामा व शोर केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) द्वारा नौवीं से बारहवीं कक्षा के पाठ्यक्रम में आंशिक बदलाव किए जाने पर मचाया जा रहा है। दरअसल बोर्ड ने सत्र 2023-24 के लिए कक्षा 10 वीं, 11वीं और 12वीं के इतिहास एवं राजनीतिशास्त्र के पाठ्यक्रम से गुटनिरपेक्ष आंदोलन, शीतयुद्ध-काल, विश्व राजनीति में अमेरिकी आधिपत्य, लोकतंत्र और विविधता, लोकतंत्र की चुनौतियाँ, मशहूर संघर्ष और आंदोलन, संस्कृतियों का टकराव, सेंट्रल इस्लामिक लैंड्स, अफ्रीकी-एशियाई देशों में इस्लामिक साम्राज्य की स्थापना, उदय एवं विस्तार, मुगल दरबारों के इतिहास के कुछेक

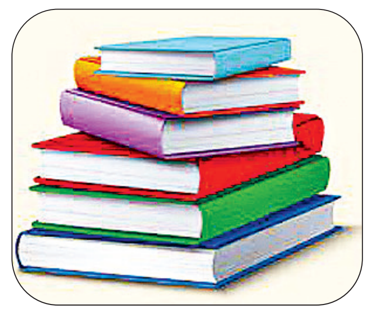

गैरजरूरी अंश और औद्योगिक क्रांति से जुड़े अध्यायों को हटाने का निर्णय लिया है। इसी प्रकार कक्षा 10वीं के पाठ्यक्रम से "कृषि पर वैश्वीकरण के प्रभाव" नामक सामग्री भी हटा ली गई है। अभी तक यह 'खाद्य सुरक्षा' पाठ के अंतर्गत पढ़ाई जा रही थी। इसके साथ ही 'धर्म, सांप्रदायिकता और राजनीति सांप्रदायिकता, धर्मनिरपेक्ष राज्य' से फैज अहमद फैज की उर्दू में लिखी दो नज़्में भी हटाई गईं हैं। गणित एवं विज्ञान के पाठ्यक्रम में से भी कुछ अध्याय हटाए गए हैं व कुछ जोड़े गए हैं।

सनद रहे कि राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) की संस्तुतियों पर पाठ्यक्रम को अधिक युक्तिसंगत, समाजोपयोगी एवं वर्तमान की अपेक्षाओं एवं आवश्यकताओं के अनुरूप बनाने के लिए ये परिवर्तन गत वर्ष ही प्रारंभ कर दिए गए थे। पाठ्यक्रम को रोचक, रचनात्मक, ज्ञानवर्द्धक, बोधगम्य एवं प्रासंगिक बनाए रखने के उद्देश्य से ऐसे परिवर्तन पूर्व में भी किए जाते रहे हैं और फिर इतिहास और सामाजिक विज्ञान से जुड़ी किताबें कोई आसमानी किताब या समाज-जीवन से नितांत निरपेक्ष एवं पृथक पाठ्य-पुस्तक तो हैं नहीं कि उनमें कोई परिवर्तन न किया जा सके! बल्कि अच्छा तो यही होगा कि विज्ञान एवं तकनीकी की सहायता से अब तक अदृष्टिपूर्व एवं अलक्षित ऐतिहासिक-पुरातात्त्विक स्रोतों, साक्ष्यों-तथ्यों आदि पर गहन शोध एवं विशद अध्ययन कर नई-नई जानकारियों को सामने लाया जाय और उन्हें पाठ्यक्रम एवं पाठ्यपुस्तकों का हिस्सा बनाया जाय। उल्लेखनीय है कि 11वीं के इतिहास के पाठ्यक्रम में घुमंतू या खानाबदोश साम्राज्य (नोमेडिक एंपायर) 12वीं में 'यात्रियों की नजरों से' तथा 'किसान, जमींदार और राज्य' शीर्षक को पिछले वर्ष जोड़ा गया था, वहीं राजनीतिशास्त्र में 'समकालीन विश्व में सुरक्षा' नामक अध्याय के अंतर्गत 'सुरक्षा : अर्थ और प्रकार, आतंकवाद', 'पर्यावरण और प्राकृतिक संसाधन' अध्याय के अंतर्गत 'पर्यावरण आंदोलन, ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन, प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण' तथा 'क्षेत्रीय आकांक्षाएँ' के अंतर्गत 'क्षेत्रीय दलों का उदय, पंजाब संकट, कश्मीर मुद्दा, स्वायत्तता के लिए आंदोलन' जैसे शीर्षकों (टॉपिक्स) को भी सम्मिलित किया गया था। क्या इसमें भी कोई दो राय हो सकती है कि ये मुद्दे वर्तमान समय-समाज, प्रकृति-परिवेश तथा देश-दुनिया के हितों व सरोकारों से बहुत गहरे जुड़े हैं? सजग एवं प्रबुद्ध वर्ग ही नहीं, अपितु साधारण व्यक्ति भी सरलता से यह आकलन-विश्लेषण कर सकता है कि इन विषयों का अध्ययन-अनुशीलन शांति, सहयोग और सह-अस्तित्व पर आधारित जीवन-मूल्यों को विकसित करने में कितना सहायक है! क्या यह सत्य नहीं कि विविध विषयों के पाठ्यक्रमों में अपेक्षित सुधार एवं परिवर्तन की माँग दशकों से की जाती रही है, शिक्षा संबंधी सभी आयोगों एवं समितियों द्वारा इसकी संस्तुतियाँ की जाती रही हैं तथा अधिकांश शिक्षाविद भी इसके प्रबल पैरोकार रहे हैं?

सत्य यही है कि इतिहास की पाठ्यपुस्तकों में व्यापक परिवर्तन समय की माँग है। वस्तुतः हमारा पूरा इतिहास-लेखन दिल्ली-केंद्रित है। वह आक्रांताओं के आक्रमणों, विजय-अभियानों, वंशावलियों तक सीमित है। मध्यकालीन एवं आधुनिक भारत का पूरा-का-पूरा इतिहास दिल्ली सल्तनत, मुगल वंश, ईस्ट इंडिया कंपनी, अंग्रेज लॉर्डों व सेनानायकों एवं स्वतंत्रता-आंदोलन के नाम पर कतिपय नेताओं के इर्द-गिर्द सिमटकर रह गया है। हमारी पाठ्य-पुस्तकों में मौर्य, गुप्त एवं मराठा साम्राज्य जैसे कतिपय अपवादों को छोड़कर शेष सभी भारतीय, मसलन - चोल, चालुक्य, पाल, पल्लव, परमार, मैत्रक, राष्ट्रकूट, विजयनगर आदि पर सामग्री नहीं है।

आज का राशिफल

मेष राशि : मेष राशि के छात्रों को इस सप्ताह काफी मेहनत के बाद ही सफलता मिलेगी। यदि आपका मन इस समय भटक रहा है तो किसी बड़े कंपटीशन से आपका समय खराब हो सकता है और यह मौका आपको बहुत देर से दोबारा मिलेगा।

वृषभ राशि : विद्यार्थियों की बात करें तो गुरु और सूर्य की वजह से उनका समय बहुत ही सफल रहने वाला है। आपका उत्साह बना रहेगा और पढ़ाई में आपकी रुचि अधिक दिखाई देगी, जिससे आप अपनी पढ़ाई में कुछ बेहतर करने के लिए जी तोड़ मेहनत करेंगे।

मिथुन राशि : इस सप्ताह आपका मन पढ़ाई से भटक सकता है। इसलिए विद्यार्थियों को सफलता और मनवांछित परिणाम के लिए पढ़ाई में कड़ी मेहनत करनी होगी।

कर्क राशि : विद्यार्थियों की बात करें तो इस सप्ताह उन्हें पढ़ाई में अधिक मेहनत करने के बाद ही सफलता मिलने के आसार हैं। आप पढ़ाई में काफी जोश के साथ मेहनत करेंगे, जिससे आपकी मेहनत सफल होगी और आपको मनचाहे परिणाम की प्राप्ति होगी।

सिंह राशि : विद्यार्थियों की बात करें तो इस सप्ताह उन्हें अपनी पढ़ाई को लेकर काफी मेहनत करनी पड़ेगी। आपको मनचाहे परिणाम की इच्छा रहेगी लेकिन आपका मन पढ़ाई में कम लगेगा जिससे आपका समय बर्बाद हो सकता है।

कन्या राशि : विद्यार्थियों ने इस सप्ताह यदि अपनी पढ़ाई पर ठीक से ध्यान नहीं दिया तो यह उनके लिए परेशानी का सबब बन सकता है। यह सप्ताह आपके लिए किसी नए स्कूल, या कॉलेज में दाखिला लेने के लिए बेहतर रहेगा।

तुला राशि : आपकी मेहनत रहेगी और आप अपनी पढ़ाई पर ध्यान देंगे। अभी समय पर अपने स्टडी नोट्स या असाइनमेंट बनाएं और बाहर के दोस्तों के साथ कम समय बिताएं।

वृश्चिक राशि : इस सप्ताह विद्यार्थी मित्रों की अपेक्षा पढ़ाई में अधिक समय व्यतीत करेंगे जिससे आपका मन पढ़ाई में अधिक लगेगा और पढ़ाई में मनचाहे परिणाम के साथ सफलता भी प्राप्त होगी।

धनु राशि : विद्यार्थियों की बात करें तो इस सप्ताह उन्हें अपनी पढ़ाई पर अधिक ध्यान देने की आवश्यकता होगी, असमंजस के कारण उनकी पढ़ाई में रुकावटें आ सकती हैं।

मकर राशि : इस सप्ताह के अंत तक आपका पढ़ाई के प्रति रुझान कम रहेगा। हालांकि आप उत्साह से भरे रहेंगे लेकिन भ्रमित होकर आप अपने उत्साह में कमी करेंगे।

कुंभ राशि : विद्यार्थियों की बात करें तो उनके लिए यह सप्ताह बेहतर रहेगा, इस समय आपका मन पढ़ाई में नहीं लगेगा और आप अपनी बुद्धि का सही समय पर उपयोग नहीं कर पाएंगे।

मीन राशि : इस समय आपका मन पढ़ाई में कुछ कम लगेगा। इस सप्ताह के अंत तक आपका मन बेवजह भटक सकता है, इसलिए बेहतर होगा कि आप इसे समझ लें और इस पर ध्यान दें।

और या औरत

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

उसकी शादी नहीं समझौता हुआ था। शादी दो दिलों के मिलने का नाम तो समझौता एक-दूसरे का एक ही कमरे में रहकर अलग-अलग जिंदगी गुजर बसर करने का नाम है। वह सिंदूर भरने वालों हाथों में कठपुतली बनकर रह गई। सिंदूरी हाथ जैसा नाच नचाता था, वह वैसा नाचती जाती थी। कभी हवा में उड़ने वाली पतंग की तरह लगती थी तो कभी कटी पतंग की तरह। उसकी पलकों से दुखों का सागर बहने के लिए उमड़ता रहता था। कभी दाँतों से होंठों को दबाए अपने ही ज्वार-भाटा में पीसती जाती थी। दिल में दुखों की अनंत गहराई जिसमें उतरने का साहस तो दूर जानने की जुर्रत नहीं करने वाला जमाना, किताबों में प्रशांत महासागर की गहराई पढ़कर स्वयं को ज्ञानी समझने लगता था। कितना अच्छा होता शब्दकोश से औरत के लिए स्त्री, महिला आदि शब्द हटाकर पराई जिंदगी जीने वाली मशीन कर दिया जाता। कम से कम इसे ही सच्चाई मानकर वह झूठमूठ के नारी पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवता जैसे ढोंगी कथनों से खुद को दूर रखती। दो घरों के बीच शादी नाम की प्रथा के चलते किसी वस्तु की तरह विनिमय कर देने वाली जिंदगी कई अंतर्पीड़ाओं की अथक गूंज होती है। दान देने वाले और दान लेने वालों के बीच अग्नि को साक्षी मानकर सात कदम नापने वाली औरत किसी के लिए और तो किसी की औरत बन जाती है। और से औरत बनने की यात्रा में कइयों की जिंदगियाँ टूटकर चकनाचूर हो जाती हैं। कुछ के लिए सिर पर धरा बोझ तो कुछ के लिए सीने पर रखा पत्थर होती हैं औरत! अपने तन से किसी और मन के लिए जीना, अपने से पहले दूसरे के लिए सोचना, अपनी आँखों को किसी और के लिए बिछा कर रखना, अपने अस्तित्व को किसी और के लिए न्यौछावर कर देना, अपनी पीड़ाओं को किसी और के दुखों के लिए भुला देना, अपनी अधूरी जिंदगी को किसी की पूरी जिंदगी बनाने के लिए खुद को मिटा देना दुनिया में एक अकेली औरत ही कर सकती है। शायद इसीलिए धरती औरत है जो सब कुछ सहते हुए टस से मस नहीं होती, जबकि पुरुष आकाश की तरह स्वतंत्र होता है। अपनी मर्जी का मालिक होता है। जहाँ-तहाँ घुम फिर सकता है। कुछ बेड़ियाँ होती हैं जो दिखायी नहीं देती। केवल अनुभूत की जा सकती है। औरत जिसका अर्थ है औरो के लिये अर्थात औरो मे रत रहने वाली। रात दिन औरो के लिये जीने वाली। औरो की पीड़ा को हरने वाली, खुद हार कर औरो को जिताने वाली।

कवर स्टोरी / लोकमित्र गौतम

ऑनलाइन सेवाओं ने हम सभी की लाइफस्टाइल को डिजिटल-स्मार्ट ही नहीं बेहद सुविधाजनक भी बना दिया है। लेकिन लगभग हर रोज होने वाली ऑनलाइन फ्रॉड्स की घटनाएं बहुत डराती हैं। ऐसे में इनसे बचने के लिए यूजर्स को एलर्ट रहने की जरूरत है। साथ ही साइबर सिक्योरिटी को मजबूत बनाने और साइबर क्रिमिनल्स पर कड़ी नजर रखने के लिए सिस्टम को भी पुख्ता इंतजाम करने चाहिए।

डिजिटल लाइफस्टाइल पर साइबर क्रिमिनल्स का साया

पिछले महीने 25 मार्च को हैदराबाद की साइबराबाद पुलिस ने जिस सनसनीखेज डाटा हैकिंग का पर्दाफाश किया था, आखिरकार उसके एक प्रमुख सूत्रधार की गिरफ्तारी छह दिनों बाद 31 मार्च को राजधानी दिल्ली से सटे फरीदाबाद से हुई। विनय नामक इस व्यक्ति के पास उसके कंप्यूटर और मोबाइल फोन में 24 राज्यों और 8 महानगरों के करीब 67 करोड़ लोगों, संस्थाओं और संगठनों के विभिन्न किस्म के 135 कैटेगिरी में डाटा रखे पाए गए। इसके पास दर्जनों बड़ी कंपनियों, कंप्टीशन एग्जाम दे रहे छात्रों सहित तमाम आम लोगों के डाटा पाए गए। यह शख्स इंस्पायरवेब्ज नामक वेबसाइट के माध्यम से ग्राहकों को यह डाटा बेच रहा था। इसका नेटवर्क 24 राज्यों में फैला हुआ था। हैरान करने वाली बात यह है कि अगर हैदराबाद की साइबराबाद पुलिस की मानें तो इस व्यक्ति के पास 66.9 करोड़ व्यक्तियों, निजी संस्थाओं और संगठनों का डाटा मौजूद था, जिसे इसने अलग-अलग कैटेगिरीज में सुरक्षित रखा हुआ था। यह व्यक्ति विभिन्न राज्यों के सड़क परिवहन संगठनों, ईको कॉमर्स पोर्टल, सोशल मीडिया प्लेटकॉर्म और फिनटेक कंपनियों के उपभोक्ताओं का डाटा रखता था। इस व्यक्ति को तब गिरफ्तार किया, जब यह किसी को डाटा बेच रहा था। साइबराबाद पुलिस ने इसके पास से दो विशेष मोबाइल और दो लैपटॉप बरामद किए हैं, जिनमें करोड़ों लोगों का डाटा और उसके साथ की जाने वाली या की गई छेड़खानी और खरीद-फरोख्त की कोशिशें दर्ज हैं।

देश को इतने बड़े पैमाने पर डाटा चोरी होने की सनसनीखेज जानकारी गुजरे महीने तब लगी थी, जब साइबराबाद के मेट्रोपोलिटिन पुलिस कमिश्नर एम. स्टीफेन रवींद्र ने इसका खुलासा किया था। लेकिन तब यह खुलासा महज 16.8 करोड़ इंटरनेट यूजर्स की निजी जानकारियों के चुराए जाने का था। अब यह बढ़कर करीब 67 करोड़ पहुंच गया है, तो अंदाजा लगाया जा सकता है कि कितने बड़े पैमाने पर यह सब हो रहा था। 25 मार्च 2023 को साइबराबाद पुलिस ने दिल्ली से सटे नोएडा से साइबर अपराधियों के एक गैंग के 7 लोगों को गिरफ्तार किया था। लेकिन तब इस पूरे चक्रव्यूह का मास्टरमाइंड पकड़ में नहीं आया था, ना ही उस समय चोरी किए गए डाटा के ठोस सबूत मिले थे। 31 मार्च 2023 को दोनों ही चीजें बरामद हो गईं।

लगातार बढ़ रहे ऑनलाइन फ्रॉड

हैदराबाद में हुआ डाटा चोरी का सनसनीखेज खुलासा, इसलिए भी डराता है, क्योंकि आंकड़ों से पता चलता है कि हर गुजरते दिन और साल के साथ किस तरह ऑनलाइन फ्रॉड बढ़ते ही जा रहे हैं। 13 मार्च 2023 को लोकसभा में बताया गया कि वित्त वर्ष 2022 में 65,045 ऑनलाइन धोखाधड़ी के मामले दर्ज हुए, जिसके कारण 226.4 करोड़ की धनराशि चोरी की गई। 2021 में धोखाधड़ी के ऐसे ही मामलों की संख्या 70,665 थी, जिसके चलते अपराधियों द्वारा 226.6 करोड़ रुपए की धनराशि लूट ली गई थी।

महाराष्ट्र में हुए सर्वाधिक फ्रॉड

अगर बीते दो सालों के मामलों की विस्तृत समीक्षा करें तो यह जानकर हैरानी होगी कि करीब 80 फीसदी ऑनलाइन धोखाधड़ी के मामले महज 5 राज्यों में हुए, उनमें महाराष्ट्र सबसे ऊपर रहा। इससे यह भी साबित होता है कि भले महाराष्ट्र देश का एक विकसित राज्य हो, लेकिन ऑनलाइन लेन-देन के मामले में यह बहुत अवेयर नहीं है। महाराष्ट्र में साल 2022 में ऑनलाइन धोखाधड़ी की 26,085 घटनाएं घटीं। ये कुल ऑनलाइन फ्रॉड का 40 फीसदी थीं। दूसरे नंबर पर दिल्ली रही, जहां ऑनलाइन धोखाधड़ी के 8,075 मामले दर्ज हुए। अगर यह देखें कि किन बैंकों में सबसे ज्यादा इस तरह की लूट हुई तो हम पाएंगे कि सरकारी बैंकों के मुकाबले प्राइवेट बैंक के कस्टमर्स के साथ ऐसी घटनाएं ज्यादा हुईं। इससे साफ है कि सरकारी बैंक, प्राइवेट बैंकों के मुकाबले किसी हद तक सुरक्षित हैं।

सैकड़ों करोड़ की हुई धोखाधड़ी

एक आरटीआई के जवाब में रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने खुलासा किया है कि जनवरी 2014 से दिसंबर 2022 तक डेबिट कार्ड से कुल 1,40,736 धोखाधड़ी के मामले दर्ज हुए, जिसमें 507.12 करोड़ रुपए की धनराशि चुरा ली गई। जबकि इसी अवधि में क्रेडिट कार्ड से धोखाधड़ी के 1,37,237 मामले हुए, जिनसे 514.90 करोड़ रुपए की धनराशि अपराधियों द्वारा चुरा ली गई। इंटरनेट बैंकिंग से होने वाले फ्रॉड के इसी दौरान 61,561 मामले घटित हुए, जिनसे 354.78 करोड़ रुपए की चपत लगी।

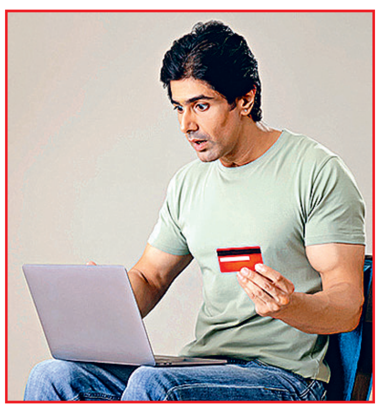

सुरक्षित नहीं ऑनलाइन लेन-देन

ये आंकड़े बताते हैं कि भारत में जितनी तेजी से ऑनलाइन लेन-देन बढ़ रहा है, उतनी ही तेजी से ऑनलाइन लेन-देन में खतरे बढ़ रहे हैं। साल 2014-15 में क्रेडिट कार्ड से धोखाधड़ी के कुल 119 मामले दर्ज हुए थे। जिनके जरिए 3.41 करोड़ रुपए की चपत लगी थी। लेकिन 2019-20 में ऐसे ही धोखाधड़ी के मामले बढ़कर 26,580 हो गए। धोखाधड़ी के तूफानी रफ्तार से ये बढ़ते मामले गवाह हैं कि हमारी रोजमर्रा की जिंदगी में तकनीकी का इस्तेमाल तो बढ़ रहा है, लेकिन लोगों की लापरवाही या कहें सजगता में कमी से यह माध्यम अभी पूरी तरह सुरक्षित नहीं बन सका है।

सजगता के साथ सख्त कानून जरूरी

आज की लाइफस्टाइल इस तरह की हो गई है कि हम मोबाइल, इंटरनेट या दूसरे सूचना तकनीक संबंधी सुविधाओं से दूर रहकर रोजमर्रा की सामान्य जिंदगी नहीं जी सकते। ऐसे में जब इस तरह की स्थितियां हों तो यह ना सिर्फ हमारी व्यक्तिगत जिम्मेदारी बन जाती है कि हम इसके इस्तेमाल के प्रति अतिरिक्त रूप से सजग रहें बल्कि इससे संबंधित तमाम निकायों और सरकार की भी यह जिम्मेदारी हो जाती है कि इस आधुनिक जीवन व्यवस्था को हर हालत में सुचारु रूप से चलने देने के लिए सुरक्षित व्यवस्था बनाए। साथ ही अपराधियों पर लगातार ना सिर्फ नजर रखी जाए बल्कि उन्हें कड़ी से कड़ी सजा दी जाए, जिससे अन्य अपराधी ऐसी कोशिश ना करें। निश्चित रूप से इसके लिए पुलिस की साइबर सेल को भी अधिक चौकन्ना रहना होगा। तभी इस आधुनिक सुविधाजनक जीवनशैली का हम सब भयमुक्त होकर उपयोग कर सकेंगे। *

क्या आपका स्मार्टफोन होता है ऑटोऑन/ऑफ

स्मार्टफोन निश्चित ही बहुत स्मार्टली हमारे ढेरों काम को पूरा कर देता है। लेकिन इसको अगर स्मार्टली हैंडल ना करें तो इसमें कुछ प्रॉब्लम्स हो सकती हैं। ऑटोऑन या ऑटोऑफ होने की ऐसी ही प्रॉब्लम और उसके सॉल्यूशन के बारे में जानिए।

टेक्नोएडवाइस / विवेक कुमार

कई बार जब हम अपने स्मार्ट मोबाइल फोन की स्क्रीन में अपना कोई पसंदीदा वीडियो देख रहे होते हैं, तभी अचानक हमारा मोबाइल बंद हो जाता है। इसी तरह कई बार ऐसा भी होता है कि हम किसी को फोन मिलाने के लिए कॉन्टेक्ट लिस्ट में खोजने की कोशिश कर रहे होते हैं, तभी अचानक कोई गाना बजने लगता है या कोई वीडियो अपने आप चल पड़ता है। यह सब देख सुनकर हम हैरान रह जाते हैं कि इसे हमने तो चलाया नहीं फिर ये कैसे चल पड़ा? तकनीक की भाषा में इसे 'घोस्ट टच' कहते हैं। लेकिन यह तो बस एक शाब्दिक मुहावरा है। इसका वास्तव में किसी भूत-प्रेत से रिश्ता नहीं होता, कुछ तकनीकी खराबियां होती हैं, जिनके कारण ऐसा होता है।

चेक करें मोबाइल चार्जर : मोबाइल अचानक ऑन/ऑफ होने की एक वजह यह हो सकती है कि आपका मोबाइल जिस कंपनी का है, चार्जर उस कंपनी का ना हो। कई मोबाइल फोन दूसरी कंपनी के चार्जर से चार्ज तो हो जाते हैं, लेकिन कई बार ऐसा करने से वे खराब भी हो जाते हैं। इसका कारण मोबाइल में लगी डाटा केबल और एडॉप्टर के बीच डिसबैलेंस का होना होता है। इसलिए ऐसी प्रॉब्लम से बचने के लिए कोशिश करें कि अपने मोबाइल को हमेशा उसकी कंपनी के चार्जर से ही चार्ज करें। कई बार हमारा स्मार्टफोन इसलिए अपने आप ऑन हो जाता है, क्योंकि उसकी स्क्रीन पर काफी ज्यादा गंदगी या धूल जम गई होती है, इससे भी मोबाइल का टच ठीक से काम करना बंद कर देता है। इसलिए वो कभी-कभार तो खुद ही ऑन हो जाता है और कभी-कभी ऑन करने से भी नहीं चलता या चलते-चलते बंद हो जाता है। बेहतर परफॉर्मेंस के लिए हफ्ते में एक बार मोबाइल स्क्रीन को साफ जरूर करें, लेकिन जिस समय मोबाइल स्क्रीन साफ करें, उस दौरान फोन ऑफ रखें।

स्क्रीन गार्ड पर रखें नजर : अपने स्मार्टफोन की स्क्रीन को सुरक्षित रखने के लिए हम स्क्रीन गार्ड या टेंपर्ड ग्लास लगवाते हैं। लेकिन कई बार मोबाइल की स्क्रीन पर टेंपर्ड ग्लास लगाते समय उसकी स्क्रीन पर धूल वगैरह जमी रह जाती है, जो कुछ दिनों के बाद मोबाइल के टच सेंसर्स को डिस्टर्ब कर देती है। अगर आपको टेंपर्ड ग्लास के भीतर कोई पानी बुलबुले जैसा या धब्बा दिखे या फिर कोई चित्रनुमा चीज दिखे तो इसका मतलब उसके अंदर कहीं धूल जमी है। ऐसे में सावधानी से टेंपर्ड ग्लास को निकालें और अच्छे से अपने मोबाइल स्क्रीन की सफाई करें और फिर जरूरी है तो नया टेंपर्ड ग्लास लगवा लें। इसे लगाने वाले दुकानदार से कह दें कि धूल और वेपर बबल को साफ कर ही टेंपर्ड ग्लास लगाए।

यूजलेस एप्स को डिलीट करें : कई बार जब हम कोई एप डाउनलोड करते हैं तो उस दौरान कुछ एप्स हमारे बिना डाउनलोड किए ही चुपचाप डाउनलोड हो जाते हैं या किसी मेल या मैसेज के साथ वो हमारे फोन में घुस आते हैं। ये हिडेन एप्स बहुत खतरनाक होते हैं, जो कुछ विज्ञापनों के लिए होते हैं तो कई बार ये जासूसी के लिए भी होते हैं। अगर आप सोचते हैं कि आप इतने महत्वपूर्ण व्यक्ति नहीं हैं कि कोई आपकी जासूसी करेगा, तो आप गफलत में हैं। आजकल कई साइबर क्रिमिनल्स, व्यवस्थित तरीके से फ्रॉड कर रहे हैं। वे किसी के भी फोन के डाटा को हासिल करने की कोशिश करते रहते हैं। इसके लिए वे हर वो ट्रिक आजमाते हैं, जो उनके लिए जरूरी होता है। इसलिए अगर बार-बार फोन अपने आप ही ऑन या ऑफ हो जाता है तो उसकी सेटिंग में जाकर डिवाइस मेंटेनेंस के ऑप्शन को चूज करें और अपने मोबाइल से गैर-जरूरी एप्स को डिलीट करें।

चेक करें मेमोरी : कई बार हम मोबाइल में दिन भर जो भी मैसेज, फोटोज और वीडियोज आते रहते हैं, उस पर ध्यान नहीं देते हैं। हजारों व्हाट्सएप मैसेज और फोन कॉल्स हमारे मोबाइल में सेव होते रहते हैं, इससे हमारे मोबाइल की मेमोरी फुल हो जाती है। अगर मोबाइल की मेमोरी फुल हो गई है तो उसे खाली करें। आप पूछेंगे, कैसे पता चले कि मेमोरी फुल है, तो इसके लिए मोबाइल की गैलरी में जाइए और वहां मौजूद अनावश्यक एप्स, फोटो और वीडियोज को डिलीट कर दीजिए। क्योंकि इसके कारण भी कई बार स्मार्टफोन अपने आप ऑन होने लगता है। कहने का मतलब है कि स्मार्टफोन चलाने के लिए आपको उसे स्मार्टली हैंडल करना भी आना चाहिए। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

दिलचस्प पुलिसनामा

लंबे समय से बतौर पत्रकार जैगम मुर्तजा क्राइम और पॉलिटिकल बीट से जुड़े रहे हैं। इस दौरान उन्होंने पुलिस तंत्र और पुलिसकर्मियों की कार्यशैली को करीब से देखा है। अपने अनुभवों पर आधारित कुछ दिलचस्प सच्ची घटनाओं को उन्होंने अपनी पहली किताब 'पुलिसनामा' में दर्ज किया है। ये घटनाएं जहां एक ओर पुलिसतंत्र की खामियों की ओर इशारा करती हैं तो साथ ही इस बात की भी तस्दीक करती हैं कि पुलिस वाले भी इसी समाज के हम-आप जैसे ही इंसान होते हैं। जैगम ने बहुत ही खिलंदड़ी भाषा और कटाक्षपूर्ण शैली में इन घटनाओं का जिक्र किया है, जो पाठक को बांधे रखती है। *

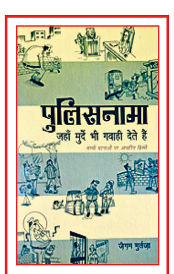

पुस्तकः पुलिसनामा, लेखकः जैगम मुर्तजा, संपादनः अशोक कुमार पांडे
मूल्यः 250 रुपए, प्रकाशकः राजपाल प्रकाशन, दिल्ली

लघुकथा / मीरा जैन

सम्मान की वजह

निर्णायक मंडल ने जैसे ही वृद्धाश्रमों के सर्वश्रेष्ठ संचालक के रूप में सम्मान हेतु गौतम के नाम की घोषणा की, वहां उपस्थित अन्य संचालक खुसुर-फुसुर करने लगे। एक ने कहा,'गौतम के नाम की घोषणा! यह कैसे संभव है? मेरा वृद्धाश्रम तो एकदम साफ-सुथरा, सर्व सुविधासंपन्न है। इतना ही नहीं, जब से मैंने इस आश्रम का कार्यभार संभाला है, इसकी व्यवस्था में निरंतर सुधार हुआ है। यही कारण है कि आज मेरे आश्रम में बुजुर्गों की संख्या दस से बढ़कर पचास हो गई है। और इस गौतम को देख लो, इसके आश्रम की व्यवस्था कैसी है, यह तो मुझे मालूम नहीं, क्योंकि मैं वहां कभी गया नहीं, किंतु आंकड़े बताते हैं कि जब से गौतम ने कार्यभार संभाला है, वहां पर बुजुर्गों की संख्या पचास से घटकर मात्र बीस ही रह गई है। कुछ तो परेशानी होगी, तभी तो बुजुर्गों की संख्या निरंतर कम हो रही है। निश्चित ही या तो चमचागिरी है या फिर निर्णायकों की गौतम ने जेब गर्म की है।' तभी गौतम ट्रॉफी लेने मंच पर पहुंचे। निर्णायक मंडल के अध्यक्ष उनकी भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए बोले, 'हमने आप सभी की संस्थाओं का निरीक्षण किया। हर जगह व्यवस्था चाक-चौबंद थी किंतु गौतम जी के नाम का सम्मान हेतु चयन इसलिए किया गया है, क्योंकि वर्तमान में उनकी संस्था में केवल निःसंतान बुजुर्ग ही निवास कर रहे हैं, शेष को उन्होंने अपने अथक प्रयासों से उन्हीं की संतानों के साथ निवास हेतु पुनः गृह वापसी करवाने में अभूतपूर्व सफलता अर्जित की है। यह अपने आपमें बहुत बड़ा और अद्भुत काम है।' *

बचपन में मोटिवेशनल गुरुओं ने न जाने कितनी बार पढ़ाई शुरू कर उज्ज्वल भविष्य बनाने की प्रेरणा दी। मैंने पढ़ाई शुरू भी की। पर सारथी मन, न जाने कहां से बारह-चौदह घंटे पढ़ने वाले होनहार स्टूडेंट ढूंढ़ लाता, जिनका घनघोर मेहनत के बाद भी कुछ हो नहीं पाया।

व्यंग्य / शरद उपाध्याय

आओ थोड़ी-सी प्रेरणा लें

प्रेरणा, सदैव मनुष्य को आगे बढ़ने का रास्ता दिखाती है। मैं भी अकसर प्रेरणाओं के दिखाए रास्ते पर चलता रहा हूं। मुझे जब भी, जहां से प्रेरणा मिली। मैं झट से लपक लेता हूं।

कल पकौड़ियों की अनगिनत सर्विंग के बाद हाथ स्वाभाविक रूप से पेट पर चला गया। यह क्या... पेट पर तो पर्वतनुमा संरचना उर्फ तोंद नजर आने लगी थी। क्या यह मेरी ही तोंद है? मन में ग्लानि उत्पन्न हुई। ग्लानि के बाद, मैं सुबह-सुबह भ्रमण के लिए निकल पड़ा। राजमार्ग पर नाना प्रकार की भ्रमणीय प्रेरणाएं बिखरी हुई थीं। अचानक भ्रमण करते हुए पड़ौसी गुप्ताजी दिख गए। यह एक दुर्लभ उदाहरण था नियमित भ्रमण का। भ्रमण, योग, संपूर्ण प्रेरणायुक्त व्यक्तित्व। उनका सब कुछ सकारात्मक था। लेकिन शरीर ज्यों का त्यों। उनका गोलीय पेट मेरे पेट से दुगना नजर आ रहा था।

मेरा बुद्धीय मस्तिष्क, अचानक सारथी मन से पूछ बैठा। क्या यह पेट इतना घूमने के बाद भी यथावत रहता है? क्यों इनका वजन कम नहीं हुआ? क्या सभी मनुष्य एक दिन ऐसे तोंदीय आकार के हो जाते हैं। सारथी मन ने प्रेरणा को ठुकराते हुए कहा कि यह इच्छाएं ही तो दुख का कारण हैं। जब इतना घूमने के बाद गुप्ताजी का वजन कम नहीं हुआ, तो तुम्हारा कैसे हो सकता है और फिर तुम तो इतना प्रयास भी नहीं कर सकते। मैं घबरा गया। तो फिर... फिर क्या, घूमना व्यर्थ मानकर मैं वापस घर लौट आया।

प्रेरणाएं सदैव मनुष्य को आगे धकेलती हैं पर सारथी मन अकसर सच्चाई से रूबरू करा देता है। बचपन में मोटिवेशनल गुरुओं ने न जाने कितनी बार पढ़ाई शुरू कर उज्ज्वल भविष्य बनाने की प्रेरणा दी। मैंने पढ़ाई शुरू भी की। पर सारथी मन, न जाने कहां से बारह-चौदह घंटे पढ़ने वाले होनहार स्टूडेंट ढूंढ़ लाता, जिनका घनघोर मेहनत के बाद भी कुछ हो नहीं पाया। अब यहां सारथी मन ज्ञान दे बैठता कि जब इन्हीं का कुछ नहीं हुआ, तो तुम्हारा क्या होगा?

अब कुछ समझ में ही नहीं आ रहा। प्रेरणाएं कितनी हैं। दिन-रात मेरे पीछे पड़ी रहती हैं। पिताजी शुगरमय है। सफेद शक्कर को जहर मानते हैं। मुंह पर हमेशा आयुर्वेद की जड़ी-बूटियां झरती रहती हैं। एक सौ पचास शुगर होते ही वे शक्कर से दूर होने का कार्यक्रम शुरू कर देते हैं, पर उनका सारथी मन, फिर न जाने कहां से साथी बुजुर्गों को ढूंढ़ लाता है, जो दो सौ शुगर पर बेफिक्री से मीठे पकवानों का स्वाद ले रहे हैं। अब पिताजी क्या करें? मजबूरी में साथियों का व्यावहारिक ज्ञान से ही काम चलाते हैं।

प्रेरणाएं हमेशा मनुष्य का मार्गदर्शन करती हैं। बार-बार बताती है, भाई, अपने जीवन में कुछ कर। कुछ बदल। ऐसा नहीं कि वो कुछ नहीं करता। वो बेचारा करता भी है। न जाने कितने टाइम-टेबल बनाता, जाने कितनी कसमें खाता है। उसे लगता है बस, अगले ही पल जीवन बदलने ही वाला है। न जाने कितने नैतिक और आध्यात्मिक आंदोलन घटने ही वाले होते हैं। करियर का ग्राफ आसमान को छूने ही वाला होता है। महाकाव्यों का सृजन होने ही वाला होता है। ज्ञानपीठ से लेकर नोबेल पुरस्कार झोली में गिरने ही वाले होते हैं। दुनिया बदलने ही वाली होती है कि अचानक सारथी मन कहीं से एक ऐसा असफल उदाहरण ढूंढ़कर मन की भूमि पर पटक देता है कि देख इसने इतना किया, क्या हुआ? बस, मन दार्शनिक हो जाता है। लगता है सब व्यर्थ है। खाली हाथ ही जाना है, तो फिर बदलकर क्या करेंगे? फिर... फिर क्या, अगली प्रेरणा मिलने तक आंखें बंद कर सो जाता हूं। *

विपक्षी एकता : अभी नहीं तो कभी नहीं

तनवीर जाफरी

देश में एक बार फिर चुनावी महासमर का माहौल बन रहा है। दक्षिण भारत के राज्य कर्नाटक में चुनाव की तारीख दस मई घोषित की जा चुकी है। इसके अतिरिक्त 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव से पूर्व 2023 में ही 9 अन्य राज्यों में भी विधानसभा चुनाव कराये जाने हैं। इनमें मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ , राजस्थान, तेलंगाना, त्रिपुरा, मेघालय, नगालैंड तथा मिजोरम राज्य शामिल हैं। इनके अलावा जम्मू-कश्मीर में भी लोकसभा चुनाव से पूर्व विधानसभा चुनाव हो सकते हैं। वैसे तो 13 मई को आने वाले कर्नाटक के चुनाव नतीजों को ही 2024 के लोकसभा चुनाव के लिये महत्वपूर्ण रुझान के तौर पर देखा जा रहा है परन्तु कर्नाटक के बाद होने वाले मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान व तेलंगाना जैसे अपेक्षाकृत बड़े राज्यों के चुनाव नतीजे भी 2024 के लोकसभा चुनाव की इबारत लिखने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभायेंगे। हालांकि अतिउत्साही भारतीय जनता पार्टी ने तो गत वर्ष गुजरात विधानसभा चुनाव में मिली अपनी शानदार जीत को ही लोकसभा 2024 का चुनावी रुझान बताना शुरू कर दिया था। परन्तु निश्चित रूप से 2024 लोकसभा चुनाव से पूर्व उपरोक्त दस राज्यों में होने वाला चुनावी संग्राम यह जरूर तय करेगा कि देश की राजनीति की दिशा व दशा आखिर क्या होने वाली है।

जहां तक सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी का प्रश्न है तो पार्टी ने अभी से लोकसभा चुनाव 2024 के मद्देनजर अपने तैय्यारियाँ युद्धस्तर पर शुरू कर दी हैं। भाजपा में स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा से लेकर अनेक राज्यपाल, केंद्रीय मंत्री, मुख्य मंत्री, पार्टी के राज्य स्तरीय अनेकानेक नेता अपने अपने कार्यों को छोड़ लेखक के रूप में मैदान में कूद चुके हैं और अपनी सरकार व पार्टी की कारगुजारियों का बखान करना शुरू कर चुके हैं। जहां जहां 'रेवड़ी' बांटने की जरुरत है वहां रेवड़ियां बांटी जा रही हैं। जहाँ जहां साम्प्रदायिक ध्रुवीकरण की जरुरत है वहां इस 'शस्त्र' की आजमाइश भी की जा रही है। जहाँ विपक्ष को कमजोर करना है वहां भय अथवा लालच के बल पर यह काम भी किया जा रहा है। अनेक विपक्षी दल ई डी, इंकम टैक्स व सी बी आई जैसी संस्थाओं पर सत्ता के इशारे पर विपक्षी दलों को पक्षपात पूर्ण तरीके से परेशान करने का आरोप पहले ही लगा रहे हैं। देश के सबसे प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस के लिये तो भाजपा नेता पहले ही 'कांग्रेस मुक्त भारत' का नारा देकर विपक्षहीन लोकतंत्र बनाने की अपनी मंशा साफ कर चुकी है। मीडिया पर सत्ता का नियंत्रण दुनिया देख ही रही है। अपने किसी भी विरोधी या आलोचक के लिये सत्ता ने राष्ट्र विरोधी, टुकड़े टुकड़े गैंग, पाक परस्त, हिन्दू विरोधी, देश विरोधी जैसी शब्दावलियाँ प्रचारित कर रखी हैं। सत्ता की इन्हीं कोशिशों के विरुद्ध तथा इनकी कमियों को उजागर करते हुये कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने जब अपने विदेशी दौरे के दौरान सवाल खड़ा किया तो बहुमत की सत्ता ने राहुल गाँधी से मुआफी मांगने की मांग को लेकर संसद नहीं चलने दी। और आखिरकार एक दूसरे मामले में सूरत से आये एक अदालती फैसले के बाद आनन फानन में राहुल की लोकसभा सदस्यता भी बड़ी ही तत्परता से समाप्त कर दी गयी। राहुल की लोक सभा सदस्यता समाप्त होने के बाद देश के अधिकांश विपक्षी दलों के नेताओं की शायद 'कुंभकर्णी नींद' खुल चुकी है। और वे यह सोचने को मजबूर हुये हैं कि जब देश के सबसे प्राचीन और सबसे लंबे समय तक देश पर राज करने वाले राजनैतिक दल के नेता राहुल गाँधी का यह हश्र हो सकता है तो क्षेत्रीय दलों के नेताओं की गिनती ही क्या है। वैसे भी अपने रास्ते के किसी भी 'रोड़े' को हटाना वर्तमान सत्ताधीशों की कार्यशैली का एक अहम हिस्सा है। फिर चाहे वे 'रोड़े' अपनी ही पार्टी के क्यों न हों। ऐसी अनेक मिसालें भी सामने हैं।

सवाल यह है कि इन विकटतम व अभूतपूर्व राजनैतिक परिस्थितियों में विपक्षी दल न केवल 2024 के लोकसभा चुनाव में बल्कि इसके पूर्व होने वाले सभी दस राज्यों के विधानसभा चुनाव में भी ठीक उसी तरह एक हो सकता है जैसा कि 1977 में कांग्रेस के विरुद्ध एक हुआ था? जो क्षेत्रीय नेता जिन्हें कांग्रेस के साथ जाने से सिर्फ इसलिये भय लगता है कि यदि कांग्रेस से हाथ मिलाया तो उनकी मुख्यमंत्री की कुर्सी खतरे में पड़ जायेगी, क्या वे अभी भी इस गलतफहमी का शिकार हैं कि विभाजित विपक्ष भाजपा जैसे मजबूत, सत्तारूढ़ व साम दाम दंड भेद का इस्तेमाल करने वाले दल को पराजित कर सकता है? कुछ राजनैतिक समीक्षक तो अभी से यहाँ तक लिखने लगे हैं कि यदि यथा शीघ्र ही देश के सभी विपक्षी दलों ने देश की जनता को संयुक्त विपक्ष होने का सन्देश नहीं दिया तो इस बात की काफी संभावना है कि 2024 का लोकसभा चुनाव अखिलेश यादव, मायावती, ममता बनर्जी, नितीश कुमार और अरविन्द केजरीवाल जैसे नेताओं की पार्टी के लिये लगभग अंतिम लोकसभा चुनाव साबित हों।

स्काउट्स एवं गाइड्स को विधायक ने प्रदाय किया आर्थिक सहायता राशि

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

मनेन्द्रगढ़/चिरमिरी (एमसीबी)। भारत स्काउट्स एवम गाइड्स द्वारा आयोजित इंटरनेशनल कल्चरल जम्बूरी कर्नाटक एवं 18 वी राष्ट्रीय जम्बूरी राजस्थान का आयोजन दिसंबर जनवरी-2023 में किया गया था। जिसमे शासकीय हाई स्कूल दुबछोला के 4 गाइड्स एवं 02 स्काउट्स का चयन किया गया था। जम्बूरी शिविर में सम्मिलित होने के लिए निर्धारित शुल्क 07 से 08 हजार में जिला का 50 प्रतिशत, विद्यालय स्काउट गाइड निधि का 30 प्रतिशत एवं 20 प्रतिशत स्काउट्स गाइड्स द्वारा स्वयं वहन करना था, किंतु स्काउट्स एवं

गाइड्स आर्थिक रूप से कमजोर होने के कारण मनेंद्रगढ़ विधायक डॉ. विनय जायसवाल से आर्थिक मदद की मांग किये थे जिसे प्रमुखता से ध्यान में रखते हुए विधायक ने उन्होंने आश्वासन दिया था। इसी तारतम्य में सोमवार को नगर पालिक निगम चिरमिरी की महापौर कंचन जायसवाल ने विधायक जनसंपर्क निधि से सभी स्काउट्स एवं गाइड्स को 3-3 हजार का चेक प्रदान किया गया। इस दौरान शैलेन्द्र मिश्रा सहायक राज्य प्रशिक्षण आयुक्त स्काउट, शान्तनु कुर्रे जिला प्रशिक्षण आयुक्त स्काउट कोरिया तथा पालकगण उपस्थित रहे। इस सहायता के लिए सभी स्काउट्स एवम गाइड्स उनके पालकगण, स्काउट गाइड परिवार कोरिया तथा विद्यालय परिवार माननीय डॉ विनय जायसवाल तथा महापौर कंचन जायसवाल का बहुत बहुत आभार व्यक्त किये है तथा भविष्य में भी उनसे अपने विधानसभा क्षेत्र के दूरस्थ ग्रामीण अंचलों के बच्चों को इस प्रकार से सहयोग की आशा किये है। सहायता प्राप्त गाइड्स कु. हंसनी सोनवानी पिता रामप्रसाद सोनवानी, ज्योति वर्षा सिंह पिता शिव कुमार सिंह, सुरेखा यादव पिता नंदलाल यादव, कृतिका ठाकुर पिता स्व. प्रदीप ठाकुर तथा स्काउट्स में सांतनु पिता सुखराम, अरमान एक्का पिता प्रदीप एक्का ने की है।

चिरमिरी में हो रहे विकास कार्यों को देख सैकड़ो युवाओं ने थामा कांग्रेस का दामन

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

मनेंद्रगढ़/ चिरमिरी (एमसीबी)। कांग्रेस की भूपेश सरकार व मनेंद्रगढ़ विधायक डॉक्टर विनय जायसवाल की विकास रूपी कार्यशैली से प्रभावित होकर चिरमिरी क्षेत्र के सैकड़ों युवाओं ने कांग्रेस की रीति नीति के तहत चलने का संकल्प लेकर कांग्रेस का दामन थामा है। मिली जानकारी अनुसार बीते रविवार को नगर पालिक निगम चिरमिरी के वार्ड क्रमांक 39 की पार्षद श्रीमती गायत्री बिरहा के द्वारा अपने वार्ड में जनदर्शन का आयोजन किया गया था जहां पर मनेंद्रगढ़ विधायक डॉ. विनय जायसवाल भी मौजूद रहे। चल रहे जनदर्शन में स्थानीय विधायक वार्ड वासियों की समस्या सुन कर उनका निराकरण कर रहे थे। तभी डोमनहिल के लगभग 50 युवाओ ने वरिष्ठ नेता रवि बिरहा के नेतृत्व में मनेंद्रगढ़ विधायक के समक्ष उपस्थित होकर शहर में उनके द्वारा हो रहे विकास कार्यो की सराहना करते हुए कहा कि हमारी उम्र जब 5 वर्ष की रही होगी या उससे कुछ ऊपर रही होगी तब हमने इन सड़को को देखा था कि वे ठीक थी जो अब लगभग 20 वर्षो बाद चमचमा रही है। हमारी माँ हमारी प्यास बुझाने के लिए रातों को जाग जाग कर पानी भर्ती थी जो समस्या अब लगभग पूरी तरह समाप्त हो गई ऐसे कई कार्य है जो आज तक इस शहर से अछूते थे जो अब हमारी नजरो से दिख रहे है। विधायक डॉ विनय जायसवाल ने सभी युवाओं को कांग्रेस प्रवेश कराकर उनके उज्जवल भविष्य की कामना कर शुभकामनाएं दी हैं।

इन युवाओ ने थामा कांग्रेस का दामन

राजेश ठाकुर, किशन ठाकुर, विनोद सिंह, नीरज गुप्ता, निजामुद्दीन उर्फ गुड्डू, धर्मेन्द्र सिंह, अमरेंद्र ठाकुर, लेख राज, सागर शर्मा, हेमकुशल उर्फ पहलवान, विजय कुमार, सोनू कुमार, साबिर अली, राज कुमार, विन्नी बारीक, लवकुश, सोनू पासवान, मुरादिश अहमद उर्फ छोटू भाई, संतोष कुमार सिंह, राजेन्द्र कुमार, भोले भाई, टिंकू भाई, श्री मीनी पनामा, विजय महिमा, राजू सिंह सहित कई युवाओ ने कांग्रेस की रीति नीति के तहत चलने का संकल्प लेकर कांग्रेस का दामन थामा है।

धरना स्थल से कलेक्ट्रेट तक आज 11 अप्रैल को हड़ताली पंचायत सचिव निकालेंगे बाइक रैली

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

मनेंद्रगढ़ (एमसीबी)। एमसीबी जिला मुख्यालय मनेंद्रगढ़ के तहसील कार्यालय के बगल में विगत 16 मार्च से अपनी 1 सूत्रीय शासकीयकरण की मांग को लेकर अनिश्चितकालीन हड़ताल पर बैठे पंचायत सचिव आज 11 अप्रैल 2023 को धरना स्थल से कलेक्ट्रेट तक बाइक रैली निकालकर मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सौंपेंगे। उक्त आशय की जानकारी देते हुए एमसीबी जिला पंचायत सचिव संघ के अध्यक्ष धनेश्वर राय ने बताया कि विगत 16 मार्च से अपनी 1 सूत्रीय शासकीयकरण की मांग को लेकर पूरे प्रदेश सहित एमसीबी जिले के सभी पंचायतों के पंचायत सचिव

अनिश्चितकालीन हड़ताल पर हैं लेकिन शासन प्रशासन के द्वारा कोई सुध नहीं लिया जा रहा है। कांग्रेस सरकार के द्वारा पंचायत सचिवों को शासकीयकरण करने की घोषणा की गई थी लेकिन आज तक पंचायत सचिवों को शासकीय कर्मचारी घोषित नहीं किया गया है जबकि कई बार इस संबंध में शासन का ध्यान आकर्षित कराया गया है। पंचायत सचिवों को उम्मीद थी कि वर्तमान बजट में पंचायत सचिवों को शासकीयकरण करने का प्रावधान रखा जाएगा लेकिन पंचायत सचिवों को वर्तमान बजट से भी निराशा हाथ लगी है जिसके कारण मजबूर होकर पंचायत सचिवों ने अपनी 1 सूत्रीय मांग शासकीयकरण को लेकर अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन करने को मजबूर हुए हैं।

कलेक्टर इलेवन ने विधायक इलेवन को हराया, कलेक्टर बने मैन आफ द मैच

विधायक/महापौर कप रात्रिकालीन क्रिकेट प्रतियोगिता का हुआ शुभारंभ

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

मनेंद्रगढ़ /चिरमिरी (एमसीबी)। खेल की प्रतिभाओं का बढ़ाने के उद्देश्य से नगर पालिक निगम चिरमिरी क्षेत्र के हल्दीबाड़ी हिरागिर मैदान शनिवार को विधायक, महापौर रात्रिकालीन क्रिकेट प्रतियोगिता वर्ष-2023 में कोतमा विधानसभा क्षेत्र के विधायक सुनील सराफ, मनेन्द्रगढ़ विधायक डॉक्टर विनय जायसवाल, चिरमिरी नगर निगम की महापौर कंचन जायसवाल, एम.सी.बी. जिले के कलेक्टर

पी.एस. ध्रुव, चिरमिरी निगम आयुक्त विजेंद्र सिंह एवं मंच पर विराजमान चिरमिरी मनेंद्रगढ़ के जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति में महात्मा गांधी के छात्राचित पर दीप प्रज्वलित व छत्तीसगढ़ का राजगीत के साथ भव्य शुभारंभ किया गया। जिसमें पहला सद्भावना मैच विधायक इलेवन और कलेक्टर इलेवन के मध्य खेला गया। कलेक्टर इलेवन ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 6 ओवर में 82 रन बनाया और जीत के लिए विधायक इलेवन को 83 रनों का लक्ष्य दिया। विधायक इलेवन 6 ओवर में 33 रन ही बना सका। इस प्रकार 46 रनों से कलेक्टर इलेवन ने जीते दर्ज की। वही कलेक्टर एमसीबी मैन ऑफ द मैच भी रहे। इसी प्रकार दूसरा मैच वार्ड क्रमांक 31 एवं वार्ड क्रमांक 26 के मध्य खेला गया जिसमे टॉस जीतकर वार्ड क्रमांक 26 ने पहले गेंदबाजी करने का निर्णय लिया, वही पहले बल्लेबाजी करते हुए वार्ड क्रमांक 31 के खिलाड़ी ने 10 ओवर में 85 रन 8 विकेट के नुकसान पर बनाये तो वही वार्ड क्रमांक 26 ने 6 ओवर में 91 रन बनाकर 8 विकेट से जीत हासिल की, वही वार्ड क्रमांक 26 के खिलाड़ी बंटी दास को मेन ऑफ द मैच दिया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कोतमा विधायक सुनील सराफ ने कहा कि आने वाला कल युवाओं का कल है। उन्होंने क्षेत्रीय विधायक डॉक्टर विनय जायसवाल की जमकर सराहना की। उन्होंने आगे कहा कि खेल से मानसिक बौद्धिक एवं शारिरिक विकास होता है। यहां प्रतिभावों की कमी नही है बस उसे निखारने की आवश्यकता है। मनेंद्रगढ़ विधायक डॉक्टर विनय ने कहा कि लंबे समय से मेरी सोच थी कि अपने विधानसभा क्षेत्र मे बेहतर खेल का आयोजन करा सकू जो आज पूरी हुई। उन्होंने आये सभी अतिथियों खेल प्रेमियों एवं आयोजक मंडल को बधाई शुभकामनाएं दी।

संभाग में मनेंद्रगढ़ में बना खाटू श्याम बाबा का पांचवां भव्य मंदिर

पांच दिवसीय खाटू श्याम बाबा की छवि का प्राण प्रतिष्ठा समारोह 29 अप्रैल से

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

मनेन्द्रगढ़ (एमसीबी)। सरगुजा संभाग में हारे के सहारे खाटू श्याम बाबा का पांचवा भव्य मंदिर मनेंद्रगढ़ शहर में श्याम भक्तों के अथक प्रयास व सहयोग से बनाया गया है जिसमें राजस्थान खाटू धाम से श्याम बाबा की छवि लाकर प्राण प्रतिष्ठा किया जाएगा जिसका पांच दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा समारोह भव्य कलश यात्रा के साथ 29 अप्रैल 2023 से प्रारंभ होगा। नगर के बहुप्रतीक्षित निमार्णाधीन श्री श्याम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा समारोह का कार्यक्रम 29 अप्रैल से प्रारंभ होगा। आयोजन को लेकर श्री श्याम मित्र मंडल मनेंद्रगढ़ द्वारा श्याम मंदिर परिसर में एक प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। पत्रकार वार्ता में श्री श्याम मित्र मंडल के सदस्यों ने जानकारी देते हुए बताया कि 29 अप्रैल 2023 को भव्य कलश यात्रा के साथ पांच दिवसीय अनुष्ठान का शुभारंभ होगा। सर्वप्रथम 29 अप्रैल 2023 को प्रातः 8:00 से श्रीराम मंदिर प्रांगण से भव्य कलश यात्रा प्रारंभ होगी जो नगर के प्रमुख मार्गो से होते हुए श्री श्याम मंदिर पहुंचकर संपन्न होगी। इस दौरान श्री श्याम मंदिर परिसर में पूजा अर्चना व श्री सुंदरकांड पाठ का आयोजन होगा। आयोजन के अगले दिन 30 अप्रैल एवं 1 मई 2023 को श्री श्याम ज्योति पाठ एवं मंगल पाठ का आयोजन श्याम मंदिर परिसर में होगा। इसी कड़ी में 2 मई 2023 को पूजा अर्चना के बाद दोपहर 3 बजे से राजस्थान भवन से निशान यात्रा प्रारंभ होगी जिसका समापन श्री श्याम मंदिर परिसर में होगा। आयोजन के अंतिम दिन प्रमुख कार्यक्रम 3 मई 2023 को दोपहर 12:30 बजे से श्याम मंदिर परिसर में श्री खाटू श्याम बाबा जी, दादी राणी सती जी एवं सालासर बालाजी की प्रतिमाओं की प्राण प्रतिष्ठा संपन्न होगी उसके पश्चात दोपहर 2

बजे से भंडारे का आयोजन होगा तथा रात्रि 8 बजे से बाहर से आए कलाकारों द्वारा सुमधुर आवाज में भजन संध्या का आयोजन होगा। खाटू धाम राजस्थान से श्याम बाबा की छवि व जोत लाई जाएगी। श्री श्याम मित्र मंडल द्वारा प्राप्त जानकारी के अनुसार आगामी 19 अप्रैल 2023 को श्री श्याम बाबा जी की छवि - जोत लाने के लिए प्रातः 7 बजे श्री श्याम मंदिर परिसर मनेंद्रगढ़ से श्याम प्रेमी श्री खाटू धाम राजस्थान के लिए प्रस्थान करेंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 22 अप्रैल 2023 को श्री खाटू धाम में श्री श्याम बाबा जी के शीश का श्री श्याम कुंड में स्नान कराकर पूजन कार्यक्रम संपन्न कराने के पश्चात करीब दोपहर 2 बजे श्री श्याम बाबा की छवि - जोत लेकर मनेंद्रगढ़ के लिए रवानगी सुनिश्चित की गई है।

विभिन्न शहरों से होते हुए कटनी उमरिया, शहडोल, बुढार, कोतमा के रास्ते 24 (रात्रि) - 25 (प्रातः) अप्रैल 2023 को जोत - छवि का मनेंद्रगढ़ आगमन होगा। श्री श्याम मित्र मंडल के सदस्यों ने पत्रकार वार्ता के दौरान बताया कि मंदिर निर्माण के लिए उक्त भूमि स्व. गोविन्द राम सिंघल द्वारा दान दी गई थी। जिस भूमि पर 23 जनवरी 2008 को विधिवत भूमि पूजन कर मंदिर निर्माण की आधारशिला रखी गई थी और अब सभी के सहयोग से मंदिर भव्य रूप ले चुका है। मंदिर निर्माण में भूमि दान दाता स्वर्गीय गोविंद राम सिंघल के सुपुत्र पद्म सिंघल का सहयोग सहित सभी श्याम भक्तों का सहयोग प्राप्त हुआ है। मंदिर परिसर में कांच का काम दिल्ली के कलाकारों ने किया वही भव्य दरवाजों का निर्माण बिलासपुर के कलाकारों ने किया। मंदिर के गुंबज का निर्माण उड़ीसा से आए कलाकारों द्वारा किया गया है साथ ही मुख्य दरवाजे का भी कार्य पूर्ण उड़ीसा से आए कारीगरों के द्वारा किया जा रहा है। शीघ्र ही मंदिर के गर्भ गृह में चांदी स्वरूप गर्भ गृह का निर्माण जयपुर से आए कलाकारों द्वारा किया जाएगा। श्री श्याम मित्र मंडल मंडल मनेन्द्रगढ़ ने क्षेत्र के समस्त धर्म अनुरागी जनों से उक्त पांच दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा आयोजन में सपरिवार शामिल होकर धर्म लाभ उठाने का आग्रह किया है।

आधा दर्जन लोगो पर षड्यंत्र के तहत कूट रचित दस्तावेज के आधार पर जमीन का एग्रीमेंट करने का लगा आरोप

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

लखनऊ। बिजनौर के चौधरी टोला, सरवन नगर निवासी देवेंद्र कुमार यादव ने करीब आधा दर्जन लोगों पर एक षड्यंत्र के तहत कूट रचित दस्तावेज के आधार पर पीड़ित की पुश्तैनी जमीन का एग्रीमेंट करने का आरोप लगाया है। डीसीपी (दक्षिणी) से की गई शिकायत के बाद डीसीपी के आदेश पर बिजनौर पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच कर रही है। देवेंद्र कुमार यादव के मुताबिक बिजनौर स्थित खसरा संख्या - 2503, 1813/2, 1814/2 और 1815/2 रकबा 0.4550 हेक्टेयर जमीन राजस्व अभिलेखों में उसके और भाई विष्णु शरण यादव व संतोष कुमार यादव के नाम दर्ज वरासत से मिली पैतृक संपत्ति है। देवेंद्र का कहना है कि राजधानी के आईआईएम रोड, रहीमनगर डुडौली निवासी गायत्री गुप्ता ने बिजनौर के कंकड़ कुआ में रहने वाले मो. फिरोज, सरोजनीनगर के गहरू मक्का खेड़ा निवासी सुभाष चंद्र यादव और साउथ सिटी स्थित पिपरौली के निवासी लाला यादव को एक षड्यंत्र के तहत कूट रचित दस्तावेजों के आधार पर बीती 18 जनवरी 2023 को बिना कब्जे के ही रजिस्टर्ड एग्रीमेंट कर दिया। आरोप है कि इस एग्रीमेंट में मानक नगर के तेजी खेड़ा निवासी मनीष राय और बिजनौर के ही कंकड़ कुआं निवासी तारिक अहमद बतौर गवाह शामिल है।

उत्तराखंड का प्रत्येक परिवार देश की सेवा के लिए सेना से जुड़कर अपनी जान निछावर करने का रखता है जज्बा - पंकज सिंह

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

लखनऊ। प्रभावी मतदाता सम्मेलन के माध्यम से भारतीय जनता पार्टी ने जनता के बीच पहुंचकर जनसंपर्क अभियान तेज कर दिया है। जिसके तहत रामलीला मैदान महानगर और सिटी मांटेसरी स्कूल एलडीए कॉलोनी, कानपुर रोड में प्रभावी मतदाता सम्मेलनों का आयोजन किया गया। रामलीला मैदान में आयोजित सम्मेलन में बड़ी संख्या में उपस्थित पर्वतीय समाज को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता पंकज सिंह ने कहा कि मेरा उत्तराखंड से नाता जुड़ा है और वहां की बेटी से शादी हुई है इसलिए वहां के रीति-रिवाजों और संस्कारों से भी भलीभांति परिचित हूं। उत्तराखंड के लोगों की अलग पहचान है, उत्तराखंड के हर परिवार से देश की सेवा के लिए सेना से जुड़कर अपनी जान न्योछावर करने का जज्बा है। विश्व के किसी कोने में जाएं और विश्व की बड़ी से बड़ी जगह पर बैठकर खाना खाते हैं तो बैठा हुआ शेफ का भी कहीं ना कहीं उत्तराखंड से नाता होता है। उत्तराखंड के सांस्कृतिक लोकगीत और नृत्य भी सभी के हृदय पर एक अमिट छाप बनाते हैं। उत्तराखंड के दौरे पर जब प्रधानमंत्री मोदी जी गए थे उन्होंने वहां के निवासियों के देश के प्रति समर्पण और देश भक्ति भाव को समझते हुए कहा था कि दूर-दराज में स्थित उत्तराखंड के आखिरी गांव अब आखिरी गांव नहीं कहलाएंगे बल्कि वह हमारे देश का पहला गांव कहलायेंगे। लखनऊ में विकास घर की चर्चा करते हुए पंकज सिंह ने कहा कि श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेई ने लखनऊ को सुधारने का जो कार्य किया था उन्हीं सपनों को साकार करने का कार्य आज लखनऊ के सांसद देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह कर रहे हैं और वह बदला हुआ लखनऊ हम सभी देख रहे हैं। उन्होंने कहा कि राजनाथ सिंह ने भी हमेशा यह कहा कि मैं कोई बड़े वादे नहीं करूंगा लेकिन जितनी क्षमता है देश और जनता की सेवा के लिए अपनी पूरी ताकत लगाएंगे। भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व की भाजपा की सरकार की छवि के कारण और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की जन कल्याणकारी नियत और भ्रष्टाचार को खत्म करने के संकल्प की छवि के कारण इन्वेस्टर्स समिट में 35000 करोड रुपए के इन्वेस्टमेंट के प्रस्ताव प्राप्त हुआ है और पूरे विश्व से लोग आज उत्तर प्रदेश में इन्वेस्टमेंट प्राप्त हुआ है जिसके कारण उत्तर प्रदेश में एक बड़े रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे। भारतीय जनता पार्टी के जन सेवा के कार्यक्रमों की सोच दूसरी पार्टियों की सोच में और नीति में नहीं आता क्योंकि हम लोग सरकार बनाने के लिए नहीं बल्कि इस संकल्प के साथ कि भारत माता के मस्तक को विश्व गुरु के रूप में स्थापित करना हैं इस संकल्प के साथ भारतीय जनता पार्टी कार्य कर रही है। भारतीय जनता पार्टी की यात्रा चुनावों तक सीमित नहीं है बल्कि भारतीय जनता पार्टी कार्यकताओं की यात्रा अनवरत चलती रहेगी जब तक हम करोड़ों करोड़ों जरूरतमंद लोगों के मान सम्मान की चिंता करके उनके चेहरे पर चमक और उनकी की आंखों में खुशी ना ले आए तब तक यह यात्रा अनवरत चलती रहेगी। हम पूरे विश्व का नेतृत्व कर सकते हैं और सवा सौ करोड़ लोग मिलकर एक दिशा में कदम बढ़ाया दिया तो किसी में इतनी ताकत नहीं है कि वह हिंदुस्तानियों के कदम को रोक पाए यह विश्वास हमारे देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बना है। उत्तर प्रदेश के अंदर जो भी गुंडे बदमाश है अपराधियों को संरक्षण देने वाले हैं उनको कोई बचा नहीं पाएगा और यह तय है कि योगी आदित्यनाथ की सरकार में कोई उनका संरक्षण नहीं कर पाएगा। केंद्र सरकार की सभी योजनाओं का क्रियान्वयन करने में उत्तर प्रदेश आज अग्रणी प्रदेशों में है। नगर निगम चुनाव भी नजदीक है आपसे आग्रह है की सरकार की सही नियत और नीति के अनुसार लखनऊ का विकास आपके आशाओं के अनुरूप ही होगा। श्री पंकज सिंह ने संबोधन समाप्त करते हुए कहा कि कमल के फूल की विजय सुनिश्चित करने के लिए आपसे आग्रह करूंगा।

एनएसयूआई का मनाया गया 53 वां स्थापना दिवस

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

मनेंद्रगढ़ (एमसीबी)। भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन का 53 वां स्थापना दिवस एनएसयूआई के कार्यकताओं के द्वारा मनाया गया। भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन के 53 वें स्थपना दिवस के अवसर पर पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष राजकुमार केसरवानी के द्वारा झंडा फहराया गया जिसमें प्रमुख रुप से युवा कांग्रेस जिला अध्यक्ष हफीज मेमन, एनएसयूआई जिला अध्यक्ष ग्रामीण दिव्यम पांडे, एनएसयूआई प्रदेश महासचिव स्वप्निल सिन्हा, एनएसयूआई प्रदेश सचिव विवेक वैश्य, एनएसयूआई प्रदेश सचिव यश ताम्रकार, एनएसयूआई प्रदेश सचिव गोलू चौहान, संकेत शर्मा युवक कांग्रेस विधानसभा उपाध्यक्ष, ऋषि तिवारी, सौरभ गुप्ता, रवि पांडेय, अभिषेक,

निखलेश गुप्ता, ऋषभ साहू, सुदीप मिश्रा, अभिषेक जयसवाल, शुभोजीत मानस रंजन, आदित्य गुप्ता, साहिल, गोपी, प्रदीप, संदीप, तुषार दास, अभिनाष, मोहम्मद समा, ध्वनित्र कुमार, सददाम अंसारी, वसीम अंसारी, भारत कुमार, सुमित, इम्तियाज, नवाज, शादाब, तौकीर, मुकेश सोनी, प्रदीप कुमार एवं समस्त एनएसयूआई ग्रामीण एवं शहरी कार्यकर्ता प्रमुख रूप से मौजूद रहे। सभी उपस्थित एनएसयूआई व युवा कांग्रेस के सदस्यों ने कांग्रेस के रीति नीति के तहत चलकर कांग्रेस को मजबूत करने एवं छत्तीसगढ़ में फिर से कांग्रेस की सरकार बनाने का संकल्प लिया।

बेमेतरा में हुए युवक की हत्या के विरोध में सफल बंद रहा नगर

0 जमकर नारेबाजी कर जताया आक्रोश 0 दोषियों पर कार्रवाई की मांग

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। प्रदेश के बेमेतरा में हुए एक युवक की हत्या के मामले को लेकर आज हिन्दूवादी संगठनों द्वारा आयोजित नगर बन्द सफल रहा।सुबह से लोगो ने अपनी दुकानें बंद रख कर आंदोलन को समर्थन दिया। विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल के द्वारा छत्तीसगढ़ बंद करने के प्रदेश आह्वान पर भारतीय जनता पार्टी, युवा मोर्चा, बजरंग दल, विश्व हिंदू परिषद, शिवसेना, साहू समाज, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, गौ सेवा दल सहित विभिन्न हिंदू संगठनों के युवाओं ने आज यहां बन्द का आह्वान किया था। सोमवार को अग्रसेन चौक में जुटे कार्यकर्ताओ ने नगर में पैदल व मोटरसाइकिल मार्च कर दुकाने बन्द कराई। घटना से लोग काफी आक्रोशित दिखे और जमकर नारेबाजी करते सरकार पर निशाना साधा इसके बाद सांकेतिक चक्का जाम किया गया। हिंदू संगठन के पदाधिकारियों के द्वारा स्थानीय अग्रसेन चौक से पैदल मार्च करते हुए एसडीम को एक ज्ञापन सौप कर दोषियों पर तत्काल कार्रवाई करने की मांग की है।इस दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष बाबूलाल अग्रवाल, जिला महामंत्री राजेश महलवाला, पूर्व नपा अध्यक्ष थलेश्वर साहू, जिला उपाध्यक्ष भूलन सिंह मरावी, जिला मंत्री संदीप अग्रवाल, भाजपा शहर मंडल अध्यक्ष अजय अग्रवाल, संत सिंह, शशिकांत गर्ग, मंडल महामंत्री आनंद सोनी, अरविंद मिश्रा, जनपद सदस्य बजरंग गुप्ता, गौरव महलवाला, युवा

किशन देवांगन, भाजयुमो शहर महामंत्री संस्कार अग्रवाल, बजरंग राजवाड़े, संजू सोनी, दिलीप साहू, विक्की सोनवानी, पंकज सोनी, राकेश महाराज, प्रीतम सोनी, शशांक दुबे, प्रियांशु उपाध्याय सहित काफी संख्या में भाजपा व युवा मोर्चा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता सक्रीय रहे।इस दौरान बजरंग दल विभाग संयोजक दिनेश साहू, जिला सहसंयोजक संजय देवांगन, नगर संयोजक अनूज साहू, पवन गुप्ता, निखिल साहू, रोहित कसेरा, संजय साहू, विक्की मिश्रा, विनय साहू, शुभम सोनी, लोकेश सोनवानी, शुभम ठाकुर, प्रेम गुप्ता, विशाल गुप्ता, आर्यन चौबे, धीरज सोनी, जय कुर्रे, गौतम गुप्ता, पुष्पेंद्र अग्रहरि, आकाश कसेरा, आकाश देवांगन, रोहित देवांगन, गोलू पांडेय, गोलू विस्वकर्मा, राहुल ढंकन, सानू साहू, अंशु कसेरा, अंकित अग्रवाल, चंद्रकांत राजवाड़े सहित काफी संख्या में विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता सक्रीय रहे। इस दौरान जिला साहू संघ के अध्यक्ष जोखन साहू, सुशील साहू, थलेश्वर साहू, साहू संघ युवा प्रकोष्ठ जिला संयोजक सौरभ साहू, सुनील साहू, मनीष साहू, संदीप साहू, आकाश साहू, विकाश साहू सहित काफी संख्या में साहू समाज के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता सक्रिय रहे।इस दौरान शिवसैना युवा सेना अध्यक्ष माधव महतो, सुनील सारथि, ? सारथि, नंदू सारथि, रवि सारथि, राजा सारथि, आयुष सारथि, रौनक सारथि, अनमोल, देव, अनिल सहित काफी संख्या में शिवसैनिक सक्रीय रहे।

रामानुजनगर भी रहा बन्द

विश्व हिंदू परिषद छत्तीसगढ़ प्रान्त के आह्वान पर बेमेतरा में ह्दिु युवक की नृशंस हत्या एवं पूरे परिवार की हत्या कर देने की धमकी देने पर हिन्दू आक्रोश की आवज सरकार तक पहुंचाने एवं त्वरित कार्यवाही की मांग को लेकर ब्लॉक मुख्यालय मे तीन घण्टे का नगर बंद किया गया।जिसका आम व्यापारियों सर्व नागरिकों ने भी व्यापक समर्थन प्रदान किया।आज के बंद को सफल बनाने में प्रमुखत मडल अध्यक्ष जयप्रकाश उपाध्याय, रामनिवास साहू भाजयुमो मण्डल अध्यक्ष सुनील साहू, विवेक दुबे, जनपद सदस्य बजरंग गुप्ता, अनुप दुबे, रोहित शर्मा, प्रदीप झा सुमन्त सहु, राजेश साहू, अभिषेक उपाध्याय, बजरंग दल के कार्यकर्ता उपस्थित थे।

जिले में बढ़ रहा कोरोना का खतरा

उपचार की तैयारियों का किया गया पूर्वाभ्यास

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। कोरोना संक्रमण की बढ़ते प्रकोप को देखते हुए इसकी रोकथाम और उपचार के लिए सोमवार को यहां जिला चिकित्सालय में मॉक ड्रिल किया गया। मॉक ड्रिल के तहत कलेक्टर सुश्री इफ्फत आरा ने कोविड आइसोलेशन वार्ड, आईसीयू, कंट्रोल रूम, आइसोलेशन बेड, ऑक्सीजन कॉन्सेन्ट्रेटर ऑक्सीजन प्लांट सहित आवश्यक सुविधाओं की क्रियाशीलता का बारीकी से निरीक्षण किया। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को कोविड जांच, दवाओं की उपलब्धता, स्टाफ की उपलब्धता, साफ-सफाई, इलाज के लिए सभी स्वास्थ्य सुविधाओं और उपकरणों को दुरुस्त रखने कहा।

कलेक्टर ने कोरोना लक्षण वाले मरीजों के लिए अलग प्रवेश द्वार के साथ अलग ओपीडी बनाने कहा। उन्होंने डॉक्टरों और चिकित्सा स्टाफ की सुरक्षा के लिए स्टाफ कक्ष बनाने के निर्देश दिए। मॉक एनके त्रिपाठी, चिकित्सा विशेषज्ञ डॉ. अजय मरकाम

ड्रिल के दौरान मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आर एस सिंह सिविल सर्जन डॉ. डीपीएम गणपत नायक सहित अन्य अस्पताल नर्सिंग कर्मचारी इत्यादि उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने किया ऑनलाइन सत्यापन हो रहे आवदनों का निरीक्षण

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले में बेरोजगारी भत्ता के लिए भरे जा रहे ऑनलाईन आवेदनों का परीक्षण किया जा

रहा है। इस हेतु जिला सूरजपुर अंतर्गत प्रत्येक पांच ग्राम पंचायतों का एक कलस्टर बनाया गया है। जहां आवदकों के द्वारा ऑनलाइन किये गये आवेदन का मूलतः दस्तावेजों का सत्यापन हेतु गठित टीम के द्वारा इस संबंध में जारी दिशा निर्देशों का पालन करते हुये योग्य बेरोजगार आवेदक का पात्रता का चयन प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है। इस कड़ी में आज लेक्टर सुश्री इफ्फत आरा के द्वारा तिलसीवा क्लस्टर अंतर्गत शासकीय कन्या हाई स्कूल नवापारा में चल रहे आवेदनों के सत्यापन की प्रक्रिया का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जनपद पंचायत सीईओ आकांक्षा त्रिपाठी, रोजगार अधिकारी सुश्री चारु चित्रा उपस्थित थी।

निर्वाचक नामावली में प्रविष्टि संशोधन अंतिम तिथि 27 को

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग रायपुर द्वारा जारी आदेशानुसार जनपद पंचायत सूरजपुर के ग्राम पंचायत उंचडीह, रूनियाडीह, पेण्डरखी, पार्वतीपुर, कमलपुर, रविन्द्रनगर, जनपद पंचायत रामानुजनगर के ग्राम पंचायत देवनगर, लेडुवा, मदनेश्वरपुर, कल्याणपुर, रामानुजनगर, त्रिपुरेश्वरपुर, जनपद पंचायत प्रेमनगर के ग्राम पंचायत ब्रम्हपुर, जनपद पंचायत ओडगी ग्राम पंचायत मोहरसोप, टोटको, कछिया, मयुरधक्की, अवंतिकापुर, पासल, पेण्डारी, पकनी जनपद पंचायत भैयाथान के ग्राम पंचायत केनापारा एवं जनपद पंचायत प्रतापपुर के ग्राम पंचायत गोन्दा, करसी के वार्डवार निर्वाचक नामावली तैयार है एवं आम लोगों के निःशुल्क निरीक्षण के लिए उपलब्ध है निर्वाचक नामावली 01 जनवरी के आधार पर तैयार की गई है।

कोई भी व्यक्ति जो उपरोक्त अर्हकारी तारीख के संदर्भ में, निर्वाचक नामावली में किसी का नाम को सम्मिलित किए जाने या किसी प्रविष्टि को संशोधित करने के लिए दावा करना चाहे या किसी व्यक्ति का नाम सम्मिलित किये जाने के संबंध में आपत्ति करना चाहे, वह इस संबंध में अपना दावा या आपत्ति निर्धारित प्रारूप में कार्यालयीन समय के दौरान कभी भी 17 अप्रैल तक, जो कि दावा और आपत्तियां प्रस्तुत करने की आखरी तारीख है, अपरान्ह 3 बजे तक उपरोक्त ग्राम पंचायतों के लिए पृथक-पृथक नियुक्त प्राधिकृत कर्मचारी, अधिकारी जो दावा, आपत्तियां प्राप्त करने के लिए अपने-अपने ग्राम पंचायत मतदान केन्द्रों में उपलब्ध रहेंगे, उन्हें वे निर्धारित फार्म में आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं, एवं प्रारूप- क-1 में रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी को दावा प्रस्तुत करने की 27 अप्रैल को अंतिम है। निर्धारित अवधि समाप्त होने के पश्चात् प्रस्तुत किये गये किसी भी दावा, आपत्ति पर विचार नहीं किया जाएगा।

अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भण्डारण पर होगी कार्यवाही

कोरबा। छ.ग. फ्रंटलाइन। खनिज विभाग द्वारा सूचित किया गया है कि जिला अंतर्गत स्वीकृत मुख्य खनिज खनिज एवं रेत खदानें जो कि वैद्य रूप से संचालित है के अलावा अन्य स्थानों से किसी भी व्यक्ति/संस्थानों द्वारा खनिजों का किसी विधिपूर्ण प्राधिकार के बिना उत्खनन, परिवहन एवं भण्डारण किये जाने पर खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) 1957 की धारा-21 एवं छ.ग. गौण खनिज नियम 2015 अन्तर्गत नियम- 71 एवं छ.ग. खनिज खनन (खनन, परिवहन एवं भण्डारण) नियम- 2009 के नियम- 3 के तहत खनिज अधिनियम/नियमों के तहत कार्यवाही की जाएगी।

9 दिनों तक चले श्रीमद भागवत कथा का हवन व भंडारे के साथ हुआ समापन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

पचीरा। हवन पूजन व भण्डारे के साथ ग्राम तिलसिवा चल रहे श्रीमद् भागवत ज्ञान यज्ञ का समापन हुआ। इस मौके पर बाजे गाजे के साथ भव्य विसर्जन यात्रा निकाली गई और रेणुका नदी के तट में कलश विसर्जन किया गया। 9 दिन तक चले संगीतमय श्रीमद भागवत कथा का वाचन राष्टीय कथा वाचिका श्री धाम वृंदावन से आई देवी सत्या चार्य जी के द्वारा विस्तार से किया गया। उक्त कथा

निकली भव्य विसर्जन यात्रा

का आयोजन तिलसिवा समिति के कार्यकर्ताओं द्वारा गया था। पहली बार गांव में श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन हुआ था। जिसको लेकर गांव के भगवत प्रेमियों में काफी उत्साह रहा। आयोजन में तिलसिवा, पचीरा, गिरवरगंज सूरजपुर नयनपुर कुरुवा बेल्टिकिरी सहित अन्य गांव के लोगो ने कथा का आनन्द लिया। आयोजन में समिति के सदस्य सरपंच कामेश्वर सिंह केदारनाथ राजवाडे सोमू राजवाड़े सुरेंद्र जयसवाल भंवर लाल राजवाड़े करमचंद राजवाडे पप्पू राजवाड़े जमुना प्रसाद राजवाड़े त्रिभुवन राजवाड़े लाल बहादुर यादव मेन प्रसाद राजवाड़े सुबोध दुबे मनोज दुबे गायत्री इंद्र प्रसाद छत्रपाल शैलेंद्र जयसवाल सुरेंद्र जयसवाल बिना सिंह एवं समस्त ग्राम वासियों का सहयोग रहा। सोमवार को भव्य शोभायात्रा निकालकर रेडनदी के तट पर कलश का विसर्जन किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में महिला पुरुष व बच्चे शामिल रहे।

शासकीय श्रृंगी ऋषि उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय नगरी में प्रवेश प्रारम्भ

नगरी। छ.ग. फ्रंटलाइन। शासकीय श्रृंगी ऋषि उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय नगरी में सत्र 2023-24में प्रवेश के लिए आयु 31 मार्च 2023 की स्थिति में कक्षा एलकेजी के लिए 3 वर्ष 6 माह से 4 वर्ष 6 माह तथा कक्षा पहली के लिए 5 वर्ष 6 माह से 6 वर्ष 6 माह की आयु सीमा निर्धारित है। प्रवेश के इच्छुक छात्र-छात्राएं ऑनलाइन आवेदन दिनांक 10 अप्रैल 2023 से 5 मई 2023 तक कर सकते हैं एवं ऑनलाइन आवेदन की पावती ऑफ्लाइन फॉर्म के साथ समय अवधि में संस्था में जमा करेंगे।चयन लॉटरी पद्धति से दिनांक 10 मई 2023 को पालकों की उपस्थिति में किया जाएगा।यह जानकारी प्रेस विज्ञप्ति जारी कर प्राचार्य शासकीय श्रृंगीऋषि उत्कृष्ट माध्यमिक विद्यालय नगरी ने दी है

केक काटकर मनाया गया एनएसयूआई का स्थापना दिवस

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

ओड़गी। छात्र हितों के लिए सदैव संघर्ष करने वाले देश के लोकतांत्रिक छात्र संगठन भारतीय राष्टीय छात्र संगठन एनयूएसआई के 53 वें स्थापना दिवस पर भाटगांव विधायक एवं छ.ग. शासन में संसदीय सचिव पारस नाथ राजवाड़े एवं एनएसयूआई जिला महासचिव कमलेश यादव एनयूएसआई के ब्लॉक पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं की उपस्थिति में विधायक द्वारा एनएसयूआई की स्थापना करने वाली भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय श्रीमती इंदिरा गांधी की संघर्ष जीवनी को सारगर्भित रूप से बताया। केक काटकर तथा एक दूसरे को मिठाई खिलाकर एनएसयूआई के कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों द्वारा स्थापना दिवस मनाया गया। इस दौरान मुनेश्वर राजवाड़े ब्लॉक कांग्रेश उपाध्यक्ष, कमलेश यादव एनएसयूआई जिला महाचिव, रामकुमार राजवाड़े, महेंद्र यादव, देवप्रकाश यादव,राजधानी राजवाड़े, विष्णु राजवाड़े, जितेंद्र राजवाड़े, नरेंद्र यादव, सतेंद्र, गोलू, आशीष, खेलानंद, शिवम, मनोज, चंद्रसिंह, विजय, आनंद यादव, राकेश, सहित ओड़गी ब्लॉक के तमाम कार्यकर्ता भारी उपस्थित रहे।

प्राथमिक शाला चिटौद के शताब्दी महोत्सव में शामिल हुए स्कूल शिक्षा मंत्री

रायपुर। छ.ग. फ्रंटलाइन। स्कूली शिक्षा मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम आज बालोद जिले के गुरुर विकासखंड के प्राथमिक शाला चिटौद के शताब्दी समारोह में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने प्राथमिक शाला चिटौद के गौरवशाली इतिहास एवं उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए उसकी सराहना की। मंत्री डॉ. टेकाम ने विधायक श्रीमती संगीता सिन्हा की मांग पर प्राथमिक शाला एवं पूर्व माध्यमिक शाला में 02-02 अतिरिक्त कमरे का निर्माण तथा प्राथमिक शाला चिटौद में डिजिटल क्लास शुरू करने की घोषणा की। इसके अलावा उन्होंने संस्था के भूतपूर्व विद्यार्थी एवं वर्तमान में एमबीबीएस में अध्ययनरत छात्रा कु.वर्षा ठाकुर के शिक्षण एवं अन्य शुल्क के लिए 25 हजार रुपये तथा प्राथमिक शाला चिटौद में सांस्कृतिक कार्यक्रम को बढ़ावा देने हेतु 25 हजार रुपये की राशि स्वेच्छानुदान से प्रदान करने की घोषणा की। उल्लेखनीय है कि प्राथमिक शाला चिटौद की स्थापना 08 दिसम्बर 1922 को की गई थी। विद्यालय के 100 वर्ष पूरा होने पर आज शताब्दी समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में संजारी-बालोद विधायक श्रीमती संगीता सिन्हा, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती मीना साहू, सरपंच श्रीमती कुमारी बाई सहित अन्य अतिथिगण उपस्थित थे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री डॉ. टेकाम ने कहा कि प्राथमिक शाला चिटौद का अतीत अत्यंत वैभवशाली है। यहां से विद्या अध्ययन करने के लिए अनेक प्रतिभाशाली विद्यार्थियों ने समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल कर इस संस्था का नाम रौशन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि निश्चित रुप से उनका कर्मकौशल हमारे विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण का मार्ग प्रर्दशित करेगा। डॉ. टेकाम ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल के नेतृत्व वाले छत्तीसगढ़ सरकार के द्वारा राज्य में शिक्षा के गुणात्मक सुधार तथा समाज के सभी वर्गों के विद्यार्थियों को बेहतर से बेहतर शिक्षा मुहैया कराने हेतु कारगर उपाय सुनिश्चित की जा रही है। इसे ध्यान में रखते हुए राज्य में स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय की स्थापना के साथ-साथ आगामी शिक्षा सत्र से अंग्रेजी माध्यम महाविद्यालय की स्थापना की जाएगी। जिससे कि गरीब बच्चों को बेहतर शिक्षा का अवसर प्राप्त हो सके। उन्होंने कहा कि इसके लिए हमारी सरकार छत्तीसगढ़ की संस्कृति, परम्परा, रीतिरिवाज,खानपान, खेल आदि को भी संरक्षण और संवर्धन करने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। मंत्री डॉ. टेकाम ने प्राथमिक शाला चिटौद के आदर्श पुस्तकालय की भी सराहना की तथा शाला के उपलब्धियों पर विस्तार से प्रकाश डाला।

सरगुजा फ्रंटलाइन

मोबाइल मेडिकल यूनिट से दो लाख से अधिक हुए लाभान्वित

अब तक कुल 624 मरीजों को उच्च चिकित्सा के लिए किया गया रेफर

छ.ग.फ्रंटलाइन **अंबिकापुर।** राज्य प्रवर्तित योजनान्तर्गत मुख्यमंत्री स्लम स्वास्थ्य योजना का क्रियान्वयन, नगर पालिक निगम, अंबिकापुर क्षेत्रांतर्गत माह नवंबर 2020 से किया जा रहा है। इस योजना में नगर निगम क्षेत्र में 04 इकाई मोबाइल मेडिकल यूनिट (एमएमयू) का संचालन किया जा रहा है। योजना के आरंभ से अब तक कुल 2 हजार 715 कैंप आयोजित किए गए हैं, जिसमें कुल 2 लाख 3 हजार 298 हितग्राही लाभान्वित हुए हैं। कुल 1 लाख 49 हजार 140 मरीजों को नि:शुल्क दवा वितरित की गई है तथा कुल 42 हजार 624 मरीज़ों का लैब टेस्ट हुआ है। अब तक कुल 624

मरीजों को रेफर किया जा चुका है। प्रत्येक एमएमयू में 01 डॉक्टर (एमबीबीएस) 01 नर्स, 01 लैब टेक्नीशियन, 01 फार्मासिस्ट एवं एक वाहन चालक उपलब्ध है। एमएमयू में कुल 41 प्रकार के लैब टेस्ट की सुविधा उपलब्ध है, जिसमें से 29 प्रकार के लैब टेस्ट एमएमयू में ही किए जाते हैं। शेष 12 प्रकार के टेस्ट कंपनी (सर्विस प्रोवाइडर) द्वारा अन्यत्र लैब से कराकर उपलब्ध कराया जाता है। एमएमयू में 170 प्रकार की दवाइयां उपलब्ध हैं। योजना के दूसरे चरण में नगर पंचायत लखनपुर एवं नगर पंचायत सीतापुर में 01 अप्रैल 2022 से उक्त योजना का क्रियान्वयन किया जा रहा है, जिसमें 01 इकाई एमएमयू का संचालन किया जा रहा है। उक्त दोनों नगर पंचायत में कुल 289 कैंप आयोजित किए गए हैं जिसमें कुल 19 हजार 507 हितग्राही लाभान्वित हुए हैं। कुल 15 हजार 485 मरीजों को नि:शुल्क दवा वितरित की गई है तथा कुल 2 हजार 894 मरीजों का लैब टेस्ट हुआ है।

74.26 लाख की दवा मरीजों को वितरित

अब तक कुल रुपये 74.26 लाख की दवा मरीजों को वितरित की गई है। एमएमयू के कैम्प का समय प्रात: 08 बजे से अपरान्ह 03 बजे है। एमएमयू में प्राथमिक उपचार का लाभ प्राप्त होता है एवं गंभीर बीमारी होने पर मरीज को जिला चिकित्सालय रेफर किया जाता है। अब तक कुल 624 मरीजों को रेफर किया जा चुका है। गुदड़ी चौक एवं कलाकेन्द्र मैदान के पास कैंप लगाने से गांव से आने वाले मजदूरों को भी इसका लाभ प्राप्त हो रहा है। एमएमयू में आए सभी मरीजों का रिकॉर्ड कंपनी (सर्विस प्रोवाइडर) द्वारा मुख्यमंत्री स्लम स्वास्थ्य योजना के पोर्टल में एंट्री किया जाता है। योजना के माध्यम से निगम के समस्त 48 वार्डों के स्लम क्षेत्र में कैंप लगाकर लोगों को स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है, साथ ही वृद्धा आश्रम, बाल संप्रेषण गृह, घरौंदा आश्रम गृह में भी कैंप लगाकर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है।

अणुव्रत क्रिएटिविटी में भाग लेकर जीत हासिल किए बच्चों का सम्मान

छ.ग.फ्रंटलाइन **अंबिकापुर।** जन शिक्षण संस्थान सरगुजा ने अणुव्रत क्रिएटिविटी में विभिन्न विद्यालयों से जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर जीतकर आए बच्चों का सम्मान किया। सामाजिक सहित विभिन्न क्षेत्रों में कार्य कर रही वंदना दत्ता कार्यक्रम की मुख्य अतिथि रहीं। आयोजन में राजनीति क्षेत्र से भाजपा नेत्री मंजूषा भगत, अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष हेमंत तिवारी, अणुव्रत समिति के मंत्री धनपत जैन, विक्टोरिया पब्लिक स्कूल के प्राचार्य कौशल शर्मा, कन्या परिसर स्कूल गंगापुर की प्राचार्य संध्या सिंह, जन शिक्षण संस्थान के निदेशक एम.सिद्दीकी अतिथि के रूप में मंचस्थ रहे। दीप प्रज्ज्वलित कर के अणुव्रत गीत के साथ कार्यक्रम शुरू किया गया। इसी क्रम में इस कार्य से जुड़े संयोजक, जजों का सम्मान किया गया, साथ ही अपने-अपने क्षेत्र में सार्थक कार्य कर रही महिलाओं का भी सम्मान किया गया। विजेताओं के क्रम में चित्रकला में जिला स्तर पर अनुग्रह दीक्षित, राज्य स्तर पर सुहानी गुप्ता, राष्ट्रीय स्तर पर निबंध में खुशी मिश्रा विजेता रही। तीनों ही विक्टोरिया पब्लिक स्कूल के हैं। गीत गायन में शासकीय कन्या परिसर स्कूल गंगापुर से ग्रुप में आरती एक्का, भाषण में चंद्र प्रभा पैकरा राज्य स्तर पर विजेता रहे। दोनों ही विद्यालय के प्राचार्य कौशल शर्मा एवं संध्या सिंह ने इस पर प्रसन्नता जाहिर की। जज की भूमिका में आराधना अयंगर, ज्योत्सना पालोरकर, श्रद्धा मिश्रा, रानी रजक, प्रियलता रहीं। संयोजक की भूमिका अंचल ओझा, संतोष भारती, नीलू बाला जैन, मीरा साहू, सुषमा जायसवाल ने निभाई। अतिथियों ने अपने व्यक्तव्य में कार्यक्रम के उद्देश्य की सराहना की और बच्चों का उत्साह बढ़ाया। संध्या सिंह ने अपनी कविता से लोगों को मोहित कर दिया। अणुव्रत के उद्देश्य पर संयोजिका ममोल कोचेटा ने प्रकाश डाला और विभिन्न नियत कार्यक्रमों में सहयोग का आह्वान किया। कार्यक्रम का संचालन ममोल कोचेटा और शिशु मंदिर की प्राचार्य मीरा साहू ने किया। आभार प्रदर्शन महेंद्र जैन द्वारा किया गया। इस मौके पर जन शिक्षण संस्थान के विवेक सिंह, कोषाध्यक्ष राजकुमार मालू, प्रचार प्रसार मंत्री हनुमान डागा, गुलनार जैन, कुसुम जैन, शिक्षक विनीता मिश्रा, अपूर्वा दीक्षित, आराधना जैन सहित अन्य उपस्थित रहे। अतिथियों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

इनका किया गया सम्मान

कार्यक्रम के दौरान एक घंटे मौन का उपक्रम वर्ष भर के लिए प्रति मंगलवार को चलाया जा रहा है, इसमें शामिल बहनों का सम्मान किया गया। बहनों में भावना जैन, संगीता जैन, शीला जैन, चंदा जैन, महिलाओं में रीता अग्रवाल का दिव्यांग क्षेत्र में, अंजु अग्रवाल एकल क्षेत्र में, कंचन गुप्ता योग में, स्वीटी जैन का प्रेक्षा ध्यान क्षेत्र में, सरस्वती शिशु मंदिर से आरती पांडेय, सविता सिंह, सुप्रिया सिंह, रोशनी, अर्चना सरकार, लेखन क्षेत्र में भारती वैष्णव का सम्मान अणुव्रत समिति द्वारा स्मृति चिन्ह देकर दिया गया।

संभागायुक्त का भ्रमण कार्यक्रम स्थगित

छ.ग.फ्रंटलाइन **अंबिकापुर।** संभागायुक्त डॉ.संजय कुमार अलंग का 12 एवं 13 अप्रैलको प्रस्तावित जिले का भ्रमण कार्यक्रम अपरिहार्य कारणों से स्थगित हो गया है। आगामी भ्रमण कार्यक्रम की सूचना पृथक से दी जाएगी। ज्ञातव्य है कि पूर्व जारी दौरा कार्यक्रम के अनुसार कमिश्नर डॉ.अलंग का 11 अप्रैल को अंबिकापुर आगमन, 12 अप्रैल को विभिन्न विकास कार्यों का निरीक्षण व 13 अप्रैल को अंबिकापुर में कार्यालयीन एवं न्यायालयीन कार्य पश्चात बिलासपुर जाना प्रस्तावित था।

खाद्य मंत्री ने किया भटको-करदना सड़क का भूमिपूजन

छ.ग.फ्रंटलाइन **अंबिकापुर।** खाद्य मंत्री अमरजीत भगत ने सोमवार को बतौली जनपद अंतर्गत भटको-करदना सड़क के विधि-विधान से पूजा अर्चना कर भूमिपूजन किया। छह किलोमीटर लंबी सड़क का निर्माण पीएमजीएसवाय द्वारा 16 करोड़ 60 लाख रुपये की लागत से किया जाएगा। खाद्य मंत्री ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि सडक निर्माण से आवागमन सुगम होने के साथ ही विकास को भी गति

मिलेगी। हमारी सरकार सड़क, पानी, बिजली जैसी बुनियादी सुविधाओं के विस्तार की दिशा में आगे बढ़ रही है। कला-संस्कृति को संरक्षित करने की दिशा में भी कई आयोजन किए जा रहे हैं। उन्होंने ग्रीष्म ऋतु में पेयजल की समस्या कहीं न हो इसके लिए संबंधित अधिकारियों को हमेशा सतर्क व तत्पर रहने कहा। इस अवसर पर स्थानीय जन प्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी व बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

श्री श्याम संकीर्तन महोत्सव का आयोजन 14 को

राजपुर। नगर के अग्रसेन भवन में श्री श्याम सेवा समिति के तत्वावधान में प्रथम श्री श्याम संकीर्तन महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। 14 अप्रैल शुक्रवार को होने वाले इस संकीर्तन महोत्सव में दोपहर 12 बजे से मां महामाया मंदिर प्रांगण से अग्रसेन भवन तक भव्य निशान यात्रा निकाली जाएगी। कार्यक्रम में सायं सात बजे से प्रभु श्री श्याम संगीत उत्सव का कार्यक्रम किया जाएगा, जहां राजस्थान के चैतन्य दाधीच, समस्तीपुर बिहार के रेशमी शर्मा एवं रायपुर के विनय अग्रवाल के द्वारा श्री श्याम महोत्सव में आकर्षक व मनमोहक प्रस्तुति दी जाएगी। श्याम मंदिर छुरी के पुजारी जीतू अग्रवाल के द्वारा श्री श्याम का शीश शृंगार किया जाएगा। श्री श्याम मंदिर अंबिकापुर के पुजारी रामजी उपाध्याय एवं मां महामाया मंदिर राजपुर के पुजारी राघवेंद्र पांडेय द्वारा होने वाले श्री श्याम महोत्सव कार्यक्रम में पूजा का कार्य संभालेंगे।

छत्तीसगढ़ श्रमजीवी पत्रकार कल्याण संघ के जिला प्रवक्ता बने मोहन प्रताप

अधिवक्ता लक्ष्मी साहू संयोजक व कानूनी सलाहकार, सुल्तान खान जिला कोषाध्यक्ष

छ.ग.फ्रंटलाइन **भटगांव।** जिले में छत्तीसगढ़ श्रमजीवी पत्रकार कल्याण संघ सूरजपुर के जिला कार्यकारिणी की बैठक स्थानीय रेस्ट हाउस में हुई, जिसमें सूरजपुर जिला के सभी ब्लॉक मुख्यालय के पत्रकार शामिल हुए। बैठक में जिला विस्तार सहित कई अहम मुद्दों पर चर्चा की गई, जो पत्रकारों के हित के लिए है। वहीं छत्तीसगढ़ प्रदेश सरकार के द्वारा प्रदेश के पत्रकारों के भविष्य को लेकर लागू किए गए पत्रकार सुरक्षा कानून को लेकर भी चर्चा की गई। सूरजपुर के रेस्ट हाऊस में आयोजित बैठक में उपस्थित जिले के समस्त ब्लॉकों के श्रमजीवी पत्रकार कल्याण संघ के सदस्यों से जिला कार्यकारणी के विस्तार सहित अन्य मुद्दों पर चर्चा करते हुए सर्व सहमति से सूरजपुर जिला के वरिष्ठ पत्रकार व भटगांव निवासी मोहन प्रताप सिंह को जिला प्रवक्ता का महत्वपूर्ण प्रभार सौंपा गया, वहीं वरिष्ठ अधिवक्ता लक्ष्मी साहू को जिला संयोजक एवं कानूनी सलाहकार, पत्रकार सुल्तान खान को जिला कोषाध्यक्ष का दायित्व सौंपा गया। बीते दिनों छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने रायपुर में छत्तीसगढ़ श्रमजीवी पत्रकार कल्याण संघ की बैठक में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में सरगुजा संभाग से उपस्थित वरिष्ठ पत्रकार अनिल सोनी को पुरोधा सम्मान से सम्मानित किया गया था। इनका सूरजपुर जिला के पत्रकारों ने भी जिला कार्यकारिणी की बैठक में साल-श्रीफल देकर सम्मान किया। संघ के कार्यकारिणी विस्तार स्वरूप नए दायित्वों से नवाजे गए जिला प्रवक्ता मोहन प्रताप सिंह ने बताया कि संगठन के द्वारा विश्वास स्वरूप उन्हें जो पद प्रदान किया गया है, उस पद की गरिमा को ध्यान में रखते हुए संघ के समस्त पदाधिकारियों और सदस्यों की मंशानुरूप कार्य करेंगे। इस मौके पर छत्तीसगढ़ श्रमजीवी पत्रकार कल्याण संघ के जिला अध्यक्ष अजय चक्रधारी, महासचिव उमाशंकर देवांगन, जिला सचिव पुनेश्वर सिंह, नंदू यादव, शशी रंजन सिंह, सुरेंद्र साहू, महेंद्र सिंह, धर्म सिंह, लाल बहादुर यादव, वीरेंद्र चक्रधारी, श्याम सुंदर जयसवाल, विनोद जायसवाल सहित जिले के सभी ब्लॉक के संघ के सदस्य, पत्रकार उपस्थित रहे।

एनयूएसआई ने 53वां स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया

छ.ग.फ्रंटलाइन **ओड़गी।** छात्र हित में सदैव संघर्ष करने वाले छात्र संगठन एनयूएसआई का 53वां स्थापना दिवस भटगांव विधानसभा क्षेत्र के विधायक एवं संसदीय सचिव पारसनाथ राजवाड़े, एनएसयूआई के जिला महासचिव कमलेश यादव, एनयूएसआई के ब्लॉक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं

की उपस्थिति में मनाया गया। इस मौके पर एनएसयूआई का स्थापना करने वाली भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री स्व.इंदिरा गांधी की संघर्ष जीवनी पर प्रकाश डालते हुए स्व.इंदिरा गांधी अमर रहें के नारों की गूंज हुई। केक काटकर व एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर एनएसयूआई के कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों ने स्थापना दिवस धूम-धाम से मनाया। इस दौरान ब्लॉक कांग्रेस उपाध्यक्ष मुनेश्वर राजवाड़े, एनएसयूआई के जिला महासचिव कमलेश यादव, रामकुमार राजवाड़े, महेंद्र यादव, देवप्रकाश यादव, राजधानी राजवाड़े, विष्णु राजवाड़े, जितेंद्र राजवाड़े, नरेंद्र यादव, सतेंद्र, गोलू, आशीष, खेलानंद, शिवम, मनोज, चंद्र सिंह, विजय, आनंद यादव, राकेश सहित ओड़गी ब्लॉक के तमाम कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कांग्रेस नेता पर धोखाधड़ी करते हुए ग्रामीण की जमीन अपने पुत्र के नाम रजिस्ट्री कराने का आरोप

छ.ग.फ्रंटलाइन **जरही।** सूरजपुर जिले के प्रतापपुर में जमीन दलाली और धोखाधड़ी करते हुए अपने व परिवार के नाम ग्रामीण की जमीन को कराने का मामला सामने आया है। आरोप है कि नशे के आदी लोगों को बहला-फुसलाकर उनके जमीन को रजिस्ट्री एक कांग्रेस नेता द्वारा राजस्व अमले से सांठगांठ कर कराई जा रही है। जानकारी के मुताबिक प्रतापपुर विधानसभा अंतर्गत ग्राम पंचायत केवर निवासी डॉ. अब्दुल मजीद कांग्रेस नेता हैं। अल्पसंख्यक समुदाय से होने के कारण इन्हें अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रमुख पद की जिम्मेदारी दी गई है। सत्ता पक्ष का नेता होने के गुरूर में धोखाधड़ी करते हुए इनके द्वारा ग्राम पंचायत सत्तीपारा निवासी सालिग राम पिता जीवधन राम राजवाड़े 50 वर्ष की कई एकड़ भूमि को अपने पुत्र अब्दुल रहमान के नाम राजस्व विभाग के अधिकारियों से साठगांठ करते हुए रजिस्ट्री करवाने का आरोप लग रहा है। सत्तीपारा के सैकड़ों ग्रामीणों ने पीड़ित परिवार के साथ थाना चंदौरा में उपस्थित होकर ज्ञापन सौंपा और बताया कि अब्दुल मजीद का यह पहला कारनामा नहीं है,इसके पूर्व कई ग्रामीणों से धोखाधड़ी करते हुए उनकी जमीन को अपने और परिवार के कई सदस्यों के नाम वे रजिस्ट्री करा चुके हैं। अब्दुल मजीद पेशे से डॉक्टर हैं जो मासूम, अशिक्षित और गरीब ग्रामीणों का ईलाज करने के आड़ में नशे के आदी लोगों को बहला-फुसलाकर उनकी जमीन को हथियाने में लगे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि अगर इसे संज्ञान में लेकर उचित जांच कार्रवाई नहीं की जाती है, तो 10 दिनों के बाद आंदोलन करने वे बाध्य होंगे।

भूमि के बदले बैंक से कर्ज, फिर भी हो गई रजिस्ट्री

ग्रामीणों के जमीन की रजिस्ट्री करवाने के बाद सामने यह भी आया है कि भूमि मालिक के द्वारा जिस भूमि को सामने कर बैंक से लोन लिया गया था और इसकी अदायगी भी बैंक को नहीं हो पाई है, फिर भी रजिस्ट्रार ने जमीन की रजिस्ट्री कर दी। यह कैसे हुआ, इसे लेकर सवाल उठ रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है राजस्व विभाग और रजिस्ट्रार की सांठगांठ के बिना यह संभव नहीं है। ऐसे में इस मामले में और कितने लोग शामिल हैं इसकी जांच होनी चाहिए।

कार्रवाई की मांग को लेकर सैकड़ों ग्रामीण पहुंचे थाना

सत्तीपारा ग्राम पंचायत के सैकड़ों ग्रामीण थाना चंदौरा पहुंच कर थाना प्रभारी के नाम आवेदन प्रेषित किए है, जिसमें जमीन धोखाधड़ी में सम्मिलित सभी लोगों पर जांच, कार्रवाई की मांग की गई है। ग्रामीणों का कहना है यदि जमीन मालिक बैंक से जमीन के बदले कर्जा लिया है, तो उक्त जमीन की रजिस्ट्री किस विधि के तहत की गई, इसकी जांच होनी चाहिए। अगर जमीन मालिक जमीन बेच रहा है तो जमीन मालिक के स्वजनों को कैसे पता नहीं चला। थाना प्रभारी चंदौरा ने इस मामले की निष्पक्ष जांच करने के बाद जिम्मेदारों व भूमि क्रेता पर कार्रवाई का भरोसा दिलाया है।

ग्रामीणों के द्वारा जमीन धोखाधड़ी को लेकर आवेदन दिया गया है। इसे संज्ञान में लेकर जमीन से जुड़े समस्त दस्तावेजों की जांच की जा रही है। आवेदक पक्ष के द्वारा कही गई बातों पर विचार करते हुए निष्पक्ष जांच करने के बाद उचित कार्रवाई की जाएगी।

शिव खूंटे
थाना प्रभारी चंदौरा

राहुल गांधी के ऊपर कार्रवाई द्वेषवश की गई कार्रवाई-राजेन्द्र भगत

छ.ग.फ्रंटलाइन **कुसमी।** छत्तीसगढ़ में कांग्रेस के जय भारत सत्याग्रह आंदोलन के तहत प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों में पत्रकारवार्ता का आयोजन करने की अपील प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने की है, जिसके परिपालन में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी कुसमी ने पत्रवार्ता का आयोजन किया। वरिष्ठ कांग्रेस नेता बहादुर राम के निवास स्थल व अस्थाई कांग्रेस कार्यालय में पत्रकारों के समक्ष अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए ब्लॉक कांग्रेस के पदाधिकारियों ने पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि राहुल गांधी की संसद सदस्यता समाप्त करने एवं उनके निवास को खाली कराने की पूरी प्रक्रिया सुनियोजित है। कार्यक्रम के प्रभारी राजेन्द्र भगत ने भाजपा पर आरोप लगाते हुए कहा राहुल गांधी के ऊपर कार्रवाई द्वेषवश की गई है। उन्होंने कहा न्यायालय के निर्णय के बाद उनके निवास को

खाली करा देने से प्रतीत होता है कि कहीं न कहीं सुनियोजित तरीके से यह काम किया गया है। भाजपा शासन जिस प्रकार हमारे नेता के खिलाफ द्वेषपूर्ण कार्य कर रही है, उसे हम शालीनता और सभ्यता पूर्वक उठाते रहेंगे, इसका विरोध करते रहेंगे। उन्होंने कहा राहुल गांधी के ऊपर यह सारी कार्रवाई के पीछे वजह मोदी के निकट सहयोगियों, अडानी की घोटाले बाजी और अडानी-मोदी के गठबंधन पर सवाल उठाया है। आईटी सेल बलरामपुर जिला अध्यक्ष राजन खान ने कहा राहुल गांधी हमेशा से जनता के मुद्दे उठाते रहे हैं। भाजपा सरकार इससे बौखला गई है। आईटी सेल के जिला उपाध्यक्ष सद्दाम खान ने कहा भाजपा सत्ता के शीर्ष पर बैठकर जनता को धोखा दे रही है, जो विपक्ष में रहकर सरकार के खिलाफ आवाज उठाने की कोशिश करता है, उसकी आवाज को दबाया जा रहा है। इस दौरान वरिष्ठ कांग्रेस नेता बहादुर राम, कार्यक्रम प्रभारी राजेंद्र भगत, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी कुसमी के पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ अध्यक्ष श्रवण गुप्ता, नगर पंचायत कुसमी वार्ड 01 के पार्षद छत्रपति, आईटी सेल सोशल मीडया के जिलाध्यक्ष राजन खान, जिला सचिव नीरज यादव, ब्लॉक अध्यक्ष सेवादल संकल्प भगत, आईटी सेल के विधानसभा महासचिव सुहैल आलम, याकूब खान, आजम अंसारी सहित अन्य कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित थे।

मिलेट रेजुलेशन कमीशनखोरी के चक्कर में चढ़ा भ्रष्टाचार की भेंट

छ.ग.फ्रंटलाइन **भटगांव।** सूरजपुर जिले में मिलेट रेजुलेशन प्रोजेक्ट के तहत कार्यालय परियोजना प्रशासक द्वारा उप संचालक कृषि जिला सूरजपुर को एक करोड़ आठ लाख 25 हजार रुपये दिया गया, उप संचालक कृषि विभाग के द्वारा इसी राशि से जिले के ग्राम पंचायतों हेतु घटिया व निम्न स्तर का मिनी राइस मिल खरीदा गया, जिसमें मिलेट प्रोजेक्ट देख रहे हरिचंद उर्फ हरिश्चंद्र चतुर्वेदी की भूमिका संदिग्ध हैं। मिलेट प्रोजेक्ट प्रदेश सरकार की दूरगामी सोच है। सरकार दी गई इस योजना का लाभ ग्रामीण क्षेत्रों में आम जनता को मिले, इसके साथ ही कुछ अधिकारियों और कर्मचारियों की नजर दी गई राशि के बंदरबांट पर टिकी है। शासन के द्वारा मिली भारी-भरकम राशि का जमकर दुरुपयोग किया गया। ना तो इस राशि से खरीदा गया मिनी राइस मिल संचालित हो रहा है और ना ही मैदानी इलाके में कुछ एक स्थानों

को छोड़कर रागी की फसल नजर आ रही है। कहने को तो जिला प्रशासन के द्वारा अधिकारियों-कर्मचारियों को विकासखंड वार टारगेट दिया गया, जिसे खासकर हरिचंद चतुर्वेदी ने बखूबी कागजों में पूरा कर दिखाया। धरातल में ना तो कहीं रागी फसल नजर आ रहा है और ना खरीदे गए मिनी राइस मिल का संचालन। ऐसे में समझा जा सकता है, सरकार की इस महत्वाकांक्षी योजना का क्या हश्र हो रहा है। इसका सत्यापन धरातल पर जाकर किया जा सकता है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक- मनीष पाठक द्वारा स्पीड प्रिंटर्स व आफसेट पुराना पोस्ट ऑफीस रोड दर्रीपारा अम्बिकापुर पिन नं. 497001 (छत्तीसगढ़) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक- कमलेश मिश्रा